संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

15वें वर्ष में प्रवेश

दैनिक दैनन्दिनी.

◆ वर्ष-15 ◆अंक-035 ◆ रायपुर, शुक्रवार 06 जुलाई 2024 ◆रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ◆ CHHHIN/2010/34274 ◆ पृष्ठ-08 मूल्य-1.50 रुपए

आज का पंचांग

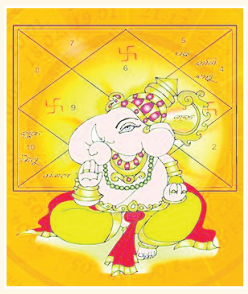

तिथि	प्रतिपदा
नक्षत्र	पुनर्वसु
प्रथम करण	किमस्तोगना
द्वितीय करण	बावा
पक्ष	शुक्ल
वार	शनिवार
योग	व्याघात
सूर्योदय	05.32
सूर्यास्त	19.17
चंद्रमा	मिथुन
राहुकाल	08.59 10.42
विक्रमी संवत	2081
शक संवत	1944
मास	आषाढ़
शुभ मुहूर्त	अभिजीत

कुआं बना कालः जांजगीर में पांच तो कोरबा जिले में चार; नौ की मौत

रायपुर। छत्तीसगढ़ में कुआं काल बना हुआ है। आज शुक्रवार को प्रदेश के अलग-अलग दो जिलों में कुएं में उतरने से नौ लोगों की मौत हो गई है। जांजगीर-चांपा में पिता और दो बेटे समेत पांच, तो कोरबा जिले में पिता-पुत्री समेत चार लोगों की मौत हुई है। इस हादसे के बाद परिवार में मातम छाया हुआ है। दरअसल, बरसात के दिन आने पर कुएं की साफ-सफाई करने के लिए उतरे हुए थे। कुएं में गैस रिसाव के चलते उनकी मौत हो गई, इन्हें बचाने के लिए एक-एक कर उतरे नौ लोगों की मौत हो गई है। कुएं में जहरीली गैस की वजह से सभी का दम घुटने लगा, जिससे उनकी मौके पर मौत हो गई। जांजगीर-चांपा जिले के

बिर्रा थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम किकिरदा में उस वक्त मातम छह गया, जब गांव के ही कुएं में पांच लोगों की मौत हो गई। दरअसल, कुएं में गिरी लकड़ी को निकालने के लिए एक व्यक्ति कुएं में उतर गया। कुएं से निकल रही जहरीली गैस से उसकी मौत हो गई। उसे बचाने के लिए पड़ोस में रह रहे चार लोग एक-एक कर उतरे। वहां जहरीली गैस की वजह से उनकी भी मौत हो गई। मृतकों का नाम रामचंद्र जायसवाल 60 वर्ष, पड़ोसी रमेश पटेल 50 वर्ष, रमेश पटेल के दो बेटे जितेंद्र पटेल 25 वर्ष, राजेंद्र पटेल 20 वर्ष, एक और पड़ोसी टिकेश्वर चंद्रा 25 वर्ष बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि टिकेश चंद्रा की तीन महीने पहले ही शादी हुई थी। रमेश पटेल खेती किसानी का काम करता था, उसके पुत्र जितेंद्र पटेल की दो साल पहले शादी हुआ था, उसका 5 माह का बच्चा है। वहीं राजेंद्र पटेल ने अपनी 10वहीं तक की पढ़ाई की है, जिसके बाद अपने पिता के साथ खेती किसानी में हाथ बटाया करता था। दूसरी ओर कोरबा जिले के कटघोरा थानांतर्गत ग्राम जुराली के डिपरा पारा में चार लोगों की कुआं में डूबने से मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक कुंआ में ग्रामीण के गिरने के बाद उसे बचाने के लिए बेटी कुंआ में कूद गयी। इसके बाद परिवार के ही दो अन्य लोग कुआं में नीचे उतरे, लेकिन सभी की मौत हो गई। जुराली निवासी शिवचरण पटेल कुएं की सफाई कर रहा था इस दौरान वह नीचे गिर गया। उसे देखकर उसकी बेटी सपीना नीचे उतरी, जहां उसकी भी मौत हो गई। दोनों को कुएं में गिरा हुआ देख मनबोध पटेल, जरूर पटेल नीचे उतरे। थोड़ी देर बाद उनकी भी मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कुएं में गैस रिसाव के चलते चारों की मौत हुई है।

मुख्यमंत्री ने जताई गहरी संवेदना, प्रत्येक मृतक के परिजन को 9-9 लाख रुपए की सहायता राशि देने के निर्देश

प्रदेश में कोरबा जिले में कुएं से डूबने से 4 लोगों की और सक्ती जिले में कुएं में जहरीली गैस से हुई दुर्घटना से 5 लोगों की मृत्यु पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने गहरा दुख व्यक्त किया है तथा पीड़ित परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिवारजनों को 9-9 लाख रुपए की सहायता राशि देने के निर्देश भी अधिकारियों को दिये हैं। इसमें से 4-4 लाख रुपए आरबीसी छह-चार के अंतर्गत तथा मुख्यमंत्री की ओर से 5-5 लाख रुपए की सहायता राशि शामिल है।

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अपनी जन्मभूमि बगिया में अपनी माताजी के सम्मान में पौधरोपण किया। उन्होंने शासकीय हाईस्कूल बगिया परिसर में रुद्राक्ष का पौधा रोपा। उन्होंने कहा कि इस अभियान अंतर्गत लगे पौधे जननी और जन्मभूमि के रिश्ते को एक नई पहचान देंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में शामिल होने यहां पहुंचे थे। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय ने भी रुद्राक्ष का पौधा लगाया।

संपूर्णता अभियान के तहत 6 इंडिकेटर पर शत-प्रतिशत लाएं उपलब्धिः साहू

रायपुर। आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री भारत सरकार तोखन साहू ने केन्द्र तथा राज्य शासन की प्राथमिकता वाली आकांक्षी विकासखण्ड के तहत गौरेला विकाखण्ड के ग्राम पंचायत सारबहरा में संपूर्णता अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने संपूर्णता अभियान के तहत नीति आयोग द्वारा निर्देशित 6 इंडिकेटरों पर शत प्रतिशत उपलब्धि लाने कहा।

साहू ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संपूर्णता अभियान के सभी इंडिकेटरों को संतृप्त करने के लिए योगदान देकर स्वास्थ्य, समर्थ और समृद्ध ब्लाक-जिला बनाने की दिशा में कार्य करने के लिए प्रतिज्ञा दिलाई। केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि संपूर्णता अभियान का उद्देश्य आकांक्षी ब्लाक के सभी हितग्राहियों को योजनाओं का शत प्रतिशत लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विकसित भारत का संकल्प पूरा करने के लिए 6 इंडिकेटर पर फोकस किया है।

उन्होने संपूर्णता अभियान के तहत नीति आयोग द्वारा निर्देशित 6 इंडिकेटरों पर शत प्रतिशत उपलब्धि लाने कहा। इनमें प्रथम तिमाही के दौरान प्रसवपूर्व देखभाल, लक्षित आबादी में मधुमेह एवं उच्च रक्तचाप की जांच, आईसीडीएस कार्यक्रम के तहत गर्भवती महिलाओं की नियमित रूप जांच और उनको पूरक पोषण वितरण, मृदा परीक्षण और स्व-सहायता समूहों को रिवाल्विंग फंड प्रदान करना शामिल है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जीवन में आये सुखद बदलाव पर आधारित संदेश का प्रसारण भी किया गया। केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री साहू ने कहा कि जनकल्याण और राष्ट्र विकास के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी प्रतिबद्ध है। उन्होने केबिनेट की पहली बैठक में ही 3 करोड लोगों को आवास देने का निर्णय लिया। इसके साथ ही किसान सम्मान निधि, महतारी वंदन योजना की राशि, उज्जवला योजना के तहत गैस कनेक्शन प्रदाय सहित जनकल्याणकारी की दिशा में लगातार काम कर रहे है।

जब मुख्यमंत्री बने शिक्षक और बच्चों को बताया आदर्श विद्यार्थी में होने चाहिए कौन से गुण

बगिया। बगिया में राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव में पहुंचे मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज शिक्षक की भूमिका में दिखे। वे बगिया मिडिल स्कूल के बच्चों के बीच क्लास में पहुंचे। पढ़ाई लिखाई की बातों के बीच उन्होंने संस्कृत के श्लोक- ''काक चेष्टा बको ध्यानं, श्वान निद्रा तथैव च। अल्पहारी गृह त्यागी, विद्यार्थी पंचलक्षणं'' के माध्यम से बताया कि एक आदर्श विद्यार्थी में पांच गुण जरूर होना चाहिए। एक छात्र को कौवे की तरह

कभी हार न मानना और लक्ष्यों को पाने के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। सारस की तरह अपने लक्ष्य के प्रति एकाग्रचित्त होकर काम करना चाहिए। श्वान की तरह जरूरत की नींद लें और सतर्क रहें। संतुलित आहार लें और अपने आराम को छोड़कर और कंफर्ट जोन से बाहर निकलकर चुनौतियों का सामना करने की क्षमता होनी चाहिए।मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों को बताया कि वे भी बगिया के इसी स्कूल से पढ़े हैं। तब यहां प्राइमरी तक की कक्षाएं लगती थीं। छत खपरैल की थी और हम जमीन में बैठ कर पढ़ते थे। हफ्ते में एक दिन सभी बच्चे अपने अपने घरों से गोबर लाकर यहां की लिपाई करते थे। अब तो स्कूल पक्के बन गए हैं। यहां कुर्सी टेबल भी लग गए हैं। शिक्षक भी पर्याप्त हैं। आप सभी मन लगाकर पढ़ें। खूब मेहनत करें, अपने समय का सदुपयोग करें और ऊंचा मुकाम हासिल करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने बच्चों से पूछा कि वे क्या बनना चाहते हैं।

हाथरस हादसाः एसआईटी ने योगी को सौंपी जांच रिपोट

नई दिल्ली। हाथरस भगदड़ की जांच के लिए गठित एसआईटी ने उस त्रासदी पर अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें इस सप्ताह की शुरुआत में कम से कम 123 लोगों की जान चली गई थी। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने शुक्रवार सुबह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को उनके सरकारी आवास 5, कालिदास मार्ग पर 15 पन्नों की रिपोर्ट सौंपी।

परीक्षा रद्द करना सही नहीं सुको में हलफनामा दायर कर एनटीए ने बताई वजह

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने अपने हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) कथित एनईईटी पेपर लीक घटनाओं की जांच कर रही है और इस संबंध में कई गिरफ्तारियां की गई हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या पेपर लीक घटना के पीछे कोई संगठित सांठगांठ है। पेपर लीक का मामला सामने आते ही कदम उठाए गए लेकिन परीक्षा रद्द करना संभव नहीं था क्योंकि यह प्रतिभाशाली छात्रों के साथ अन्याय होता।

यह भी प्रस्तुत किया गया है कि साथ ही, अखिल भारतीय परीक्षा में बड़े पैमाने पर गोपनीयता के उल्लंघन के किसी सबूत के अभाव में, पूरी परीक्षा और परिणामों को पहले ही रद्द करना तर्कसंगत नहीं होगा। यह प्रस्तुत किया गया है कि किसी भी परीक्षा में, प्रतिस्पर्धात्मक अधिकार बनाए गए हैं जिससे बड़ी संख्या में छात्रों के हितों को भी खतरे में नहीं डाला जाना चाहिए जिन्होंने बिना किसी कथित अनुचित साधन को अपनाए परीक्षा दी है। एनटीए ने अदालत को बताया कि परीक्षा को पूरी तरह से रद्द करने से प्रश्न पत्र का प्रयास करने वाले लाखों ईमानदार उम्मीदवार गंभीर रूप से खतरे में पड़ जाएंगे।

दो सप्ताह में 12 पुल ढहने के बाद एक्शन में नीतीश सरकार, 11 इंजीनियर निलंबित

पटना। बिहार में दो सप्ताह में कुल 12 पुल ढहने के बाद, राज्य सरकार ने शुक्रवार को 11 इंजीनियरों को निलंबित कर दिया। नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली बिहार सरकार ने नए पुलों के पुनर्निर्माण का भी आदेश दिया है। निर्माण की लागत दोषी पाए गए ठेकेदारों पर लगाई जाएगी। यह निर्णय उड़न दस्तों द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपने के बाद लिया गया, जिसमें बताया गया था कि पुलों के ढहने के पीछे मुख्य कारण इंजीनियरों की लापरवाही और निगरानी की

अप्रभावीता थी। राज्य जल संसाधन विभाग के अपर मुख्य सचिव चैतन्य प्रसाद ने इंजीनियरों पर उचित देखभाल नहीं करने का आरोप लगाया और घटनाओं के पीछे ठेकेदारों की मेहनत पर प्रकाश डाला। मीडिया को जानकारी देते हुए प्रसाद ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि इंजीनियरों ने उचित देखभाल नहीं की और ठेकेदार भी मेहनती नहीं थे। इससे पहले, गुरुवार को बिहार के सारण जिले में एक और पुल के ढहने के साथ, पिछले 17 दिनों में ऐसी घटनाओं की कुल संख्या बढ़कर बारह हो गई।

घटनाओं के बारे में बोलते हुए, ग्रामीण कार्य विभाग (आरडब्ल्यूडी) के सचिव दीपक सिंह ने कहा, अररिया में बखरा नदी पर पुल 18 जून को क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिली थी। राज्य और केंद्रीय दोनों टीमें जांच कर रही हैं, चार इंजीनियरों को निलंबित कर दिया गया है।

मोदी रूस यात्राः प्राइवेट डिनर होस्ट करेंगे पुतिन

नई दिल्ली। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने एक प्रेस में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 जुलाई से रूस की दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर होंगे, जहां वह भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करेंगे और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ सीमित स्तर की बातचीत भी करेंगे। आगे की यात्रा में प्रधानमंत्री 9 जुलाई को ऑस्ट्रिया का भी दौरा करेंगे, जो 40 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधान मंत्री की देश की पहली यात्रा होगी।

आपका अहंकार हावी हो जाता है.: मोदी

नई दिल्ली। विराट कोहली ने स्वीकार किया है कि उनका अहंकार उन पर हावी हो गया क्योंकि हाल ही में टी20 विश्व कप के दौरान उन्हें आगे बढ़ने के लिए संघर्ष करना पड़ा जहां भारत चैंपियन बना। कोहली अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में नहीं थे और वह कम स्कोर पर आउट होते रहे, जबकि साथी सलामी बल्लेबाज और टीम के कप्तान रोहित शर्मा प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ गति निर्धारित करते रहे। कोहली ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बातचीत के दौरान अपने संघर्षों के बारे में खुलकर बात की, जिन्होंने गुरुवार सुबह अपने आधिकारिक आवास पर भारत की विश्व कप विजेता टीम को आमंत्रित किया था। मोदी ने बातचीत में कहा कि हम सभी को यहां बुलाने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद और यह दिन हमेशा मेरे दिमाग में रहेगा क्योंकि इस पूरे टूर्नामेंट में मैं वह योगदान नहीं दे पाया जो मैं देना चाहता था और एक समय मैंने राहुल भाई से भी कहा था कि मैंने नहीं दिया है अब तक मेरे और टीम दोनों के लिए न्याय।

हिंडनबर्ग केस में चीन का हाथ? वरिष्ठ वकील महेश ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। शोध के बाद हमने पाया कि कोटक को व्यापार करने के लिए नियुक्त किया गया था, इसलिए उन्होंने एक ऑफशोर खाता स्थापित किया और इस जोड़े के लगभग 40 मिलियन के मास्टर फंड से पैसा लिया। इस राशि का उपयोग कोटक के माध्यम से मॉरीशस मार्ग के माध्यम से बड़े पद लेने के लिए किया गया था।

भारत के सबसे वरिष्ठ वकील और भाजपा नेता महेश जेठमलानी ने आरोप लगाया है कि चीनी लिंक वाले एक अमेरिकी-आधारित व्यवसायी ने हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट बनाई थी, जिसके कारण जनवरी-फरवरी 2023 में अदानी समूह की कंपनियों के शेयरों में महत्वपूर्ण गिरावट आई। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील महेश जेठमलानी ने अडानी समूह पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट में चीन एंगल का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अडानी के शेयरों की कम बिक्री के संबंध मे हमने केवल हिंडनबर्ग के बारे में सुना है, उन्होंने एक फंड के कहने पर अदानी समूह पर शोध रिपोर्ट तैयार की थी, जिसे मार्क किंग्डन और अनला चेंग नाम के एक जोड़े ने प्रमोट किया था। शोध के बाद हमने पाया कि कोटक को व्यापार करने के लिए नियुक्त किया गया था,

इसलिए उन्होंने एक ऑफशोर खाता स्थापित किया और इस जोड़े के लगभग 40 मिलियन के मास्टर फंड से पैसा लिया। इस राशि का उपयोग कोटक के माध्यम से मॉरीशस मार्ग के माध्यम से बड़े पद लेने के लिए किया गया था। अडानी इस विचार से सहमत हैं कि एक बार नकारात्मक रिपोर्ट सामने आने के बाद वे बेच देंगे और बाहर चले जाएंगे। यह पाया गया कि इस महिला पर अमेरिकी कांग्रेस द्वारा जांच की जा रही थी कि वह एक बहुत ही कुशल चीनी जासूस थी इसके बारे में और पूछताछ करने की जरूरत है। मकसद न केवल अडानी को निशाना बनाना था बल्कि चीनी राज्य की मदद करना भी था... इससे यह स्थापित होता है कि यह सब भारत के रणनीतिक हितों को खतरे में डालने के लिए किया गया था। चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ संबंध सहित कुछ अमेरिकी सीनेटरों द्वारा इसकी विध्वंसक गतिविधियों की जांच के आह्वान के बाद चाइनाप्रोजेक्ट बंद हो गया। उत्तरार्द्ध में स्पष्ट रूप से अडानी समूह के साथ प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता है।

किंग्डन ने अदानी शेयरों में व्यापार करने के लिए एक ऑफशोर फंड और एक ऑफशोर अकाउंट स्थापित करने के लिए कोटक महिंद्रा इंटरनेशनल लिमिटेड (चस्झ्रु) को भी काम पर रखा। जेठमलानी ने आरोप लगाया कि कोटक ने अडानी शेयरों में कारोबार के लिए कोटक इंडिया अपॉर्चुनिटी फंड बनाया।

आस्था मूक बधिर शाला में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

राजनांदगांव। राजनांदगांव की समाज सेवी संस्था आस्था मूक बधिर शाला जहाँ पर महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, और छत्तीसगढ़ के मूक बधिर बच्चे अपनी शिक्षा ले रहे हैं।जहाँ पर बच्चे के रहने, भोजन की व्यवस्था भी नि- शुल्क की जा रही है ऐसी समाज सेवी संस्था आस्था मूक बधिर शाला का प्रवेशोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। संस्था के अध्यक्ष एवं पदाधिकारियों ने बच्चों के शिक्षा को और सुचारू रूप से संचालित करने के दिशा निर्देश दिए। वहीं आस्था समाज सेवी संस्था के अध्यक्ष महेंद्र जैन सुराना जी के द्वारा संस्था की सभी छोटी, बड़ी जरूरतों को पूर्ण करने के लिए अस्वसत कराया गया। शाला में उपस्थित सभी बच्चों को तिलक लगाकर भेंट स्वरूप स्कूल बैग, कलर पेंसिल कंपोक्स बॉक्स दे कर शाला सत्र की नई शुरुआत की गई। सभी पदाधिकारियों ने बच्चों को आशीर्वाद दिया एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। शाला के इस गौरवशाली पल में आस्था मूक बधिर शाला के सचिव राजेश जैन , कमलेश बैद,ललित भंसाली, प्रकाश सांखला, अखिलेश सुराना, राकेश शर्मा,नलिन कोठारी, निकहत परवीन, संगीता अग्रवाल, शिव राठी, आदि उपस्थित थे।

फलकनुमा मस्जिद के पास देशी दारू की दुकान के विरोध में ज्ञापन सौंपा गया

भिलाई। भिलाई जुनवानी में फलकनुमा मस्जिद के पास देशी दारू की दुकान खोलने के प्रस्ताव का कड़ा विरोध किया जा रहा है। इस संदर्भ में फलकनुमा मस्जिद कमेटी, नगर निगम के सभापति श्री गिरवर बंटी साहू, नगर निगम के पूर्व एल्डरमैन मोहम्मद शादाब, सेफ डेंटल क्लिनिक, पहलाजानी आईवीएफ और अन्य रहवासियों ने मिलकर माननीय कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। इस ज्ञापन में स्थानीय लोगों ने दुकान के खुलने से क्षेत्र के माहौल पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों को लेकर अपनी चिंताओं को व्यक्त किया है। उनका कहना है कि देशी दारू की दुकान खुलने से क्षेत्र में शांति और सुरक्षा भंग हो सकती है और समाज पर बुरा असर पड़ सकता है। हमारी मांग है कि इस प्रस्ताव को तत्काल निरस्त किया जाए और क्षेत्र की शांति और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए उचित कदम उठाए जाएं।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम के तहत भाजपाइयों ने किया पौधारोपण

किरंदुल। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत लोगों से अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाने की अपील की है तथा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भी अपील किए है कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर अपने मां को सम्मान दीजिए। इसी तारतम्य में शुक्रवार को भाजपा मण्डल किरंदुल के कार्यकर्ताओ द्वारा किरंदुल बस्ती वार्ड क्रमांक 18 में पौधारोपण किया गया। जिसमें प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य मीरा तिवारी,मण्डल अध्यक्ष डीपी मिश्रा,महामंत्री दीनानाथ ठाकुर,संजीव दास,सुनीता साहू,विजय सोढ़ी,मनोज छालीवाल,जितेंद्र गुप्ता,शैलेन्द्र सिंह,रणवीर सिंह चौहान, संदीप साव,शालिनी कर्मा, सरस्वती डहरिया, अनीता नायर,एम सिंधु, सुखदेव पोयाम,सुनील गुप्ता,बबीता गिरी, बनमली हरिजन एवम राजू कडती उपस्थित थे।

महासमुन्द जिले में राजस्व पखवाड़ा आज से

महासमुंद। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप महासमुन्द जिले में 6 से 20 जुलाई तक राजस्व पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा। इस राजस्व पखवाड़ा में महासमुन्द जिले में सभी 6 तहसीलों अंतर्गत पटवारी हल्के एवं उनके अधीन आने वाले ग्राम पंचायतो में राजस्व शिविरों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें तहसील मुख्यालय भी शामिल है। कलेक्टर प्रभात मलिक के निर्देश पर जिले के सभी तहसील के अतंर्गत राजस्व पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत राजस्व शिविर के लिए ग्राम पंचायतों का चिन्हांकन कर लिया गया है। कलेक्टर ने सभी एसडीएम को राजस्व पखवाड़ा के अंतर्गत आयोजित होने वाले शिविरों से लाभान्वित ग्रामों के किसानों को राजस्व शिविर की जानकारी देने और संबंधित कोटवारों के माध्यम से मुनादी कराने के भी निर्देश दिए है। कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, तहसीलदार और नायब तहसीलदार को राजस्व शिविर के आयोजन की तैयारियां शुरू करने के निर्देश दिए। इस राजस्व पखवाड़ा में राजस्व संबंधित समस्याओं का आवेदन लिए जाएंगे। शिविर में राजस्व से जुड़े प्रकरणों का निराकरण यथा विवादित नामांतरण, बंटवारा, विवादित नामातंरण, बंटवारा, सीमांकन, ऋण पुस्तिका प्रदान करना, नक्शा, अद्यतन, बटांकन, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, डिजिटल हस्ताक्षर करना, आधार नंबर एकत्र करना, मोबाईल नम्बर एकत्र करना, अभिलेख शुद्धता, त्रुटि सुधार के आवेदन, व्यपवर्तन, स्वामित्व योजना से संबंधित कार्य, कोटवारी भूमि के विक्रय की जानकारी, सहित समस्त राजस्व संबंधी प्रकरणों का आवेदन प्राप्त करना एवं निराकरण किया जाएगा।

भारती विवि के छात्र इसरो में चयन विवि परिवार ने इस उपलब्धि पर दी बधाई

भिलाई । छत्तीसगढ़ में होनहारों बच्चों की कमी नहीं है जिसका जीता जागता उदाहरण हमें देखने को मिलता है दुर्ग भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के छात्र डेरहू प्रसाद का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र, श्रीहरिकोटा में चयन हुआ है। डेरहू प्रसाद ने भारती विश्वविद्यालय, दुर्ग से सिविल इंजीनियरिंग में बी.टेक 78 प्रतिशत अंको के साथ उत्तीर्ण किया है। छात्र ग्राम सिंगारपुर, बलौदाबाजार का निवासी है और पिता किसान है। छात्र डेरहू प्रसाद की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति सुशील चन्द्राकर, कुलपति डॉ. बी.एन. तिवारी, कुलसचिव डॉ. वीरेन्द्र कुमार स्वर्णकार, सिविल इंजीनियरिंग की विभागाध्यक्ष प्रो. इंदिरा एस. जैन, सहायक प्राध्यापक भोजराम साहू, अशोक कुमार सिंह, संजीव गुप्ता सहित ट्रेनिंग एण्ड प्लेसमेंट सेल ने हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

लखपति दीदी बनने के सपने को कर रही साकार-गीदम की महिलाएं

गीदम। श्रीमती मंगलदई महिलाएं अपनी मेहनत और लगन से आगे बढ़ रही है और कामयाबी का परचम लहरा रही है। मेहनत करने वालों की राह स्वयं ही खुल जाती है।

इस बात को दूरस्थ अंचल जिला मुख्यालय दंतेवाड़ा के गीदम विकासखंड अंतर्गत 30 से 35 किलोमीटर दूरी पर स्थित हिड़पाल ग्राम पंचायत में माँ गौरी स्व-सहायता समूह की महिलाएं चरितार्थ कर रहीं हैं। सुदूर वनक्षेत्र में निवासरत ये ग्रामीण महिलाएं आज सीमेंट ईट बनाने जैसा श्रम साध्य कार्य को अंजाम देने में जुटी हैं। ईंट बनाने के काम में 5 पुरूष मिस्त्रियों ने महिलाओं को इस काम में सहयोग करते हुए तैयारी के संबंध में समझाया फिर उन्हें ईट बनाने की मशीन संचालन करना, रेत, डस्ट में सीमेंट की

मात्रा को मिलावट के बारे में जानकारी दी। इस तरह 10 महिलाओं ने शुरूआती दौर में 500 ईंट निर्माण की तैयारी की।

ईंट निर्माण की प्राथमिक जानकारी मिलने से महिलाओं को सबसे बड़ा लाभ यह हुआ कि आने वाले समय पर वे स्वयं मशीन ऑपरेट कर रहीं हैं। इस संबंध में मॉ गौरी स्व सहायता समूह की महिलाओं ने इसे अब अपनी आजीविका का साधन बनाने का मन बना लिया हैं।

ज्ञात है कि राज्य सरकार की ओर से प्रधानमंत्री आवास निर्माण को प्राथमिकता दिए जाने से ग्रामीण क्षेत्रों में ईंट की मांग बढ़ गई है।

ईंट निर्माण से जुड़ी मॉ गौरी स्व-सहायता समूह की श्रीमती कमला कोर्राम का इस संबंध मे कहना है कि ईंट निर्माण कार्य से जुड़ कर उन्हें बहुत अच्छी लग रही है और काफी खुशी भी हो रही है क्योंकि हमें कुछ नया सीखने को मिल रहा है। अन्य सदस्य श्रीमती तुलसी कश्यप ने बताया कि शुरूआत में नि:शुल्क डस्ट एवं सीमेंट जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराया गया। ईंट बनाने के सांचे भी उन्हे राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत प्राप्त हुए हैं।

साथ ही ईंट बनाने के लिए प्रशासन की ओर से उन्हें नि:शुल्क प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और जिला प्रशासन के प्रति अभार व्यक्त किया। आने वाले समय पर रेती, डस्ट एवं सीमेंट की खरीदी का पूरा दारोमदार समूह पर रहेगा। समूह की अन्य महिला श्रीमती मंगलदई ने आगे और जानकारी देते हुए कहा कि मॉ गौरी स्व सहायता समूह के द्वारा बैंक से 3 लाख रूपये का ऋण भी लिया गया है। पहले हम सभी महिलाएं लाल ईंट निर्माण कार्य से जुड़ी हुई थी जिसमें मिट्टी को अच्छे से मिलाकर ईंट बनाया जाता था।

अभी इसमें फर्क इतना ही है कि मशीन के रेती, डस्ट, सीमेंट तीनों पदार्थों को एक साथ मिक्सर मशीन में डाल कर घुमाया जाता है और जिससे मिक्स होने के बाद उसे ईंट बनाने वाले मशीन में डाला जाता है। जिससे एक बार में 10 ईंट बन कर निकलती है। ईंट निर्माण के माध्यम से महिलाओं के लिए स्वरोजगार की एक और राह खुल गई है। इस प्रकार अब जिले की हर एक ग्रामीण महिला शासन की महत्वाकांक्षी लखपति दीदी योजना के तहत लखपति दीदी बनने का सपना साकार कर सकती है।

संपूर्णता अभियान से विकास के संकेतकों को पूरा किया जाएगा: कलेक्टर

पिथौरा विकासखण्ड के ग्राम गोड़बहाल में संपूर्णता अभियान का शुभारंभ

महासमुंद। केन्द्र तथा राज्य शासन की प्राथमिकता वाली आकांक्षी विकासखण्ड के तहत शुक्रवार को पिथौरा विकासखण्ड के ग्राम गोड़बहाल में संपूर्णता अभियान का शुभारंभ किया गया। कलेक्टर प्रभात मलिक, नीति आयोग के कंसलटेंट कनिष्क जैन, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उषा पटेल, सीईओ एस. आलोक सहित सभी अतिथियों ने कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ महतारी की छायाचित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर अभियान का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम के शुभारंभ से पहले स्कूली विद्यार्थियों द्वारा ग्राम में जागरूकता रैली निकाला गया। जिले के जनप्रतिनिधि, ग्रामीण, महिला व स्कूली बच्चे रैली में शामिल होकर कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इस दौरान आकांक्षी विकासखंड के तहत संपूर्णता अभियान की रूपरेखा के बारे में विस्तार से जानकारी एलईडी के माध्यम से नागरिकों को दी गई। इस अवसर पर तीन महिला समूहों को रिवॉल्विंग फंड 15-15 हजार रुपए प्रदान किया गया। महिला विकास विभाग द्वारा गोद भराई का कार्यक्रम भी सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम की

मुख्य अतिथि व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती उषा पटेल ने कहा कि आकांक्षी विकासखंड होने के नाते यहां सम्पूर्ण विकास की झलक दिखाई देती है। ग्राम गोड़बहाल ही नहीं पूरे विकासखंड में शिक्षा, स्वास्थ, महिला एवं बाल विकास, महिला समूह आदि के सशक्तिकरण से जिला विकास की नई ऊंचाईयां छूएगा। नीति आयोग द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने हम सबको सामूहिक प्रयास करना होगा। उन्होंने जिला प्रशासन को बधाई देते हुए कहा कि इस दिशा में शुरुआत भी हो चुकी है और तीन सूचकांकों को हमने हासिल कर लिया है जो बड़ी उपलब्धि है। कलेक्टर प्रभात मलिक ने कहा कि आकांक्षी विकासखंड के तहत स्वास्थ्य विभाग, कृषि, महिला एवं बाल विकास विभाग और एनआरएमएल के कार्यक्रम और योजनाओं के क्रियान्वयन को फोकस कर पूरा किया जाएगा। इसके अलावा विभिन्न विभागों के संचालित 40 योजनाओं के क्रियान्वयन को भी प्राथमिकता में रखा गया है। उन्होंने कहा कि संपूर्णता अभियान का उद्देश्य गांवों में समग्र विकास को सुनिश्चित करना है। मेरा गांव, मेरा विकासखंड मानकर पूर्ण स्वामित्व के साथ योजना को सफल बनाने कार्य करेगें। इसमें शासकीय अमला के साथ इस ब्लॉक के जनप्रतिनिधि व नागरिकों की भी सहभागिता जरूरी है, तभी हम आकांक्षी विकासखंड को विकास के उच्चतम स्तर पर पहुंचा पाएंगे। कार्यक्रम में नीति आयोग के कंसलटेंट कनिष्क जैन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश में आकांक्षी विकासखंड के तहत 500 आकांक्षी विकासखंड का चयन किया है। इसमें महासमुंद जिले के पिथौरा विकासखण्ड को आकांक्षी विकासखण्ड के रूप में चयन किया गया है। आज यहां से इस योजना का शुभारंभ किया गया है। जिसका उद्देश्य आकांक्षी विकासखंड को विकास के उच्चतम स्तर तक पहुंचाना है। इन क्षेत्रों में शासन की सभी योजनाओं से हितग्राहियों को लाभान्वित करना है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सांसद-विधायक ने बांटे पौधे

महासमुंद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन भी बात कार्यक्रम में देशवासियों से एक पेड़ मां के नाम लगाने के आह्वान के तहत सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी एवं विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिन्हा ने आज एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौध वितरण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर सांसद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी एवं विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिन्हा ने नि:शुल्क पौध वितरण वाहन को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधि, अधिकारी व कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण से जोडने के लिए एक पेड़ मां के नाम लगाने की अपील की। साथ ही सभी स्कूलों छात्रावास, आश्रमों, अस्पतालों एवं आंगनबाड़ियों में भी अभियान चलाकर वृहद स्तर पर पौधरोपण करने आव्हान किया। इस दौरान उप वनमंडलाधिकारी अब्दुल वहीद खान एवं परिक्षेत्र अधिकारी करमाकर एवं वन विभाग के कर्मचारी मौजूद थे। जनप्रतिनिधि एवं अधिकारियों ने भी एक पेड़ मां के नाम पर पौधरोपण कर जिलेवासियों से पर्यावरण संरक्षण में अपनी जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया।

महादेव सट्टा एप पैनल संचालक की मौत

दुर्ग। ऑनलाइन महादेव सट्टा एप हैदराबाद पैनल संचालक की इलाज के दौरान मौत हो गई है। उसने पुलिस की कार्रवाई के दौरान तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी थी। जिसके बाद उसे गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिसकी इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक का नाम सुजीत कुमार साव निवासी भिलाई बताया जा रहा है। पिछले सप्ताह एंटी साइबर क्राइम यूनिट की टीम ने हैदराबाद में दबिश देकर ऑनलाइन महादेव सट्टा एप का पैनल चलाने वाले सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए सभी आरोपी भिलाई के रहने वाले हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से लैपटाप, मोबाइल समेत लाखों का लेखा-जेखा बरामद किया। एंटी साइबर क्राइम यूनिट एएसपी ऋचा मिश्रा ने बताया कि भिलाई के कुछ युवक ऑनलाइन महादेव सट्टा एप का पैनल हैदराबाद के तेलंगाना में चला रहे थे।

फाइट द बाईट अंतर्गत जुड़े स्कूल के शिक्षक व बच्चे घर में ड्राई डे मनाएंगे

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत बुधवार को जोन क्रमांक 04 अंतर्गत वार्ड 41 औद्योगिक क्षेत्र छावनी में तिरंगा चैंक स्थित स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम हायर सेकण्ड्री स्कूल में जागरूकता चलाया गया। प्रथम एवं द्वितीय पाली में अध्ययनरत विधार्थियों 350 एवं शिक्षकों को जिला स्वास्थ्य विभाग एवं निगम की संयुक्त टीम द्वारा जल जनित मौसमी बीमारियों के बारे में बताया गया। किस प्रकार छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने से डायरिया, उल्टी-दस्त, टाईफाइड, पीलिया आज से बच

सकते हैं। हमें ध्यान देना होगा पानी उबालकर/ठंडा कर सेव करें, बाहर से जब भी आएं धर में साबुन से हाथ धोवे% एवं बासी खादय पदार्थ के सेवन से बचने की सलाह दी गई है।

फाइट द बाइट मच्छर उन्मूलन कार्यक्रम के तहत घर के आस-पास समुचित साफ-सफाई, बरसाती पानी का जमाव न होने दे साथ ही घर के कुलर, पानी की टंकी, पुराने टायर इत्यादि को समय समय पर साफ करते रहे की जानकारी दी गई। नालियों में मोबिल आईल का छिड़काव करने की सलाह दी गई।

इस जन जागरूकता अभियान में विद्यालय की प्राचार्य मैडम शीला फ्रांसीस द्वारा सभी विधार्थीयों से अपने घर परिवार के साथ ही आस-पास के पॉच घरो में इन उपायो को बताने कहा। मौसमी जल जनित बीमारियों से बचाव कर अपने शहर को स्वच्छ शहर व स्वस्थ शहर बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। महापौर नीरज पाल ने सभी नागरिकों से आवाहन किया है कि चलो मिलकर के रविवार को ड्राई डे मनाएं, सुबह 10ः00 बजे से 11ः00 बजे तक हम सब लोग अपने घरों में अपने अड़ोस पड़ोस साफ सफाई करें। एक दूसरे को करें। इस अभियान में शहरी परिवार कल्याण विभाग सुपेला से सेक्टर सुपरवाइजर एस.के.दिल्लीवार, मनोज साहू, एएनएम कविता कौशिक एवं जिला मलेरिया विभाग से सर्वेलेंस निरीक्षक मोहन राव, आरएचओ राजकुमार मर्सकोले, उमेश कपूर सहित निगम के वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के.के.सिंह एवं उनकी दल के स्वास्थ्य सुपरवाइजर राजेश डहारे उपस्थित रहे।

सी.ए. एवं डॉक्टरर्स डे पर लायंस क्लब सिटी राजनांदगांव सम्मान समारोह का आयोजन

राजनांदगांव। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 सी,अहिंसा परमो धर्मः 2024-2025 के लायन एम.जे. एफ. सुधीर जैन के नेतृत्व में प्रकल्पनुसार लायंस क्लब राजनांदगांव सिटी 066 386 द्वारा अध्यक्ष लायन तरनदीप सिंग अरोरा की अध्यक्षता में सी.ए.डे एवं डॉक्टरर्स डे का आयोजन, मुख्य अतिथि पद्मश्री हास्य कवि एवं आयुर्वेदाचार्य डॉ.सुरेंद्र जी दुबे एवं की काव्य प्रस्तुति के साथ रजवाड़ा पैलेस होटल राजनांदगांव में कार्यक्रम संपन्न हुआ. उत्साह के साथ विशिष्ट अतिथि लायन एम जे एफ बृज किशोर सुरजन, लायन राजेश जैन सी. ए.,लायन पवन पटेल (मोटिवेशनल स्पीकर)एवं लायन परिवार के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम के उद्घोषक लायन गौतम जी बाफना सफल संचालन एवं संयोजक लायन सुनील जी बरडिया के उत्कृष्ट संयोजन सराहनीय रहा।

स्वास्थ्य सेवाओं को समर्पित

समस्त चिकित्सा निकाय के चिकित्सकों एवं अर्थव्यवस्था में उल्लेखनिय सहभागिता हेतु विशिष्ट चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का सम्मान करते हुए कार्यक्रम के आशीर्वादक लायन पूर्व गवर्नर पद्मश्री डॉ पुखराज बाफना के मार्गदर्शन में लायंस क्लब राजनांदगांव सिटी गौरवान्वित हुए।

नगर के सम्मानित चिकित्सक-

डॉ. नंदा डीन आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज, डॉ. गहिने डीन गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, डॉ.नवरतन जिला चिकित्सा अधिकारी, डॉ.पदमा पारख,डॉ.मोहन पारख नर्सिंग होम, डॉ.चंद्रशेखर महोबे पूर्व सिविल सर्जन,डॉ.उत्तम कोठारी, डॉ नरेंद्र गांधी, , डॉ.माधुरी तेजवानी नेत्र रोग विशेषज्ञ एम्स रायपुर,डॉ.अरुण दीक्षित, डॉ. रोमिल जैन समदा हॉस्पिटल,डॉ. जाहिद खान, डॉ.कल्याण श्याम बाझलवार, डॉ राघव वर्मा संजीवनी हॉस्पिटल, डॉ. अमित जायसवाल ओम मल्टी स्पेशलिटी क्लिनिक, डॉ रत्नेश श्रीवास्तव प्रिंसिपल होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज रायपुर,डॉ. रिमशा अग्रवाल,डॉ.सार्थक बाफना, लायन डॉ दीपिका पटेल फिजियोथैरेपिस्ट, लायन डॉ.गिरीश श्रीवास्तव श्री क्लिनिक तुमडीबोड को सम्मानित किया गया. सनद लेखाकार दिवस (सी.ए.डे) के अवसर पर सत्कार कार्यक्रम में शहर के सी.ए.लायन सुरेश गांधी,सी.ए लायन राजेश जैन,सी.ए.लायन अजय सिंगी सी.ए.यज्ञऐश सुरजन,सी.ए.रितेश कोटरिया,सी.ए.लायन रणदीप भाटिया,सी.ए. सुमित चौरसिया को स्मृति चिन्ह एवं श्रीफल भेंट पर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में विशेष उपस्थिति लायन राजेश जैन रीजन चेयर अधिकारी, लायंस क्लब के माननीय सदस्य लायन उमेद कोठारी,लायन संतोष लोहिया, लायन एम.जे.एफ.राजकिशोर शर्मा, ला.मीनू जैन, ला.रत्ना ओस्तवाल, ला.निर्मला-सुशील पसारी, लायन अशोक चौधरी, लायन विनोद डढढा, ला.धीरेंद्र रायचा, लायन गुरदीप सिंग बग्गा, लायन अजय लोहिया, ला.नंद कुमार अग्रवाल, लायन श्यामचरण, लायन कंचन - मुकेश चौबे, ला.शारदा तिवारी, ला.प्रकाश सांखला, डायरेक्टर ला.राजा मखीजा, ला.राजेश नागवानी, ला.संजय रिझवानी, लायन नेहा गुप्ता ला.प्रकाश श्रीमाल, ला.शोभा चौरसिया, ला.अशोक जी पवार, ला.मयंक शर्मा, ला.अजय सिंह ला.अनिल दुलानी, ला.अशोक तेजवानी, ला.अनीता जैन, ला.सुदामा मोटलानी, लायंस क्लब नए सदस्य लायन त्रिलोक सिंह रंगरेज पेंट्स, लायन हिमांशु गौतम की गरिमापूर्ण उपस्थिति, सहभागिता शानदार कार्यक्रम के साक्षी रहे।

सचिव लायन डॉ. गिरीश श्रीवास्तव द्वारा जय हिंद जय लायन वाद, उद्घोषणा के साथ सम्माननीय अतिथियों की गौरवशाली उपस्थिति,टीमवर्क लिए लायन सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने प्रकरणों पर की जनसुनवाई

स्वजातीय विवाह पर अब नहीं लगेगा सामाजिक प्रतिबंध

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने कार्यालय जिला कार्यकम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग दुर्ग के प्रेरणा सभाकक्ष में महिला उत्पीड़न से संबंधित प्रकरणों पर सुनवाई की।

आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक की अध्यक्षता में आज 255 वीं एवं दुर्ग में 10 वीं सुनवाई हुई। आज की सुनवाई में एक प्रकरण में उभय पक्ष उपस्थित आवेदिका हाईस्कूल निनवा जिला बेमेतरा शासकीय स्कूल में प्रध्यापक के पद पर 11 साल से कार्यरत है जिसकी वेतन 55 हजार रूपये है। आवेदिका के 8 साल का बेटा व 6 साल की बेटी है और उसे अपने पति के पेंशन स्वरूप 20 हजार रूपये की राशि मिलती है जो रेल्वे में टेक्नशियन के पद पर कार्यरत था। अनावेदक कमांक 01 व 02 आवेदिका के सास ससुर है। मृतक अरूण कुमार उनके एकलौता बेटा था और तीन बेटियां है। अनावेदक क. 1 प्राईवेट कम्पनी में कार्य करता था और अपने कमाई से मकान अपने स्व. बेटे के नाम पर खरीदा था। जिसमें आज आवेदिका अपने बच्चों के साथ रहती है और अनावेदकगणों को अपने घर से बाहर निकाल दिया है और रेल्वे का क्लेम भी आवेदिका को मिला है।

हर महीने 20 हजार रूपये आवेदिका ले रही है और अनावेदकगणों का भरण पोषण भी नहीं कर रही है। समझाईश दिये जाने पर अपने सास ससुर को 10 हजार रूपये प्रतिमाह दिये जाने को तैयार है। सखी वन स्टॉप सेंटर की प्रीति बाला शर्मा संरक्षण अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई है कि दोनों पक्षों को बुलाकर राजीनामा बनवाए और दोनों पक्षों पास बुक डिटेल लेकर एंट्री करे तथा अनावेदक क 1 व 2 संयुक्त खाता में प्रति व्यक्ति 5 हजार के मान से हर माह के 10 तारीख को बैंक के आरटीजीएस के माध्यम से 10 हजार रूपये नियमित रूप से अदा करेगी। अगर आवेदिका ऐसा करने से मना करती है तो अनावेदकगण वरिष्ठ नागरिक कानून के तहत आवेदिका के खिलाफ कार्यवाही कर सकती है। इस पूरे प्रकरण की निगरानी प्रोडेक्शन ऑफिसर के व्दारा 1 साल तक की जायेगी। आवेदिका ने फोन पे के माध्यम से खाते में रूपये देना स्वीकार किया है।

इसी प्रकार अन्य प्रकरण में उभय पक्ष उपस्थित दोनों पक्षों को विस्तार से सुना गया। अंत में दोनों पक्ष न्यायालय के बाहर आपसी राजीनामा कर चुके है। ऐसा उल्लेख किया गया है और इस बात पर भी सहमत है कि दोनों एक ही स्थान पर कार्य करने में असहज महसूस करेंगे ऐसी दशा में आयोग की सुनवाई में उभय पक्ष ने बताया है कि अपने कार्यालय ने दोनों में से एक अपना स्थानांतरण

करवायेंगे। इस पर आयोग को सहमति है और आयोग की आर्डर शीट को संलग्न कर अग्रिम कार्यवाही कर सकते है। इसके बाद प्रकरण राजीनामा के आधार पर नस्तीबध्द किया गया।

आवेदिका एक माह का वेतन एन.आई.ओ.एस. का मानदेय लगभग 65 हजार रूपये बचा हुआ अनावेदक से प्राप्त करना चाहती है। इस आशय का कि कब तक का भुगतान शेष है लिखित में आवेदिका अनावेदक को प्रस्तुत करने कहा गया। एक माह के अंदर अनावेदक इसका भुगतान करेगा। भुगतान नहीं मिलने की शर्त में आवेदिका महिला आयोग को सूचित करेगी। तब प्रकरण केवल उसी दशा में आगामी सुनवाई में रखा जायेगा। अन्यथा प्रकरण नस्तीबध्द किया जायेगा।

एक अन्य आवेदिका ने अनावेदक के ऊपर कार्यस्थल से लैंगिक उत्पीड़न की शिकायत दर्ज करवायी है। जिस पर जांच समिति ने क्या निर्णय दिया उसकी कॉपी अब तक आवेदिका के पास उपलब्ध नहीं है। अनावेदक जो उस स्कूल के प्राचार्य है उन्हें निर्देशित किया गया है कि 15 दिन के अंदर आवेदिका को जांच प्रतिवेदन की प्रति उपलब्ध करवाने में सहयोग करें। आवेदिका तब तक सखी वन स्टॉप सेंटर के संरक्षण अधिकारी से मिल कर सहयोग ले सकती है। जांच प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद आगामी सुनवाई रायपुर में की जायेगी।

एक प्रकरण में आवेदिका उनकी सास प्रतिमा साहू के साथ उपस्थित थी। सभी अनावेदकगण भी उपस्थित थे। आवेदिका ने अपने सामाज के नंद किशोर साहू से आर्य समाज में जाकर भागकर शादी किया था, दोनों एक ही समाज के है। इस पर अनावेदकगणों द्वारा आवेदिका एवं उनके परिवार का सामाजिक बहिष्कार कर दिया गया था। डेढ वर्ष बाद अनावेदकगणों द्वारा आवेदिका एवं उनके परिवार पर अर्थदंड लगाया गया और इसके साथ ही गांव के साहू समाज को खाना खिलाने की बात कही गई। वहीं अनावेदक पुहुप राम साहू जो गांव के समाज का अध्यक्ष है, ने आयोग के सुनवाई में स्वीकार किया कि दंड राशि नहीं ली जाती सिर्फ सहयोग राशि ली जाती है। उन्होंने कहा कि गांव से भागकर आर्य समाज में शादी करेंगे तो गांव का समाज बिगड़ जायेगा इसलिए प्रतिबंध लगाया जाता है। आयोग की सुनवाई में अनावेदकगण ने यह भी स्वीकार किया है कि उनके व्दारा आवेदिका एवं उनके पति के उपर सामाजिक प्रतिबंध लगाया गया था जो कि नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955 की धारा 7 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। इस पर सभी अनावेदकगणों ने अपनी गलती सुधारने की जिम्मेदारी ली है।

06 जुलाई 2024 को पूर्व पार्षद रत्ना यादव, गुरमीत धनई, समय 11 बजे गांव चिरपोटी में जायेगी। एक महिला कॉस्टेबल के साथ आवेदिका के गांव जाएगी। समस्त गांव वालों को एकत्र करने की जिम्मेदारी समाज के अध्यक्ष व सदस्य की होगी। उपस्थित संरक्षण अधिकारी के समक्ष अनावेदक व्दारा सार्वजनिक घोषणा की जाएगी कि दोनों आवेदिका एवं पति के खिलाफ लगाये गये शिकायत को वापस ले रहे है। ऐसे किया जाने की दशा में स्वमय प्रकरण नस्तीबध्द किया जायेगा।

यदि ऐसी घोषणा अनावेदकगण के व्दारा नहीं की जाती है तो थाना अंडा में जाकर आवेदिका सभी अनावेदकगणों के खिलाफ नागरिक अधिकार संरक्षण अधिनियम 1955 की धारा 7 के तहत अपराध दर्ज कराएगी। इस अधिनियम के अनुसार दूसरे समाज में विवाह करने पर विवाहित जोड़े या उसके परिवार के लोगों को समाज के द्वारा बहिष्कृत नहीं किया जाएगा। आयोग के तरफ से गई टीम एफ. आई.आर. कराने में सहयोग करेगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत प्राइवेट विद्यार्थियों को भी पूर्व पंजीयन कराना अनिवार्य

असाइनमेंट एवं इन्टरनल एग्जाम भी होंगे देंने

नवापारा राजिम। सेठ फूलचंद अग्रवाल स्मृति महाविद्यालय में दिनांक शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के क्रियान्वयन को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर एवं मुख्य वक्ता के रूप में डॉ कविता शर्मा प्रोफेसर शासकीय आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज देवेंद्र नगर रायपुर उपस्थित रहीं। डॉ शर्मा ने एनईपी-2020 के उद्देश्य, क्रेडिट सिस्टम, रिसर्च विथ आनर्स, विभिन्न संकायों के लिए जेनेरिक इलेक्टिव कोर्स, वैल्यू एडिशन कोर्स व एनईपी-2020 के शब्दावली की विस्तार से जानकारी दी।

एनईपी के अंतर्गत परीक्षा सेमेस्टर प्रणाली के आधार पर होगी तथा साल में दो सेमेस्टर के आधार पर परीक्षा संचालित होगी साथ ही उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों को क्रेडिट सिस्टम से स्कोर दिया जायेगा। ज्ञात हो कि प्राइवेट विद्यार्थियों को भी संबंधित महाविद्यालय में अगस्त माह में पंजीयन कराना होगा

साथ ही इन्टरनल एग्जाम के साथ असाइनमेंट भी जमा करना होगा। उन्होंने बताया कि एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट एक वर्चुअल स्टोर हाउस है, जो हर स्टूडेंट के डाटा का रिकार्ड रखता है। प्रत्यक्ष परिवेश में प्रत्येक यूनिवर्सिटी को अपने से संबद्ध सभी महाविद्यालयों को एबीसी पर रजिस्टर करवाना होगा, जिससे प्रत्येक छात्र की ओर से अर्जित क्रेडिट उसके अकाउंट में जमा होते जाएंगे, जो कि सात साल तक एबीसी में सुरक्षित रहेगे।

यह शिक्षा नीति विद्यार्थी को मल्टीपल एंट्री व एग्जिट का अवसर प्रदान करती है। यह नीति विद्यार्थी को अपनी शिक्षा कभी भी और कहीं से भी करने की सुविधा देती हैए चूंकि विद्यार्थी अपने क्रेडिट किसी भी संस्थान में ट्रांसफर करवा सकता है। इससे विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर शिक्षा का लाभ ले सकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार का प्रयास राष्ट्रीय शिक्षा नीति.2020 के माध्यम से सभी को समान एवं गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा उपलब्ध करवाना, युवाओं में कौशल विकास और उद्यमियता को बढ़ावा देना है उन्होंने कहा कि देश में जागरूक नागरिक तैयार करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की तत्काल आवश्यकता हैं। प्राध्यापकों के शंका एवं सवालों का मास्टर ट्रेनर ने सरल तरीके से समाधान किया। गणित विभागाध्यक्ष डॉ अजय शर्मा ने मास्टर ट्रेनर डॉ कविता शर्मा का आभार प्रदर्शन कर धन्यवाद ज्ञापित किया। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ शोभा गावरी उप.प्राचार्य डॉ मनोज मिश्रा सहित समस्त प्राध्यापकगण एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

रेल कर्मचारियों में बेहतर सजगता एवं संरक्षित कार्य प्रणाली सुनिश्चित करने के लिए संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन

बिलासपुर। संरक्षा संगठन बिलासपुर मंडल के द्वारा निरंतर संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन मंडल के विभिन्न स्टेशनों में किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में कार्य करने के दौरान संरक्षा के प्रति जागरुकता लाई जा सके।

इसी संदर्भ में 5 जुलाई शुक्रवार को बिलासपुर मंडल के संरक्षा विभाग द्वारा ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन एवं संरक्षित कार्य प्रणाली सुनिश्चित करने हेतु, परिचालन, विद्युत परिचालन, यांत्रिक, सिग्नल एवं दूरसंचार तथा इंजीनियरिंग विभाग के कर्मचारियों हेतु खरसिया स्टेशन में संरक्षा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में स्पैड से बचाव के लिए बरती जाने वाली सावधानियां एवं ऑटो सिगनलिंग सेक्शन में विभिन्न प्राधिकार, शंटिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियां एवं रोलिंग डाउन से बचाव, इंजीनियरिंग विभाग के द्वारा बरती जाने वाली मानसून संबंधित सावधानियां, पॉइंट्स एवं सिग्नल की विफलता के दौरान सिग्नल एवं परिचालन कर्मचारी का कर्तव्य, हॉट

एक्सेल, ब्रेक बाईडिंग, ट्रेन पार्टिंग, एवं दरवाजा खुलने से बचाव के लिए क्रू, ट्रेन मैनेजर एवं स्टेशन कर्मचारी के द्वारा चेक किया जाना ,ओएचई ब्लॉक के समय रखी जानी वाली सावधानियाँ, हाल ही में हुई दुर्घटनाओं का विश्लेषण, प्राथमिक उपचार पेटी के उपयोग का प्रदर्शन तथा अग्निशामक यंत्र का उपयोग जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई । इस संरक्षा संगोष्ठी में सहायक मंडल विद्युत अभियंता(ओपी) रायगढ़, श्री आद्या प्रसाद तथा संरक्षा सलाहकारों के अलावा स्टेशन मास्टर, चालक, परिचालक गार्ड, फिटर, एसएसई, जेई, डीटीआई, पाइंटमैन, गेटमैन, प्रशिक्षु लोको पायलटों सहित विभिन्न विभागों के 100 से अधिक रेल कर्मचारियों ने भाग लिया ।

ग्राम पंचायतों में चलाया जा रहा है बीज उपचार पखवाड़ा

दुर्ग। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) द्वारा 26 जून से 10 जुलाई तक ग्राम पंचायत स्तर पर बीज उपचार पखवाड़ा चलाया जा रहा है, जिसमें बीज उपचार करने की प्रक्रिया बताई जा रही है। इस उपचार से बीज की बचत, भूमि के अंदर हानिकारक कीटों और बीमारियों से बीज की सुरक्षा होगी। पौधा निकलने के बाद जड़ों में होने वाली बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ जाएगी और स्वस्थ पौधा तैयार होगा। साथ ही दवाईयों के लागत खर्च में कमी आएगी। जिले के ढाबा, बासीन, परसदा, तरकोरी, अरसनारा, बोरी, नगपुरा, भटगांव, बोरेन्दा, चंगोरी, सोरम, मचांदूर, सेलूद सहित अन्य ग्रामों में भी यह अभियान चलाया गया। बीज उपचार करने के तरीके-अच्छे बीज का चयन कर उसे प्लास्टिक की बोरी या पन्नी पर फैला कर छायादार स्थान पर रखें। बीज अमृत या विभिन्न प्रकार के कल्चर का मिश्रण, बीज की मात्रा अनुसार बीज पर उपयोग करें। हाथों में पन्नी या दस्ताने पहन कर मिश्रण को इस तरह से मिलाएं कि बीज के ऊपर एक परत सी चढ़ जाए (आवश्यकता पड़ने पर गुड़ और पानी के घोल का उपयोग भी करें।) मिश्रित करने के बाद बीज को छायादार स्थान में फैलाकर सुखा लें और बुआई के लिए उपयोग करें।

17 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

तखतपुर। तखतपुर के ग्राम लिदरी में एक 17 वर्षीय नाबालिग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. जिसके सूचना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है । मृतक के परिजनों के मुताबिक, नाबालिग उनके पड़ोस में ही रहने वाले अपने जीजा के घर खाना खाने गए था । जहां से वापस लौटकर उसने अपने घर के एक कमरे में आत्म हत्या कर ली । इस घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस शव का पंचनामा कर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। इसके बाद जब उसके परिजन कमरे में गए तो सामने का नजारा देख उनके होश उड़ गए. सुनील की लाश साड़ी से बने फंदे में लटकी हुई थी. घर का चिराग बुझने से परिवार में मातम पसर गया है । मामले में तखतपुर थाना प्रभारी देवेश सिंह राठौर ने बताया कि नाबालिग ने आत्महया क्यों की इसकी जानकारी किसी को नहीं है. मृतक के परिजनों से पूछताछ की जा रही है ।

नव वधुओं का सम्मान समारोह आदर्श ग्राम पंचायत सुंदरकेरा में गत पाँच वर्षों से लगातार जारी

मायके की बड़ाई एवं ससुराल की बुराई से बचना चाहिए तभी घर स्वर्ग बनेगा: वैष्णव

नवापारा राजिम। आदर्श ग्राम पंचायत सुंदरकेरा में गत दिवस नववधू सम्मान समारोह का भव्य आयोजन पंचायत भवन सभागार में संपन्न हुआ. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पांडेय मुख्य कार्यपालन अधिकारी,जनपद पंचायत अभनपुर थे. अध्यक्षता श्रीमती किरण चंद्रहास साहू सरपंच ने किया. मुख्य वक्ता के रूप में भागवताचार्य प्रहलाद वैष्णव चरौदा एवम सहायक वक्ता के रूप में शिक्षक श्रवण कुमार साहू, प्रखर थे. विशेष अतिथि के रूप में रोजगार अधिकारी अभनपुर थे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ महामाया के तैल चित्र पर दीपप्रज्वलित करके किया गया, इसके बाद सेवानिवृत प्रधान पाठक टीका राम पटेल ने नववधू सम्मान समारोह की औचित्य एवम उद्देश पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ने इस तरह की कार्यो को समाज में जागरण लाने वाले कदम बताया।

सदन में वक्ता की आसंदी से अपनी विचार दे रहे शिक्षक श्रवण कुमार साहू ने नववधुओं को संबोधित करते हुए मानस के विविध प्रसंगों पर चर्चा करते हुए कहा कि,जिस तरह से माता सीता ने विषम परिस्थितियों में भी अपना निज कर्तव्य का पालन करते हुए बेहतरीन तरीके से परिवार एवम जीवन प्रबंधन किया,वह हमारे लिए आज भी प्रासंगिक है, उसी तरह हमें भी प्रबंधन आने चाहिए। मुख्य वक्ता प्रहलाद वैष्णव जी ने बड़े ही सरल और सहज ढंग से नववधुओं को प्रेरित करते हुए

कहा कि यदि घर को स्वर्ग बनाना है,तो बहुओं को मायके की बढ़ाई और ससुराल की निंदा करने से हमेशा बचना चाहिए,गांव के ग्राम पुरोहित ऋषि दुबे ने बहुओं को समझाया कि,हर बहू बेटियों को चाहिए कि अपने दिनचर्या की आदत में सुबह घर आँगन की सफाई और शाम माँ तुलसी में दीपक जलाना कभी न भूलें, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सरपंच श्रीमती किरण साहू ने कहा कि नारियां दो कुल का भार वहन करती है इसीलिए उसे बेटी और बहु का सम्मान मिलता है।कार्यक्रम को बिसौहा राम साहू,वरिष्ठ समाज सेवी ने भी संबोधित किया। नत्थु राम साहू जी ने बताया कि हमारा गाँव आदर्श कैसे बनें, और हम अपने आप को और बेहतरीन इंसान कैसे बना सके यह हम सभी का सामूहिक चिंतन होना चाहिए।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत सुंदरकेरा द्वारा नववधुओं को अंग वस्त्र,श्रीफल एवम नगद राशि भेंट कर के सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों मे नव वधू,हिना साहू राधा साहू टिकेश्वरी साहू नारायणी तारक पुष्पा तारक टेमिन पटेल वीणा साहू कल्याणी तारक प्रमुख थे,इस गरिमामय कार्यक्रम में,कमलेश यादव टीकाराम पटेल उप सरपंच भुनेश्वर साहू,रामधन साहू,बिसोहा साहू देवनाथ साहु,सरपंच किरण साहू मालती साहू तोरण साहू तोरण साहू रामा पटेल ब्रह्मानंद पटेल अनिल साहू कार्यक्रम अधिकारी दयानंद देवांगन, इंजीनियर लोकेश बारले, खेवन टंडन, रोजगार सहायक एवम गाँव के गणमान्य नागरिक एवम जनप्रतिनिधि मौजूद रहे. कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ समाजसेवी नत्थु राम साहू ने किया।

21 वाहनों पर चालानी कार्यवाही

परिवहन विभाग एवं यातायात विभाग द्वारा संयुक्त रूप से जांच प्रारंभ

दुर्ग। दुर्ग जिले के अंतर्गत संचालित स्कूलों में स्कूली बच्चों को सुरक्षित यातायात को ध्यान रखते हुए स्कूली बच्चों को लाने ले जाने हेतु संचालित आटो रिक्शा, वेन आदि की परिवहन विभाग एवं यातायात विभाग दुर्ग द्वारा संयुक्त रूप से जांच 04 जुलाई से प्रारंभ किया गया, जिसमें क्षमता से अधिक व असुरक्षित बच्चों को बिठाते हुए पाया गया है। अवैधानिक रूप से संचालित 21 वाहनों पर चालानी कार्यवाही करते हुए 75 हजार

रूपए शमन शुल्क वसूल की गई है। विद्यालयों में आटो-रिक्शा का संचालन को तत्काल बंद करने स्कूल प्रबंधनों को नोटिस जारी किया गया है। इस संबध में पालकों से अपील की गई है कि सड़क सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए अपने बच्चों को आटो-रिक्शा व वेन से स्कूल न भेजें। आगामी दिनों में भी सतत् रूप से बिना परमिट, फिटनेश व बीमा के चलने वाले ऑटो रिक्शा, स्कूली वेन एवं स्कूल बसों आदि पर कार्यवाही किया जाएगा।

उक्त जांच क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी एस.एल. लकड़ा, प्रभा तिवारी, परिवहन उप निरीक्षक एवं यातायात विभाग के उप पुलिस अधीक्षक सतीश ठाकुर एवं उनकी सहयोगी द्वारा किया गया।

शिक्षिका ने देर रात कमरे में लगाई फांसी

बिलासपुर । सिविल लाइन क्षेत्र के पत्रकार कालोनी में रहने वाली शिक्षिका ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह स्वजन को इसकी जानकारी हुई। स्वजन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे से एक सुसाइड नोट जब्त किया है। इसमें शिक्षिका ने किसी की गलती नहीं होने की बात लिखी है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सिविल लाइन क्षेत्र के पत्रकार कालोनी में रहने वाली शालिनी सलूजा (26) टीचर थीं। उनकी पोस्टिंग चांटीडीह आत्मानंद स्कूल में थी। वे अपने सास-ससुर और परिवार के सदस्यों के साथ रहती थीं। उनका पति आयुष मिश्रा मुंबई में जाब करते हैं। बुधवार को शालिनी ड्यूटी पर गई थीं। वहां से आने के बाद वह घर पर ही थीं। रात नौ बजे वह बिना खाना खाए ही अपने कमरे में चली गई। सुबह जब वह कमरे से बाहर नहीं निकलीं तो स्वजन ने आवाज लगाया। अंदर से कोई जवाब नहीं मिलने पर ससुराल वालों ने उनके मामा निशांत सलूजा को बुला लिया। उनके आने के बाद दरवाजे को धक्का देकर खोला गया। अंदर शालिनी की लाश फांसी के फंदे पर लटक रही थी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे से एक सुसाइड नोट जब्त किया है।

जनदर्शन में भीड़ मतलब, भरोसा है साय पर...

संपादकीय

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राज्य के लोकप्रिय सीएम हैं। कुछ ही महीनों में अपने काम और व्यवहार से उनकी लोकप्रियता पहले से बढ़ी है। राज्य के लोगों को उ पर भरोसा बढ़ा है।राज के लोगों को उम्मीद है कि सीएम साय उनकी हर समस्या का समाधान कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। यही वजह है कि सीएम साय के पहले व दूसरे जनदर्शन में हजारों लोग अपनी समस्या, मांग व शिकायतें लेकर आए और समाधान होने पर खुशी खुशी लौटे हैं। पहले जनदर्शन में 1500 आवेदन मिले तो दूसरे जनदर्शन में 1700 आवेदन मिले हैं । दूसरे जनदर्शन में पहले से ज्यादा आवेदन मिलने का मतलब साफ है कि सीएम साय का जनदर्शन लोगों की अपेक्षा की कसौटी पर खरा उतर रहा है। सीएम प्रदेश का मुखिया होता है। उसे पता रहना चाहिए कि लोगों की समस्याएं क्या है, उनकी शिकायते क्या हैं, उनकी मांगे क्या है, किसी क्षेत्र के लोग क्या चाहते हैं।जनदर्शन से सीएम को इस बात का पता चलता है कि राज्य के लोगों की समस्या क्या हैं। समस्या का पता रहने पर ही तो राज्य में सम्या का समाधान किया जा सकता है, उसके सहज निराकरण के लिए कोई योजना बनाई जा सकती है। जनदर्शन में सीएम साय का राज्य के लोगों से संवाद भी होता है। कई बार जो बाते राज्य के लोग अधिकारी का नहीं बता पाते हैं, वह बातें राज्य लोग सीएम से बताते हैं। लोगों की शिकायतों से सीएम को यह भी तो पता चलता है कि किस विभाग की ज्यादा शिकायतें हैं। कौन से अफसर हैं जो जनता की बातें सुन नहीं रहे है, जनता का काम समय पर कर नहीं रहे है, ऐसे में सीएम शिकायतें मिलने पर उस विभाग व उन अफसरों का पर कार्रवाई कर सकते हैं। जनदर्शन लगने पर अफसरों को डर रहता है कि लोग उनकी शिकयत सीएम से कर सकते है, इससे वह भी जनता की बातें सुनते हैं, शिकायते दूर करते हैं। जनदर्शन में आई शिकायतों से सीएम को यह भी पता चलता है कि जिन शिकायतों का निराकरण जिलास्तर पर हो सकता है, वैसी शिकायते भी उन तक आ रही हैं तो सिस्टम में खामी क्या है। वैसे तो जिला स्तर पर कलेक्टर जनदर्शन लगाते हैं, बहुत सारे लोग वहां भी जाते हैं और अपनी समस्याएं बताते हैं। कई बार होता है कि जिला स्तर पर उनकी समस्या का समाधान नहीं होता है। तब जाकर वह सीएम के जनर्शन मे आते है। पहले जनदर्शन व दूसरे जनदर्शन में इतनी ज्यादा शिकायतों का एक मतलब तो यह निकाला जा सकता है कि लोगों को उम्मीद है कि सीएम उनकी हर समस्या का समाधान कर सकते हैं। इसलिए वह अपनी हर समस्या लेकर सीएम जनदर्शन में पहुंच रहे हैं। इतनी ज्यादा शिकायतों का एक मतलब तो यह भी हो सकता है कि चुनाव के कारण उनकी समस्याओं का निराकरण जिला स्तर पर नहीं हो रहा था, इसलिए वह सीएम जनदर्शन में आए हैं। सीएम जनदर्शन को कुछ लोग सकारातामक नजरिए देखतेह है तो उनका लग सकता है कि इस तरह का आयोजन सीएम को करते रहना चाहिए ताकि राज्य के दुखी व परेशान लोगों का दुख,परेशानी दूर हो सके। वहीं विपक्ष तो सीएम के जनदर्शन में लोगों की भारी भीड़ को सकारात्मक नजरिए से नहीं देख सकता इसलिए वह तो कहेगा ही कि जनदर्शन में लोगों की इतनी भीड़ का मतलब है कि राज्य में सुशासन नहीं है, जिला,तहसील स्तर परर लोगों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है। वैसे भी सीएम राज्य में सुशासन का दावा करते रहे हैं।ऐसे में सीएम जनदर्शन में भारी भीड़ को विपक्ष तो कुशासन का परिणाम बता सकता है। सीएम साय के मुताबिक राज्य में सुशासन है तो लोगों की समस्याओं का निराकरण निचले स्तर पर ही हो जाना चाहिए। सीएम के जनदर्शन में तो वही समस्याएं आनी चाहिए जिनका जिला स्तर पर समाधान नहीं हो सकता। इससे लोगों को सीएम आवास में आकर लंबी लाइन नहीं लगानी पड़ेगी। राज्य के लोगो को समस्या का समाधान तहसील जिला स्तर परह हो जाए तो लोगों को भी लगेगा भी राज्य में सुशासन है। राज्य में सुशासन है तो लोगों को लगना भी चाहिए और दिखना भी चाहिए।

त्वचा के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद कर सकते हैं आम के ये फेस पैक

आम का महीना खत्म होने से पहले इसे खरीदें और इसका कुछ हिस्सा अपनी त्वचा की देखभाल के लिए इस्तेमाल करें।यह रसदार फल विटामिन-ए, विटामिन-सी, विटामिन-ई, विटामिन-के, जैंथोफिल, पॉलीफेनोलिक्स, फ्लेवोनोइड्स और बीटा-कैरोटीन जैसे गुणों से भरपूर होता है, जो त्वचा को पोषित कर इसे कई समस्याओं से सुरक्षित रखने में मदद कर सकते हैं।आइए आज हम आपको 5 तरह के आम के फेस पैक बनाने के तरीके बताते हैं, जिनका इस्तेमाल त्वचा के लिए लाभदायक हो सकता है।

आम, शहद और नींबू का फेस पैक-आम के साथ शहद और नींबू का संयोजन त्वचा का अतिरिक्त तेल सोखकर कील-मुंहासों से छुटकारा दिला सकता है।लाभ के लिए सबसे पहले 2 बड़ी चम्मच आम का गूदा, 1 चम्मच शहद और 1 चम्मच नींबू का रस एक साथ मिलाएं।अब इस मिश्रण को साफ चेहरे पर लगाएं और 15 से 20 मिनट के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें, फिर चेहरे पर जेल बेस्ड मॉइश्चराइजर लगाएं।

आम और एलोवेरा जेल का फेस पैक -यह फेस पैक त्वचा की कोशिकाओं की मरम्मत करने और इसे हाइड्रेट रखने में मदद कर सकता है।लाभ के लिए 2 बड़ी चम्मच आम का गूदा और 1 बड़ी चम्मच ताजा एलोवेरा जेल एक साथ मिलाएं, फिर इसे अपने चेहरे पर मेकअप ब्रश की मदद से लगाएं और जब आपको लगे फेसपैक अच्छे से सूख चुका है, तब अपने चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें।इसके बाद चेहरे को तौलिए से सुखाकर मॉइश्चराइजर लगा लें।

आम और एवोकाडो का फेस पैक-आम और एवोकाडो का मिश्रण समय से पहले उभरने वाले बढ़ती उम्र के प्रभाव को कम करने में सहायता प्रदान कर सकता है।लाभ के लिए सबसे पहले 3 चम्मच आम का गूदा, 1 बड़ी चम्मच एवोकाडो का गूदा और थोड़ा नारियल का तेल एक साथ मिलाएं।अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर कुछ मिनट मलें। 15-20 मिनट के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धो लें।यहां जानिए एवोकाडो से बनाए जाने वाले अन्य फेस पैक।

आम, नारियल के तेल और दही का फेस पैक-यह फेस पैक त्वचा की गंदगी को दूर करने और इसे निखारने में मदद कर सकता है।लाभ के लिए 1 बड़ी चम्मच आम का गूदा, 1 चम्मच नारियल का तेल और 1 चम्मच दही को एक साथ अच्छे से मिला लें।अब इस मिश्रण को अपने चेहरे पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। आखिर में चेहरे को पानी से धो लें।यहां जानिए चमकती-दमकती त्वचा पाने के लिए पपीते के छिलकों का इस्तेमाल।

आम, बेसन, बादाम और शहद का फेस पैक -सूरज के संपर्क में अधिक देर तक रहने से सनबर्न की समस्या हो सकती है.

धर्मनिरपेक्ष भारत को यूसीसी से नहीं शरिया से चलाने की जिद्द

संजय सक्सेना,लखनऊ

मोदी सरकार द्वारा पहली जुलाई से देश में भारतीय न्याय संहिता लागू किये जाने के बाद अब समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड) का मुद्दा गरमाने लगा है, जिस तरह से मोदी सरकार के मंत्री और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ यूसीसी के पक्ष में बयानबाजी कर रहा हैं उससे यूसीसी विरोधियों के भी सुर मुखर होने लगे हैं। सुन्नी पर्सनल लॉ बोर्ड तो पहले से ही यूसीसी का विरोध कर रहा था, अब शिया पर्सनल लॉ बोर्ड ने भी इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। इसी क्रम में लखनऊ में ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएसपीएलबी) की राष्ट्रीय कायर्कारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि समान नागरिक संहिता उन्हें किसी दशा में स्वीकार नहीं है। उनकी कौम देश के कानून से नहीं चलेगी, बल्कि शरीयत कानून को ही मानेगी। बोर्ड ने धमकी वाले अंदाज में कहा है कि मोदी सरकार यूसीसी बनाने की प्रक्रिया को रोक दे। इसके साथ ही बोर्ड की तरफ से चेतावनी भी दी गई कि यदि मोदी सरकार ने हमारा अनुरोध नहीं माना तो मोहर्रम के बाद आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। बोर्ड के यह तेवर तब हैं जबकि भारतीय संविधान से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक सभी नागरिकों के लिये समान कानून की बात लम्बे समय से कहता रहा है।अलग-अलग मौकों पर देश की तमाम अदालतें सरकार से यूसीसी लागू करने के लिये कानून बनाने की बात भी कह चुकी हैं। वैसे भी एक धर्मनिरपेक्ष देश में सबके लिये एक जैसे कानून में कोई बुराई नजर नहीं आती है।

गौरतलब है कि हाल के वर्षों में समान नागरिक संहिता पर सियासी और समाजिक दोनों ही स्तरों पर ही माहौल गर्म रहा है। एक ओर जहाँ देश की बहुसंख्यक आबादी समान नागरिक संहिता को लागू करने की पूरजोर मांग उठाती रही है, वहीं अल्पसंख्यक वर्ग इसका विरोध करता रहा है।इसी के मद्देनजर इस मुद्दे पर हर चुनाव में खूब राजनीति होती रही है, वहीं चुनाव बाद इस मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है,लेकिन लगता है कि अब मोदी सरकार इस पर बड़ा निर्णय लेने का मन बना चुकी है।यूसीसी से सबसे अधिक फायदा महिलाओं को होगा। क्योंकि आज भी किसी भी समाज और कौम में महिलाओं को पुरूषों के समान अधिकार मिलना रेगिस्तान में नख्लिस्तान से कम नहीं है, लेकिन यूसीसी लागू होने से महिलाओं के सामने कदम-कदम पर आने वाली चुनौतियाँ का ग्राफ थोड़ा कम हो सकता हैं। मगर चिंता की बात यह है कि एक तरफ जहाँ अल्पसंख्यक समुदाय नागरिक संहिता को अनुच्छेद 25 का हनन मानते हैं, वहीं इसके झंडाबरदार समान नागरिक संहिता की कमी को अनुच्छेद 14 का अपमान बता रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या सांस्कृतिक विविधता से इस हद तक समझौता किया जा सकता है कि समानता के प्रति हमारा आग्रह क्षेत्रीय अखंडता के लिए ही खतरा बन जाए? क्या एक एकीकृत राष्ट्र को ह्यसमानताह्न की इतनी जरूरत है कि हम विविधता की खूबसूरती की परवाह ही न करें ?इसका जबाव हां में है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि देश का संविधान देशवासियों को कुल मौलिक अधिकार प्रदान करता है,जिसमें भाषा और विचार प्रकट करने की स्वतंत्रता का अधिकार, जमा होने संघ या यूनियन बनाने, आने-जाने, निवास करने और कोई भी जीविकोपार्जन एवं व्यवसाय करने की स्वतंत्रता का अधिकार (इनमें से कुछ अधिकार राज्य की सुरक्षा, विदेशी देशों के साथ भिन्नता पूर्ण संबंध सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता और नैतिकता के अधीन दिए जाते हैं)। बोलने,खाने पीने और अपने विचार व्यक्त करने की हमें आजादी है,लेकिन इसी आजादी का जब लोग गलत फायदा उठाने लगते हैं तो देश की संप्रभुता पर खतरा मंडराने लगता है।उस समय जनता को अधिकार के साथ उनकी जिम्मेदारी से भी अवगत कराया जाता है। समान नागरिक संहिता इसी क्रम की एक कड़ी मात्र है। सवाल उठता है कि अगर हम सदियों से अनेकता में एकता का नारा लगाते आ रहे हैं तो, कानून में भी एकरुपता से आपत्ति क्यों? क्या एक संविधान वाले इस देश में लोगों के निजी मामलों में भी एक कानून नहीं होना चाहिए ?अगर अब तक समान नागरिक संहिता को लागू करने की कोशिश संजीदगी से नहीं हुई है तो, इसके पीछे अल्पसंख्यक वोट बैंक की सियासत तो नहीं है? बता दें कि संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता की चर्चा की गई है। राज्य के नीति-निर्देशक तत्त्व से संबंधित इस अनुच्छेद में कहा गया है कि ह्यराज्य, भारत के समस्त राज्य क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता प्राप्त कराने का प्रयास करेगा। समान नागरिक संहिता में किसी के रीति-रिवाज पर तो कोई फर्क नहीं पड़ेगा लेकिन शादी, तलाक तथा जमीन-जायदाद के बँटवारे आदि में सभी धर्मों के लिए एक ही कानून लागू होता है। अभी देश में जो स्थिति है उसमें सभी धर्मों के लिए अलग-अलग नियम हैं। संपत्ति, विवाह और तलाक के नियम हिंदुओं, मुस्लिमों और ईसाइयों के लिए अलग-अलग हैं।इस समय देश में कई धर्म के लोग विवाह, संपत्ति और गोद लेने आदि में अपने पर्सनल लॉ का पालन करते हैं। मुस्लिम, ईसाई और पारसी समुदाय का अपना-अपना पर्सनल लॉ है जबकि हिंदू सिविल लॉ के तहत हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध आते हैं।

गौरतलब हो संविधान निर्माण के बाद से ही समान नागरिक संहिता को लागू करने की मांग उठती रही है। लेकिन, जितनी बार मांग उठी है उतनी ही बार इसका विरोध भी हुआ है। समान नागरिक संहिता के हिमायती यह मानते हैं कि भारतीय संविधान में नागरिकों को कुछ मूलभूत अधिकार दिए गए हैं। अनुच्छेद 14 के तहत कानून के समक्ष समानता का अधिकार, अनुच्छेद 15 में धर्म, जाति, लिंग आदि के आधार पर किसी भी नागरिक से भेदभाव करने की मनाही और अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और निजता के संरक्षण का अधिकार लोगों को दिया गया है। लेकिन, महिलाओं के मामले में इन अधिकारों का लगातार हनन होता रहा है। बात चाहे तीन तलाक की हो, मंदिर में प्रवेश को लेकर हो, शादी-विवाह की हो या महिलाओं की आजादी को लेकर हो, कई मामलों में महिलाओं के साथ भेदभाव किया जाता है। इससे न केवल लैंगिक समानता को खतरा है बल्कि, सामाजिक समानता भी सवालों के घेरे में है। जाहिर है, ये सारी प्रणालियाँ संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप नहीं है। लिहाजा, समान नागरिक संहिता के झंडाबरदार इसे संविधान का उल्लंघन बता रहे हैं।

दूसरी तरफ, अल्पसंख्यक समुदाय विशेषकर मुस्लिम समाज समान नागरिक संहिता का जबरदस्त विरोध कर रहे हैं। संविधान के अनुच्छेद 25 का हवाला देते हुए कहा जाता है कि संविधान ने देश के सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया है। इसलिये, सभी पर समान कानून थोपना संविधान के साथ खिलवाड़ करने जैसा होगा। मुस्लिमों के मुताबिक उनके निजी कानून उनकी धार्मिक आस्था पर आधारित हैं इसलिये समान नागरिक संहिता लागू कर उनके धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न किया जाए। दरअसल, समान नागरिक संहिता को लागू करने की पूरजोर मांग उठने के बाद भी इसे अब तक लागू नहीं किया जा सका है। कई मौके ऐसे आए जब माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी समान नागरिक संहिता लागू न करने पर नाखुशी जताई है। 1985 में शाह बानो केस और 1995 में सरला मुदगल मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा समान नागरिक संहिता पर टिप्पणी से भी इस मुद्दे ने जोर पकड़ा था, जबकि पिछले वर्ष ही तीन तलाक पर सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले के बाद भी इस मुद्दे को हवा मिली। लेकिन, सवाल है कि इस मसले पर अब तक कोई ठोस पहल क्यों नहीं हो सकी है? दरअसल, भारत का एक बहुल संस्कृति वाला देश होना इस रास्ते में बड़ी चुनौती है। हिंदू धर्म में विवाह को जहाँ एक संस्कार माना जाता है, वहीं इस्लाम में इसे एक अनुबंध माना जाता है। ईसाइयों और पारसियों के रीति-रिवाज भी अलग-अलग हैं। मौजूदा वक्त में गोवा और उत्तराखंड दो ऐसे राज्य है जहाँ समान नागरिक संहिता लागू है। जाहिर है, इसके लिए काफी प्रयास किए गए होंगे। इसलिए यह कहना गलक नहीं होगा कि दूसरे राज्यों में भी अगर कोशिश की जाती है तो, इसे लागू करना मुमकिन हो सकता है।दूसरी ओर वोटबैंक की राजनीति भी इस मुद्दे पर संजीदगी से पहल न होने की एक बड़ी वजह है। एक दल जहाँ समान नागरिक संहिता को अपना एजेंडा बताता रहा है, वहीं दूसरी पार्टियाँ इसे अल्पसंख्यकों के खिलाफ सरकार की राजनीति बताती रही हैं। जाहिर है, एक दल को अगर वोट बैंक के खिसक जाने का डर है तो, दूसरे को वोट बैंक में सेंध लगाने की फिक्र है। दरअसल, सियासी दलों का यह डर पुराना है।

बता दें यूसीसी की तरह ही 1948 में जब हिन्दू कोड बिल संविधान सभा में लाया गया, तब देश भर में इस बिल का जबरदस्त विरोध हुआ था। बिल को हिन्दू संस्कृति तथा धर्म पर हमला करार दिया गया था।सरकार इस कदर दबाव में आ गई कि तत्कालीन कानून मंत्री भीमराव अंबेडकर को पद से इस्तीफा देना पड़ा। यही कारण है कि कोई भी राजनीतिक दल समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर जोखिम नहीं लेना चाहता। हमें समझना होगा कि जब हर भारतीय पर एक समान कानून लागू होगा तो, देश के सियासी दल वोट बैंक वाली सियासत भी नहीं कर सकेंगे और भावनाओं को भड़का कर वोट मांगने की रिवायत पर भी लगाम लग सकेगा। हमें यह भी समझना होगा कि अगर राजा राममोहन राय सती प्रथा के खिलाफ आवाज उठा सके और उसका उन्मूलन करने में कामयाब हो सके तो, सिर्फ इसलिये कि उन्हें अपने धर्म के भीतर की कुरीतियों की फिक्र थी। लिहाजा, धर्म के रहनुमाओं को ईमानदारी से पहल करने की जरूरत है। हमें यह भी समझना होगा कि भारत जैसे देश में संस्कृति की बहुलता होने से न केवल निजी कानूनों में बल्कि रहन-सहन से लेकर खान-पान तक में विविधता देखी जाती है और यही इस देश की खूबसूरती भी है। ऐसे में जरूरी है कि देश को समान कानून में पिरोने की पहल अधिकतम सर्वसम्मति की राह अपना कर की जाए।

बहरहाल, बात शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की राष्ट्रीय कायर्कारिणी की बैठक में यूसीसी कके विरोधकी कि जाये तो इसकी अध्यक्षता करते हुए मौलाना सैयद साएम मेहंदी ने कहा कि यूसीसी को लेकर दो साल से केंद्र सरकार से अनुरोध कर रहे हैं कि इस दिशा में न बढ़ा जाये, शिया कौम का कानून शरीयत है, सभी उसे मानते हैं और आगे भी मानते रहेंगे। कोई शिया कचहरी या थाना में न जाये ये संभव नहीं है, तब ऐसे कानून को लाया ही क्यों जाए। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार ने यूसीसी को विधानसभा से पारित कराकर राज्यपाल के पास भेजा है, ये सिर्फ इसीलिए हुआ ताकि शिया कौम सरकार की खुशामद करें। इसके लागू होने से देश में अमन-चैन कायम नहीं रह सकेगा। इसके साथ ही सैयद मेहंदी ने कहा कि आठ जुलाई से मोहर्रम शुरू हो रहा है। इसी दौरान कांवड़ यात्रा भी निकलेगी, शिया कौम को इस यात्रा से दिक्कत नहीं है, प्रदेश सरकार कांवड़ियों को सुविधाएं भी दे रही है।

मेंहदी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील है कि मोहर्रम में जहां ताजिये रखे या उठाये जाते हैं, जहां मजलिसे होती हैं या जुलूस निकलते हैं वहां सुरक्षा व्यवस्था के इंतजाम किये जाएं ताकि पूरे अमन तरीके से जुलूस निकल सकें। वहीं बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा कि यूसीसी से हमारे अधिकारों व पर्सनल लॉ पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। केंद्र सरकार सबका साथ, सबका विकास व सबका विश्वास का नारा लगाती है इसको ध्यान में रखकर कानून पर फिर से विचार करके इसे लागू न कराया जाए।मोहर्रम पर बेहतर इंतजाम करने के लिए बोर्ड की तरफ से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र भेजा गया है। साथ ही हुसैनाबाद ट्रस्ट की जर्जर इमारतों की मरम्मत कराई जाए। इस मौके पर मौलाना जाफर अब्बास ने कहा कि हम यूसीसी को डरकर मानने वाले नहीं हैं, हमारी कौम ने जालिमों के खिलाफ लंबे समय तक संघर्ष किया है, अब फिर मुकाबला करने को तैयार हैं। अब कौम को इतना मजबूत करना होगा कि कोई अदालत में न जाये। बोले, वे दूसरों की बैसाखी पर नहीं अपने शरीयत के हिसाब से चलेंगे।बोर्ड बैठक में उपाध्यक्ष मौलाना जाहिद अहमद रिजवी, डा. मोहम्मद रजा, मौलाना रजा अब्बास, मौलाना एजाज अतहर, मौलाना हसनी मीरापुरी समेत कायर्कारिणी के पदाधिकारी मौजूद थे।

परीक्षा प्रणाली में बड़े सुधार जरूरी

अजीत रानाडे

लगभग 25 वर्ष पहले आइआइटी, बंबई के निदेशक पद का कार्यकाल पूरा करने के तुरंत बाद प्रो. सुहास सुखात्मे का एक साक्षात्कार प्रकाशित हुआ था। उनसे एक प्रश्न यह पूछा गया था कि पांच साल के उनके कार्यकाल की कुछ विशेष बातें क्या रहीं। उन्होंने एक पंक्ति में जवाब दिया- ह्यमुझे किसी ने अपने बच्चे का प्रवेश कराने के लिए नहीं कहा।ह्न इस उत्तर का गहरा महत्व है। इससे पहली बात तो यह निकलती है कि आप निदेशक को प्रभावित कर प्रवेश नहीं पा सकते। दूसरी बात, ह्यतंत्रह्न का कोई व्यक्ति ऐसा कहने या करने की सोच भी नहीं सकता। मंत्री, उद्योगपति, राजनेता या अभिजन, कोई भी हो, प्रवेश परीक्षा के अलावा किसी अन्य तरीके से आइआइटी में दाखिला पाने के बारे में सोच नहीं सकता था।

यह एक अलिखित नियम था, जो समय के साथ एक कायदा बन गया, जिसे सभी मानते थे। यह नियम संयुक्त प्रवेश परीक्षा की पवित्रता में भरोसे के कारण बना रहा और यह पवित्रता अनुल्लंघनीय थी। इसी कारण अन्य कुछ संस्थानों ने भी इस परीक्षा के अंकों को अपने यहां प्रवेश का आधार बनाया। यह प्रणाली लगभग चार दशकों तक चलती रही, जब केवल पांच आइआइटी संस्थान थे और परीक्षार्थियों की संख्या का प्रबंधन हो सकता था। परीक्षा की पूरी प्रक्रिया का संचालन बारी-बारी से आइआइटी संस्थान करते थे। आइआइटी के प्राध्यापकों की पीढ़ियों ने यह सुनिश्चित किया कि परीक्षा की शुचिता बनी रहे। लेकिन एक समय के बाद यह संभव नहीं रहा। आपूर्ति और मांग के बीच खाई बढ़ती गयी। आइआइटी में प्रवेश के लाभ आसमान छूने लगे। कोचिंग क्लास उद्योग मनमाने तरह से चलने लगे। ऐसे में सीट बढ़ाने की जरूरत पैदा हुई। आइआइटी संस्थानों की संख्या बढ़ी, प्रवेश अधिक होने लगे और आवेदकों की तादाद भी बहुत हो गयी। साल 2013 के आसपास यह गंभीर नीतिगत चर्चा होने लगी कि सभी इंजीनियरिंग और मेडिकल संस्थानों के लिए देशभर में एक परीक्षा की व्यवस्था हो। इसका उद्देश्य छात्रों और अभिभावकों को कई प्रवेश परीक्षाओं में बैठने की मुश्किलों से राहत दिलाना था। साथ ही, इससे देश में परीक्षाओं के स्तर भी समान होते। कोचिंग उद्योग द्वारा पैदा की गयी खाई और उनकी भारी कमाई से जुड़ी चिंताएं भी थीं। सो, हम ह्यएक परीक्षाह्न व्यवस्था में आ गये। साल 2017 में एक अलग एजेंसी गठित की गयी, जिसे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) नाम दिया गया। यह एजेंसी विभिन्न परीक्षाओं के साथ चार बड़ी परीक्षाएं आयोजित करती है- मेडिकल प्रवेश के लिए नेशनल एलिजीबिलिटी-कम-एंट्रेंस टेस्ट (नीट), इंजीनियरिंग प्रवेश के लिए ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेइइ), यूजीसी-नेट और सेंट्रलाइज्ड यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूइटी)। बीते कुछ वर्षों से इन सभी परीक्षाओं के अनुभव गड़बड़ियों से अछूते नहीं रहे हैं। इससे छात्रों और अभिभावकों की चिंताएं बहुत बढ़ी हैं। इन परीक्षाओं की तैयारी में अमानवीय दबाव के कारण छात्रों में आत्महत्या के बढ़ते मामलों को भी नहीं भूलना चाहिए। इस साल नीट (अंडरग्रेजुएट) और यूजीसी-नेट परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। यूजीसी-नेट परीक्षा 19 जून को होने वाली थी। उसे महज एक दिन की सूचना पर रद्द कर दिया गया। इस परीक्षा में देशभर के 317 शहरों में लगभग नौ लाख छात्र बैठने वाले थे। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने इसलिए इस परीक्षा को रद्द किया क्योंकि उसे पर्चे लीक होने की आशंका थी। इससे पहले से ही नीट (अंडरग्रेजुएट) का मामला गर्म था, जिसके परिणाम चार जून को घोषित हुए थे। संयोग से उसी दिन लोकसभा चुनाव के नतीजे भी आये थे। इस परीक्षा में 571 शहरों और 4750 केंद्रों में 24 लाख छात्र शामिल हुए थे। लेकिन परिणामों में गड़बड़ियां लग रही थीं। जितने अंक लाकर पिछले साल 6800 के आसपास रैंक हासिल की जा सकती थी, इस बार उतने अंक में 21 हजार की रैंक मिली। इतना ही नहीं, 67 छात्रों को पूरे अंक मिले, जिनमें से छह छात्रों के क्रमांक एक ही अनुक्रम में थे और इनका परीक्षा केंद्र भी एक ही था। इससे रोष फैलना स्वाभाविक था। जब छात्रों ने सोशल मीडिया पर अपने अंकों को साझा किया, तो एक अजीब-सी बात देखी गयी, जिसका खुलासा एनटीए ने नहीं किया था। वह बात यह थी कि 1563 छात्रों को ग्रेस मार्क्स दिये गये थे, जिसके बारे में किसी पूर्व शर्त की घोषणा नहीं की गयी थी। ऐसे अंक दिव्यांग छात्रों को ठोस कारणों से दिये जा सकते हैं, लेकिन इस मामले में वे इसलिए दिये गये क्योंकि परीक्षा केंद्र पर प्रश्न पत्र बहुत देर से पहुंचे थे तब तक पूरा मामला सर्वोच्च न्यायालय पहुंच चुका था। ग्रेस मार्क्स को रद्द किया गया और पुनः परीक्षा का आदेश दिया गया। बड़े पैमाने पर पर्चा लीक होने की आशंका तथा एनटीए के दोषपूर्ण प्रणाली से जुड़े सवाल अभी हैं। ऐसा लगता है कि नकल का बड़ा घोटाला हुआ है। इस संबंध में बिहार और गुजरात में कुछ गिरफ्तारियां भी हुई हैं। न तो यह कहानी अभी खत्म हुई है और न ही छात्रों और अभिभावकों का भारी तनाव कम हुआ है। आज बड़े बदलावों और सुधारों की आवश्यकता है। ऑप्टिक मार्क्स रिकॉग्निशन (ओएमआर) के इस्तेमाल वाली परीक्षाओं के लिए उनको छापने, ढोने और सुरक्षित केंद्रों पर ले जाने की जरूरत होती है। अब ऐसी व्यवस्था की प्रासंगिकता नहीं है। महाराष्ट्र की एक महत्वपूर्ण सरकारी परीक्षा एजेंसी लगभग 15 साल पहले ही स्क्रीन-बेस्ड सिस्टम को अपना चुकी है। अत्याधुनिक तकनीकों के इस दौर में हमें ओएमआर जैसे तरीके की जरूरत नहीं है। कंप्यूटर से सवालों के क्रम को ऐसे बदला जा सकता है कि सवाल बनाने वाले को इसका पता पर्चा सामने आने पर ही लगे। तकनीक आधारित समाधानों को देश में कई जगहों पर अपनाया गया है। हमें एक परीक्षा और एक राष्ट्रीय एजेंसी पर भारी दबाव को कम करना चाहिए। हम दो या इससे अधिक टेस्ट की व्यवस्था कर सकते हैं, जो प्रतिस्पर्धात्मक हों। इसमें कुछ निजी कंपनियों को भी शामिल किया जा सकता है। तीसरा सुधार दीर्घकालिक है, जिसमें हमें मांग और आपूर्ति की बड़ी खाई को कम करना होगा। इसका यह भी अर्थ है कि हम शिक्षा क्षेत्र को जकड़न से मुक्त करें तथा उच्च शिक्षा के संस्थानों को पाठ्यक्रम तय करने, शिक्षक भर्ती करने और उनका वेतन तय करने, शुल्क का निर्णय लेने आदि में अधिक स्वतंत्रता एवं स्वायत्तता दें। अन्यथा हमारे लाखों युवा अपनी महत्वपूर्ण युवावस्था को मनोवैज्ञानिक बोझ के साथ परीक्षा की तैयारी और बार-बार परीक्षा देने में बर्बाद करते रहेंगे, जहां सफलता मिलना लॉटरी लगने से भी अधिक मुश्किल है।

आज का राशिफल

मेष राशिःआज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलापन ही आपको सफलता दिला सकता है। आज पारिवारिक रिश्ते में अपनापन महसूस होगा। किसी कारण से पिताजी आपको कोई नयी जिम्मेदारी दे सकते हैं, जिसे आप पूरी तरह निभाएंगे। जमीन जायदाद से जुड़ा कोई काम पूरा हो सकता है। आज साझेदार की गतिविधियों पर ध्यान दें। रोजगार में नई उपलब्धि मिलने के योग बन रहे हैं। किसी काम में जल्दबाजी नहीं करेंगे तो आपका काम आसानी से हो जायेगा।

वृष राशिःआज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। आज आपको कोई बड़ी खुशखबरी भी मिलने वाली है। आज कुछ नजदीकी यात्रा होने के योग भी बन रहे हैं। आज अपने व्यस्त समय से कुछ समय धार्मिक व आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए भी जरूर निकालें, इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान देंगे, सफलता जल्द ही आपके कदम चूमेंगी। आज बिजनेस संबंधी ज्यादातर काम ठीक से पूरे हो जाएंगे।

मिथुन राशिःआज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको किसी विशेष आयोजन में जाने का मौका मिलेगा और नई जानकारियां सीखने को मिलेगी। आज बच्चों का रिजल्ट देखकर मन प्रसन्न होगा। आज अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए ध्यान केंद्रित करेंगे। आज पर्सनल लाइफ से संबंधित किसी भी प्रकार का रिस्क लेने से परहेज करेंगे। आज कार्यक्षेत्र में लाभ की अपेक्षा मेहनत की अधिकता रहेगी। परंतु फिर भी आप पूरी मेहनत और आत्मविश्वास के साथ काम करेंगे।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आपकी सूझबूझ और विवेक से समस्याएं आसानी से हल हो जाएंगी। आज अन्य गतिविधियों में व्यस्तता की वजह से आपका खुद का कोई महत्वपूर्ण काम अधूरा भी रह सकता है। आज बच्चों की गतिविधियों तथा संगति पर कड़ी नजर रखेंगे। आज कोई भी कार्य संबंधी योजनाएं बनाते समय, उसके सभी पहलुओं पर उचित विचार विमर्श कर लें। लवमेट आज कहीं घूमने का प्लान कर सकते है। आज आपका दांपत्य जीवन अच्छा रहने वाला है।

सिंह राशिः आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज आपके बच्चे आपको प्रसन्न होने की वजह देंगे। आज आप व्यक्तिगत कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आज व्यवसायिक व्यवस्था को बनाए रखने में आपका योगदान जरूरी है। आज कोई बाहरी व्यक्ति आपके कार्यक्षेत्र की व्यवस्था में कुछ रुकावटें डाल सकता है। आज कर्मचारियों का उत्साह बढ़ाने से उनकी कार्य क्षमता बेहतर होगी। स्टेशनरी का व्यापार कर रहे लोगों को आज रोज की अपेक्षा ज्यादा लाभ होगा।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। प्रॉपर्टी के सेल परचेज संबंधी कार्यवाही चल रही है, तो उसमे निश्चित ही सफलता मिलेगी। आज आप शारीरिक और मानसिक रूप से अपने आपको सशक्त महसूस करेंगे। आज आपको यह ध्यान रखना होगा कि नकारात्मक विचार आपके मनोबल को कमजोर कर सकते हैं। आज ऑफिस के जिम्मेदारी पर गंभीरता से ध्यान दें। पारिवारिक सदस्यों का आपसी सहयोग घर के वातावरण को सुखद और मधुर बनाकर रखेगा।

तुला राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपको अपने टारगेट को पूरा करने के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। काम जितना भी कठिन हो आपको एकाग्रता बनाये रखना है। ऑफिस में आज आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग की सहायता मिलेगी। अपनी उर्जा से आप बहुत कुछ हासिल करेंगे बस अपनी काबिलियत पर भरोसा करें। किसी कठिन परिस्थिति में आपको कुछ लोगों से आसानी से मदद मिल जायेगी। आज आपके भौतिक सुख-साधनों में बढ़ोतरी होगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन बढ़िया रहने वाला है। आज व्यावसायिक संपर्कों को और मजबूत करने का प्रयास करेंगे, साथ ही आज किसी महत्वपूर्ण या राजनीतिज्ञ से मुलाकात फायदेमंद होगी। आज कारोबार में आपको फायदा होगा। इस राशि के ट्रेडिंग और बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन विशेष फलदायी है। आज सामाजिक कार्यों में मन लग सकता है। आज आपकी सेहत अच्छी रहेगी। आज कुछ अच्छे लोगों से भी आपकी मुलाकात हो सकती है। आज आप कुछ नये विचारों पर काम कर सकते हैं।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज बिजनेस में लाभ पाने के लिए आपको किसी की मदद लेनी पड़ेगी। साथ ही आज आपको वाद-विवाद से दूर रहना होगा ताकि आप अपना मन काम में लगा सके। आज आपको अपनी काबिलियत दिखाने का मौका मिलेगा। व्यापारी वर्ग को आज अच्छा लाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा, कॉलेज में नए दोस्त बनेंगे। आर्थिक रूप से आज आपको सफलता मिलेगी।

मकर राशिः आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए है, लेकिन पढाई में अभी और मेहनत करने की जरुरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस मे सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा, जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे। लवमेट के रिश्ते में सुधार आयेगा। आज आपको अपने कार्यों में राजनीतिक रिश्ते का फायदा मिलेगा। आपके सारे काम असानी से पूरें हो जायेंगे।

कुंभ राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे इससे काम समय से व आसानी से पूरा हो जायेगा। आज शाम को आप किसी बर्थडे पार्टी में जाने का प्लान बनायेंगे। स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। आपकी क्रिएटिव फील्ड मजबूत होगी। बिल्डर्स के लिए आज का दिन अच्छा है, नये कॉन्ट्रैक्ट से बड़ा मुनाफा होगा। आज कोई दोस्त आपसे मिलने घर आयेगा जिससे अपनी पर्सनल बातें डिस्कस करेंगे।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपकी निजी समस्या सुलझ जाने से मानसिक शांति मिलेगी। कार्यस्थल पर आपका व्यवहार अच्छा रहेगा। आज पॉजिटिव नजरिए से जरूरी काम पूरे हो सकते हैं। कामकाज निपटाने के नए तरीके भी आपको मिल सकते हैं। दोस्तों के साथ रिश्ते और बेहतर होंगे। विद्यार्थी आज काम और पढाई में बैलेंस बनाकर चलेंगे।

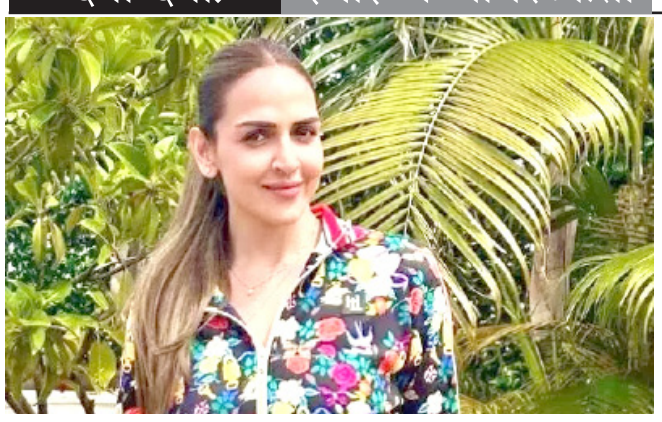

ईशा देओल को काम न करने का कोई पछतावा नहीं

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी एशा देओल ने भी अपने माता-पिता और भाई सनी देओल, बॉबी देओल की तरह एक्टिंग में अपना करियर बनाया। हालांकि, उन्हें इंडस्ट्री में वो मुकाम हासिल नहीं हो पाया, जो वह चाहती थीं। एक्ट्रेस की शुरुआत में ही कुछ फिल्में अच्छी चलीं थीं।

फिर जैसे मानो उनके करियर पर फुल स्टॉप सा लग गया हो और इसके बाद एशा ने भी भरत तख्तानी से शादी की और अपने करियर से दूरी बना ली। इसके बाद एशा ने दो शॉर्ट फिल्में साइन की थी। ऐसे में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने काम को लेकर बात की है। चलिए जानते हैं एक्ट्रेस ने इस बारे में क्या कहा है। एक्ट्रेस ने 'कोई मेरे दिल से पूछे' से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा था। इसके बाद वह एलओसीः कारगिल, युवा, धूम, काल और नो एंट्री समेत कई मूवीज में दिखाई दीं। एक्ट्रेस से जब उनके काम और ब्रेक को लेकर बात की गई, तो उन्होंने अपने पुराने दिनों को याद किया। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में एशा देओल ने कहा कि वे मेरे शानदार साल थे जो खुशी, मासूमियत और हर उस चीज से भरे थे, जो एक 20 की उम्र में लड़की अनुभव कर सकती है। मुझे किसी बात का पछतावा नहीं है, मैं उस समय जो कुछ भी करती थी, उससे खुश हूं।

जब एक्ट्रेस से सवाल किया गया कि क्या उन्हें ऐसा लगता है कि प्यार उनकी लाइफ में बहुत तेजी से आया। इसके जवाब में एशा ने कहा कि नहीं, मैं हमेशा अपने काम को लेकर जुनूनी रही। मैंने काम के हिसाब से जो भी किया, उसमें अपना 100 प्रतिशत दिया। फिर प्यार हो गया। उसे लेकर अब मुझे कोई भी मलाल नहीं कि मैंने ऐसा क्यों किया।

इंडिया से लेकर US-UK तक 'कल्कि 2898 AD' ने सब जगह किया टॉप

जनता के प्यार का कमाल 'कल्कि 2898 AD' की कमाई पर साफ नजर आ रहा है और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपने पहले हफ्ते में जमकर रिकॉर्ड बनाए हैं. फिल्म ने प्रभास के पैन इंडिया ही नहीं इंटरनेशनल स्टारडम का भी परचम बुलंद कर दिया है.

नई दिल्ली : पिछले हफ्ते रिलीज हुई 'कल्कि 2898 AD' ने थिएटर्स में अपना पहला हफ्ता शानदार तरीके से काट लिया है. प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन जैसे बड़े इंडियन स्टार्स को साथ लेकर आई इस फिल्म ने जनता को खूब इम्प्रेस किया और पहले ही दिन से खूब तारीफ बटोरी. जनता के प्यार का कमाल 'कल्कि 2898 AD' की कमाई पर साफ नजर आ रहा है और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपने पहले हफ्ते में जमकर रिकॉर्ड बनाए हैं.

शुक्रवार की जगह गुरुवार को आई 'कल्कि 2898 AD' को बॉक्स ऑफिस रिजिस्टर के पहले हफ्ते में 7 की जगह 8 दिन का वक्त मिला और फिल्म ने प्रभास के पैन इंडिया ही नहीं इंटरनेशनल स्टारडम का भी परचम बुलंद कर दिया. आइए बताते हैं एक हफ्ते में 'कल्कि 2898 AD' की कमाई ने क्या-क्या रिकॉर्ड बना डाले हैं. पहले वीकेंड में शानदार कलेक्शन से 'कल्कि 2898 AD' ने 555 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया था. वैरायटी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रभास की फिल्म 8 दिन में 84 मिलियन डॉलर यानी 701 करोड़ रुपये से ज्यादा ग्रॉस कलेक्शन कर चुकी है. इस साल जहां ऋतिक रोशन की 'फाइटर' ने 358 करोड़ से ज्यादा वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन किया था, वहीं तेज सज्जा की 'हनुमान' 350 करोड़ के साथ इसके पीछे थी. लेकिन प्रभास की फिल्म इन दोनों से कहीं आगे निकल चुकी है और इस साल की सबसे कमाऊ इंडियन फिल्म है. सैकनिल्क के अनुसार, गुरुवार को कमाए 22.4 करोड़ रुपये के साथ 'कल्कि 2898 AD' का नेट इंडिया कलेक्शन 414.85 करोड़ रुपये हो चुका है. फिल्म के तेलुगू वर्जन ने 212 करोड़ कमाए हैं और हिंदी वर्जन की कमाई 162.5 करोड़ है. तमिल में 'कल्कि 2898 AD' ने 23 करोड़, मलयालम में 14 करोड़ और कन्नड़ में 2.8 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है. हिंदी फिल्मों में ऋतिक रोशन की 'फाइटर' ने इस साल कुल 213 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था. प्रभास की फिल्म सिर्फ 8 दिन में 162 करोड़ से ज्यादा कमाकर अब दूसरे नंबर पर है. अपने दूसरे हफ्ते में 'कल्कि 2898 AD' ऋतिक की फिल्म को आसानी से पीछे छोड़ देगी. ट्रेड एनालिस्ट रमेश बाला के अनुसार US/कनाडा यानी नॉर्थ अमेरिका के बॉक्स ऑफिस पर 'कल्कि 2898 AD', सबसे तेज 14 मिलियन डॉलर ग्रॉस कलेक्शन करने वाली इंडियन फिल्म है. वहां पर ये 2024 की सबसे कमाऊ इंडियन फिल्म बन चुकी है. यूके में प्रभास की फिल्म 'फाइटर' के 1.04 पाउंड कलेक्शन को पार कर चुकी है और अब वहां भी साल की सबसे कमाऊ इंडियन फिल्म है. ऑस्ट्रेलिया में 2.17 मिलियन डॉलर और जर्मनी में 156 हजार डॉलर के साथ 'कल्कि 2898 AD' टॉप पर है.

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा हमेशा के लिए लंदन जा रहे

पिछले कुछ महीनों से इंटरनेट पर ऐसी अफ़वाहें चल रही हैं कि विराट कोहलीऔर अनुष्का शर्मा धीरे-धीरे यूनाइटेड किंगडम जा रहे हैं। कल इन अफ़वाहों में और तेज़ी तब आई जब कोहली मुंबई में विजय परेड के बाद अपने परिवार से मिलने के लिए तुरंत लंदन चले गए। तब से, कई सोशल मीडिया यूज़र इस बात पर नए सिरे से विचार करने लगे हैं कि क्या विराट कोहली और अनुष्का शर्मा क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद भारत छोड़कर यूके में बसने की योजना बना रहे हैं। यहाँ 4 कारण दिए गए हैं कि क्यों इंटरनेट पर ऐसा लगता है कि विराट कोहली और अनुष्का शर्मा लंदन जा रहे हैंः वे यूके में काफ़ी समय बिता रहे हैं पिछले कुछ महीनों में, विराट कोहली और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा को लंदन और उसके आस-पास कई बार फ़ोटोग्राफ़ किया गया है। दिसंबर 2023 में, कोहली ने अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए क्रिकेट से कुछ समय का ब्रेक लिया और यूके चले गए। उसके बाद उनकी और अनुष्का की लंदन के एक रेस्तराँ में फ़ोटोग्राफ़ी की गई। इस साल फ़रवरी में, कोहली को फिर से अपनी बेटी वामिका के साथ लंदन में घूमते हुए देखा गया। कोहली और अनुष्का द्वारा अपने बेटे अकाय के जन्म की घोषणा के कुछ दिनों बाद लंदन के एक रेस्तराँ में पिता-पुत्री की जोड़ी की एक तस्वीर वायरल हुई। अनुष्का शर्मा को आखिरी बार जून की शुरुआत में मुंबई में देखा गया था, जब उन्हें और कोहली को टी20 विश्व कप के लिए न्यूयॉर्क जाते समय हवाई अड्डे पर देखा गया था। क्या अकाय का जन्म लंदन में हुआ? विराट और अनुष्का ने 20 फरवरी को अपने बेटे के जन्म की घोषणा की - उसके जन्म के पाँच दिन बाद।

श्वेता तिवारी ने अवास्तविक टीवी शो पर कटाक्ष किया

मुंबई. श्वेता तिवारी टेलीविजन पर सबसे प्रसिद्ध चेहरों में से एक हैं, जिन्होंने लोकप्रिय टीवी शो कसौटी जिंदगी की में मुख्य भूमिका निभाई है। हाल ही में अभिनेत्री ने बॉलीवुड हंगामा से टीवी शो के अवास्तविक मानकों के बारे में बात की, जहाँ कुछ भी हो सकता है, जैसे कि लोग पतंग से गिर सकते हैं, साँप के काटने से बच सकते हैं और इसी तरह की अन्य घटनाएँ। श्वेता ने क्या कहा बातचीत के दौरान, श्वेता ने कहा, 'उस समय की सामग्री बेहतर थी। आजकल, ऐसा लगता है कि कुछ भी हो सकता है। आपके पास ऐसे दृश्य हैं जिनमें लोग तिजोरियों में बंद हो जाते हैं, और यह वास्तविक नहीं लगता। यहाँ तक कि उस समय भी, हमारे पास बड़ी रकम वाली कहानियाँ होती थीं, जैसे कि पात्र करोड़ों रुपये के बारे में बात करते हैं। हालाँकि यह पूरी तरह से Realistic नहीं था, फिर भी दर्शक अमीर व्यक्तियों के अस्तित्व के विचार से जुड़ सकते थे। हमारे पास ऐसे पात्र हैं जो बिना किसी परिणाम के साँप के काटने से बच जाते हैं, या लोग पतंग से लटके हुए हैं! मैंने एक दृश्य भी देखा जिसमें एक लड़की घूमती है और एक पर्दे पर गिर जाती है, लेकिन वह किसी तरह उसके गले में लिपट जाता है।' 'मैंने जो शो किए, उनमें कभी भी ये unreal दृश्य नहीं थे' श्वेता ने आगे कहा कि वह निश्चित रूप से ऐसे दृश्य करने से मना कर देंगी, और कहा, 'मैं बस पूछती हूँ, 'यहाँ क्या हो रहा है? मैं यह नहीं कर सकती।' मैंने जो शो किए, उनमें कभी भी ये अवास्तविक दृश्य नहीं थे। आज मैं जो पोशाकें, पटकथाएँ और संवाद देखती हूँ - मैंने वह सब 20 साल पहले किया था! यहाँ तक कि लोगों के हॉट प्रेस भी बदल दिए गए हैं।' श्वेता ने कसौटी जिंदगी की में प्रेरणा का किरदार निभाया था। उन्होंने बिग बॉस 4 में भाग लिया और विजेता बनकर उभरीं, इस सीरीज़ की पहली महिला विजेता बनीं। उन्होंने नच बलिए, झलक दिखला जा और फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी जैसे रियलिटी शो में भी भाग लिया। श्वेता हाल ही में इंडियन पुलिस फ़ोर्स में नज़र आईं, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा, विवेक ओबेरॉय और शिल्पा शेट्टी ने अभिनय किया था। पुलिस एक्शन ड्रामा निर्देशक की डिजिटल निर्देशन की पहली फ़िल्म है।

बिम्बिसार में नंदामुरी कल्याण राम होंगे शामिल

2022 की हिट फिल्म बिम्बिसार के प्रीक्वल की घोषणा शुक्रवार को की गई। जहां प्रशंसक नंदमुरी कल्याण राम को फिल्म में मुख्य भूमिका में देखकर रोमांचित थे, जो आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं, वहीं वे निर्देशक में बदलाव को लेकर असमंजस में थे बिम्बिसार को प्रीक्वल मिला जबकि बिम्बिसार की टीम शुरू से ही स्पष्ट थी कि एक और फिल्म बनेगी, लेकिन यह आश्चर्यजनक खुलासा था कि यह एक प्रीक्वल होगी।

घोषणा पोस्टर में लाल झंडे के साथ एक हाथी को सेना का नेतृत्व करते हुए युद्ध के लिए जाते हुए दिखाया गया था। फिल्म के निर्माता, एनटीआर आर्ट्स ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर घोषणा की, 'बिम्बिसार से कई युग पहले त्रिगर्थला पर शासन करने वाले एक किंवदंती के गुणों को देखने के लिए तैयार हो जाइए। #NKR22 - ब्लॉकबस्टर #बिम्बिसार का प्रीक्वल। जन्मदिन की शुभकामनाएं, @NANDAMURIKALYAN। जल्द ही रोमांचक अपडेट! @AnilPaduri @NTRArtsOfficial।" प्रशंसक भ्रमित बिम्बिसार का निर्देशन मल्लीदी वशिष्ठ ने किया था, जो वर्तमान में चिरंजीवी अभिनीत विश्वम्भर का निर्देशन कर रहे हैं। प्रीक्वल का निर्देशन अनिल पादुरी करेंगे, जो 2021 में आकाश पुरी, केतिका शर्मा अभिनीत रोमांटिक के लिए जाने जाते हैं। यह देखते हुए कि किसी को भी निर्देशक में बदलाव की उम्मीद नहीं थी, एक प्रशंसक ने टिप्पणी की, 'मकु @दिरवशिष्ठ ई डायरेक्टर आ कवाली (हमें निर्देशक वशिष्ठ चाहिए)।' एक अन्य ने लिखा, ' अन्ना हम वशिष्ठ गरु के निर्देशन में बिम्बिसार की उम्मीद कर रहे हैं, न कि एंथोर वन।' कुछ अन्य लोगों ने टिप्पणी करते हुए सवाल किया कि निर्देशक को क्यों बदला गया। एक प्रशंसक ने लिखा, 'वेरे डायरेक्टर न्डुक ब्रो। (नया निर्देशक क्यों?)' बिम्बिसार के बारे में बिम्बिसार एक दुष्ट सम्राट की कहानी बताता है जो एक दर्पण में फंस जाता है और आधुनिक दुनिया में पहुँच जाता है। वह अपनी दुनिया में लौटने के लिए नए मानदंडों को समायोजित करते हुए दर्पण की तलाश करता है। कल्याण के मुख्य किरदार की खूब तारीफ हुई और प्रीक्वल में कहानी को और गहराई से पेश किए जाने की उम्मीद है। यह देखना बाकी है कि निर्माताओं ने प्रीक्वल के लिए क्या योजना बनाई है। मूल फिल्म की तरह ही, एनटीआर आर्ट्स इस फिल्म का निर्माण करेगा। कल्याण प्रदीप चिलुकुरी की अगली फिल्म में सई मांजरेकर और विजयशांति के साथ भी अभिनय करेंगे।

'पुष्पा 2' को धमाकेदार बनाने की तैयारी

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन अभिनीत बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पुष्पा 2' का निर्माण फिर से शुरू हो गया है। फिल्म पुष्पा 2 24 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन इसकी रिलीज टाल दी गई। इसी बीच पुष्पा 2 के डायरेक्टर सुकुमार ने इस फिल्म के खास Specialसीन्स की शूटिंग शुरू कर दी है. "पुष्पा 2" का दो महीने का शूटिंग शेड्यूल शुरू हो गया है। सुकुमार पुष्पा 2 द रूल्स को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह फिल्म फिलहाल 60 दिनों तक चल रही है और 31 अगस्त को समाप्त होगी। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म के धमाकेदार एक्शन सीक्वेंस पिछले दो महीने में शूट किए गए हैं। ऐसी फिल्मों के लिए पूरी टीम दिन-रात मेहनत Hard work करती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुष्पा 2 की पूरी टीम पिछले दो महीने से दबाव में है और उनमें गुस्सा है। वहीं कहा जा रहा है कि निर्देशक सुकुमार फिल्म के सेट पर कोई समझौता नहीं करेंगे.

विविध

बेली फैट कम करने के लिए डाइट में शामिल कर लें ड्रिंक

आजकल के दौर में बहुत सारे लोग बेली फैट की समस्या से परेशान हैं. जंक फूड और तले-भुने खाने की वजह से पेट पर चर्बी बढ़ने की दिक्कत हो जाती है. बेली फैट कम करने के लिए खानपान में संतुलन बनाना बेहद जरूरी है.

नई दिल्ली : आजकल के दौर में बेली फैट यानी पेट पर चर्बी बढ़ना बहुत आम समस्या हो गई है. बहुत सारे लोग बेली फैट की समस्या से परेशान हैं. जंक फूड और तले-भुने खाने की वजह से पेट पर चर्बी बढ़ने की दिक्कत हो जाती है. बेली फैट कम करने के लिए खानपान में संतुलन बनाना बेहद जरूरी है. इसके अलावा एक्सरसाइज और डाइट में कुछ खास चीजों को शामिल कर भी बेली फैट घटाया जा सकता है. यहां हम आपको कुछ ऐसी चीजों के बारे में बताएंगे जो आपका बेली फैट घटाने में मदद कर सकती हैं. आपको बस एक महीने तक इनमें कोई एक ड्रिंक को नियमित तौर पर फॉलो करना है. इसके अलावा आप बदल-बदलकर भी इसका सेवन कर सकते हैं.

अजवाइन का पानी

अजवायन विटामिन और मिनरल्स समेत ऐसे पोषक तत्वों से भरपूर होती है जो शरीर की चर्बी को कम करने में मदद करते हैं. ऐसे में रोजाना सुबह और शाम अजवाइन का पानी आपके लिए काफी असरदार हो सकता है. इसके लिए आप एक चम्मच अजवाइन के दाने को दो कप पानी में डालकर उबाल लें. इस पानी को तब तक उबालें जब तक यह घटकर आधा न रह जाए.अब इस पानी को सुबह खाली पेट एक महीने तक पिएं. आप पाएंगे कि धीरे-धीरे आपका बेली फैट कम हो रहा है.

मेथी दाना का पानी

फाइबर से भरपूर मेथीदाना बेली फैट को कम करने में आपकी बहुत मदद कर सकता है. मेथीदाना वजन कम करने में आपकी काफी मदद कर सकता है. इसे एक चम्मच मेथी दाना को रात-भर के लिए पानी में भिगोकर रख दें और अगली सुबह इस पानी को खाली पेट पी लें. आप रोजाना इस पानी का सेवन कर सकते हैं.

नींबू का रस

मोटे और बाहर निकल रहे पेट को अंदर करने के लिए नींबू के रस का सेवन भी बढ़िया होता है. नींबू का रस मेटाबॉलिज्म को बेहतर करता है जिससे शरीर फैट पिघलाता है और पेट की चर्बी पर तेजी से असर दिखाता है. रोजाना सुबह खाली पेट हल्के गर्म पानी में नींबू का रस मिलाकर आधा चम्मच शहद डालें और फिर इसका सेवन करें.

ड्राई फ्रूट्स को सूखा नहीं... रात भर भिगोकर खाना है ज्यादा फायदेमंद

हेल्थ एक्सपर्ट्स अक्सर ड्राई फ्रूट्स को डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। आप भी जानते होंगे कि ड्राई फ्रूट्स का सेवन करना आपकी सेहत के लिए किसी वरदान से कम साबित नहीं होगा। लेकिन क्या आपको पता है कि कुछ ड्राई फ्रूट्स को रात में भिगोकर खाना आपकी सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

कैसे करना चाहिए सेवन?

आपको रात में सोने से पहले एक कंटेनर में थोड़ा पानी भरना है और फिर इस पानी में ड्राई फ्रूट्स को डाल देना है। रात भर ड्राई फ्रूट्स को पानी में भीगने के लिए छोड़ दें। अब अगली सुबह खाली पेट इन ड्राई फ्रूट्स को कंज्यूम कर लीजिए।

बादाम- अगर आप बादाम खाने से सेहत को मिलने वाले फायदों को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको भीगे हुए बादाम का सेवन करना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि रात भर भिगोकर रखे गए बादामों को अगली सुबह खाली पेट खा लेने से आपकी गट हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव किया जा सकता है।

चिया सीड्स- चिया सीड्स में फाइबर और ओमेगा-3 की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। आपको लगभग एक स्पून चिया सीड्स को रात में पानी में भिगाकर रखना है। आप अगले दिन अपने दिन की शुरुआत भीगी हुई चिया सीड्स से कर सकते हैं।

किशमिश- किशमिश को भी रात में भिगोकर रख दें और फिर अगली सुबह खाली पेट भीगी हुई किशमिश खा लीजिए। इस तरह से किशमिश खाने से आपको पेट से जुड़ी समस्याओं से काफी हद तक छुटकारा मिल सकता है।

चने- अगर आप चाहें तो भीगे हुए चने को भी अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। चने खाने से आपको प्रोटीन की अच्छी खासी मात्रा मिलेगी और आप पूरे दिन एनर्जेटिक फील करेंगे।

आपको भी होते हैं बार-बार कील-मुंहासे तो अपनाएं ये तरीका

1-खूब पानी पिएं.

सबसे पहले तो यह जान लें कि अगर आप अपने शरीर को अच्छे से डिटॉक्स करेंगे तो आपको अंदर से स्किन प्रॉबलम्स ना के बराबर होंगी. पानी शरीर में मौजूद विषाक्त तत्वों को बाहर निकालता है जिससे आपके शरीर के साथ ही स्किन भी हेल्दी होती है. चेहरे के कील मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए रोजाना 8-10 गिलास पानी पीने की आदत जरूर बनाएं.

2-सब्जियां खाएं

हरी पत्तेदार सब्जियों में विटामिन, मिनरल और फाइबर होता है जो शरीर को अंदर से पोषण देता है. इससे आपकी स्किन भी जवान और साफ रहती है इसलिए अपनी डेली की डाइट में पालक, मेथी, केल, ब्रोकली, खीरा, शकरकंद, गाजर और शिमला मिर्च जैसी सब्जियां शामिल करें.

3-मौसमी फल खाएं

मौसमी फलों का नियमित सेवन करें. ये आपके शरीर के लिए काफी फायदेमंद भी है. हर मौसम में फलों का सेवन आपके शरीर के साथ ही स्किन के लिए भी जरूरी होता है. यह आपको अंदर से सुंदर बनाता है.

4. ग्रीन टी पिएं.

रोजाना ग्रीन टी और हर्बल टी पीने से भी पिंपल्स से राहत मिलती है क्योंकि इसमें ऐसी प्रॉपर्टीज पाई जाती हैं जो एक्ने को कंट्रोल करने में काफी असरदार होती हैं. 2017 की रिसर्च के अनुसार, ग्रीन टी में पॉलीफेनॉल्स कंपाउंड मौजूद होता है जो सीबाशियस ग्लैंड्स यानी चर्बी वाली ग्रंथियों को अतिरिक्त सीबम या तेल का उत्पादन करने से रोकने में मदद कर त्वचा के स्वास्थ्य को बेहतर बना सकता है. बहुत अधिक सीबम मृत त्वचा कोशिकाओं को एक साथ चिपकाने में योगदान देता है और रोम छिद्रों को बंद करता है जिससे मुंहासे होते हैं.

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है नाशपाती

मानसून में विटामिन सी से भरपूर फल सब्जियां खाने की सलाह दी जाती है। इस मौसम में बीमारियों का खतरा सबसे ज्यादा बढ़ता है। इसलिए डाइट का खास ख्याल रखें। बारिश में सेहतमंद रहने के लिए आपको सीजनल फल जरूर खाने चाहिए। इस मौसम में नाशपाती का सीजन होता है। विटामिन सी से भरपूर नाशपाती ऐसा फल है जो डायबिटीज और हार्ट के रोगियों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। सावन में बीमारियों के खतरे से शरीर को बचाने में नाशपाती मदद करता है। इसमें विटामिन सी के अलावा पोटैशियम, फोलेट, कॉपर और मैगनीज पाया जाता है। जानिए नाशपाती खाने से क्या फायदे मिलते हैं?

नाशपाती खाने के फायदे

डायबिटीज को करे कंट्रोल- नाशपाती को डायबिटीज के रोगियों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। नाशपाती में एंथोसायनिन पाया जाता है जो एंटीऑक्सीडेंट का काम करता है और डायबिटीज के खतरे को भी कम करता है। नाशपाती का ग्लाइसेमिक इंडेक्स लो होने के कारण शुगर के मरीज इसे खा सकते हैं। इससे ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

हार्ट के लिए फायदेमंद- नाशपाती में जो पोषक तत्व पाए जाते हैं वो हार्ट को हेल्दी बनाने में मदद करते हैं। नाशपाती में प्रोसायनिडिन होता है, जो एक एंटीऑक्सीडेंट का काम करता है। इससे हार्ट की समस्याएं कम होती हैं और खराब कोलेस्ट्रॉल भी कम होता है। छिलके समेत खाए जाने वाले नाशपाती के छिलके में क्वेरसेटिन होता है जिससे बीपी कंट्रोल रहता है।

सूजन घटाए- नाशपाती में विटामिन सी और विटामिन के होता है जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं। अगर किसी चोट के कारण शरीर में सूजन की समस्या है तो इससे फायदा मिलेगा। ऐसे लोगों को खाने में नाशपाती जरूर शामिल करनी चाहिए। नाशपाती में फ्लेवोनोइड्स एंटीऑक्सीडेंट होते हैं।

पाचन को बनाए मजबूत- नाशपाती में भरपूर फाइबर होता है जिससे पेट और पाचन संबंधी समस्याएं दूर होती हैं। अगर आपको कब्ज की समस्या रहती है तो नाशपाती जरूर खाएं। नाशपाती में घुलनशील फाइबर होता है जो आपकी आंतों के लिए फायदेमंद है। पाचन की समस्या दूर कर गट हेल्थ में सुधार ला सकता है।

वजन घटाने में मदद करे- नाशपाती को आप वेट लॉस डाइट में भी शामिल कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है। जिससे आपको भूख कम लगती है। कैलोरी में भी नाशपाती काफी कम होता है। इसे भरपेट खाने के बाद भी मोटापा कम किया जा सकता है।

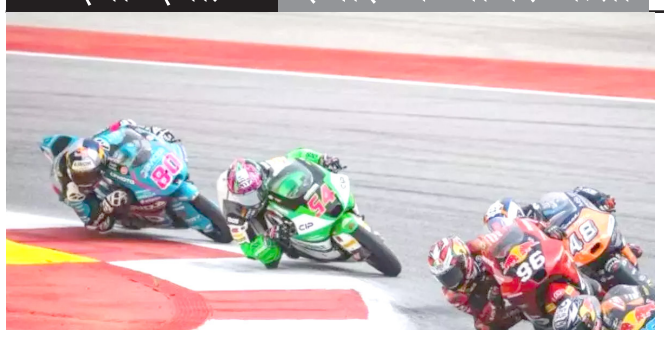

यूपी 3 साल तक मोटोजीपी करेगा रेस की मेजबानी

इस समझौते के तहत 2025 में आने वाले सत्र से हर साल भारत में एक रेस की गारंटी दी गई है। यह रेस ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित की जाएगीभारत में मोटरस्पोर्ट को बहुत जरूरी प्रोत्साहन देने वाले इस कदम में, उत्तर प्रदेश सरकार ने MotoGP के वाणिज्यिक अधिकार धारक डोर्ना स्पोर्ट्स के साथ भारत में MotoGP की वार्षिक मेजबानी की गारंटी के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए।इस समझौते के तहत 2025 में आने वाले सत्र से हर साल भारत में रेस की गारंटी दी गई है। यह रेस ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित की जाएगीसितंबर 2023 में पहली रेस- मोटोजीपी भारत- के बाद, 2024 की रेस को 'संचालन बाधाओं' के कारण रद्द कर दिया गया था। जबकि आधिकारिक कारण यह बताया गया था कि सितंबर के अंत में स्लॉट, रेसर और मार्शल सहित रसद के लिए मुश्किल था। हालांकि, एक कारण यह भी था कि सरकार और सह-प्रवर्तक फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स चुनाव आचार संहिता के कारण रेस के लिए आवश्यक धन की व्यवस्था करने में सक्षम नहीं थे, जिसके परिणामस्वरूप दूसरे वर्ष में रेस रद्द कर दी गई। मोटोजीपी भारत का दूसरा संस्करण रद्द होने से पहले 20 से 22 सितंबर तक आयोजित किया जाना था।Kazakhstanने इसी अवधि के दौरान रेस की मेजबानी करने में सहयोग किया। शुक्रवार को हस्ताक्षरित नए समझौते के तहत रेस भारत में ही आयोजित की जाएगी और राज्य की निवेश प्रोत्साहन एजेंसी इन्वेस्ट यूपी और डोर्ना स्पोर्ट्स के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। डोर्ना स्पोर्ट्स मोटोजीपी के लिए विशेष वाणिज्यिक अधिकार धारक है और इसने 19 देशों में 34 रेसों का आयोजन और प्रबंधन किया है, जो 3 बिलियन से अधिक दर्शकों तक पहुँचती हैं। यह भी पढ़ें - महाकुंभ 2025 से पहले प्रयागराज का रूप बदलने वाला है विज्ञापन उत्तर प्रदेश सरकार ने हस्ताक्षर से लेकर सफलतापूर्वक आयोजन तक पूरे आयोजन की देखरेख के लिए एक उच्च स्तरीय कार्यकारी समिति भी बनाई थी।

ओलंपिक खेलने जा रहे खिलाड़ियों से पीएम मोदी ने की बात

प्रधानमंत्री मोदी ने ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ियों से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद जताई है, पीएम मोदी के आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से खलिाड़यिों से मुलाकात का वीडियो शेयर किया गया.

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई महीने के अंतिम सप्ताह में आरंभ हो पेरिस ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ी के उत्कृष्ट प्रदर्शन की उम्मीद जताते हुए भारतीय दल को शुभकामनाएं दीं और देशवासियों से खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने का आग्रह किया. वहीं पीएम मोदी के एक्स अकाउंट से एक वीडियो भी शेयर किया गया. पीएम मोदी ने इस दौरान सभी खलिाड़यिों से उनके अनुभव जाने. इस दौरान कई खलिाड़ी ऑनलाइन भी जुड़े, इनमें नीरज चोपड़ा के अलावा पीवी सधिु, नकिहत जरीन जैसी धाकड़ प्लेयर्स भी रहीं. वहीं मनु भाकर से भी पीएम मोदी ने उनकी तैयारियों का अनुभव जाना. पीएम मोदी ने इस दौरान नीरज चोपड़ा से एक खास चीज की मांग की. पीएम मोदी ने कहा, 'तेरा चूरमा अभी तक आया नहीं. इस पर नीरज ने कहा, 'चूरमा लेकर आएंगे. पिछली बार चीनी वाला चूरमा था हरियाणा वाला... देसी घी और गुड़ का. इस पर मोदी ने कहा, मुझे तेरी मां के हाथ का चूरमा खाना है.' उन्होंने कहा, 'इसके बाद से ही हमारे खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक की तैयारियों में जी-जान से जुटे हुए हैं. सभी खिलाड़ियों को मिला दें तो इन सबने करीब 900 अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में हिस्सा लिया है. ये काफी बड़ी संख्या है.' पीएम मोदी ने खलिाड़यिों से मुलाकात का वीडियो शेयर किया. पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- पेरिस ओलंपिक के लिए रवाना होने वाले हमारे दल से बातचीत की. मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे एथलीट अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे और भारत को गौरवान्वित करेंगे. उनकी जर्नी और सफलता 140 करोड़ भारतीयों को उम्मीद देती है. पीएम ने मोदी ने कहा, 'अगले महीने इस समय तक पेरिस ओलंपिक शुरू हो चुके होंगे. मुझे विश्वास है कि आप सब भी ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने का इंतजार कर रहे होंगे. मैं भारतीय दल को ओलंपिक खेलों की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं.' टोक्यो ओलंपिक की यादें ताजा करते हुए उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने हर भारतीय का दिल जीत लिया था. पीएम मोदी ने यह भी कहा की निशानेबाजी में भारतीय खिलाड़ियों की प्रतिभा निखरकर सामने आ रही है, टेबल टेनिस में पुरुष और महिला दोनों टीम क्वालीफाई कर चुकी हैं और भारतीय शॉटगन टीम में शूटर बेटियां भी शामिल हैं. उन्होंने कहा कि इस बार कुश्ती और घुड़सवारी में भारतीय दल के खिलाड़ी उन श्रेणियों में भी स्पर्धा करेंगे, जिनमें पहले वे कभी शामिल नहीं रहे. कुछ महीने पहले संपन्न हुए विश्व पैरा एथलीट चैम्पियनशिप में भारत के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा, 'आप ये अनुमान लगा सकते हैं कि इस बार (पेरिस ओलंपिक में) हमें खेलों में अलग स्तर का रोमांच नजर आएगा. आपको ध्यान होगा.' उन्होंने कहा कि शतरंज और बैडमिंटन में भी भारतीय खिलाड़ियों ने अपना परचम लहराया है.

प्रग्गनानंद ने विश्व नंबर 1 शतरंज में पहली जीत की हासिल

चेन्नईः रमेशबाबू प्रग्गनानंद अब भारत और अंतरराष्ट्रीय शतरंज सर्किट में एक जाना-माना नाम बन चुके हैं। सुपरबेट क्लासिकल टूर्नामेंट के लिए वर्तमान में रोमानिया में मौजूद 18 वर्षीय खिलाड़ी का प्रदर्शन लगातार बढ़ रहा है। स्टावेंजर में नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट, जहां वह मैग्नस कार्लसन और हिकारू नाकामुरा से पीछे रहे, उनके शानदार करियर का एक और अध्याय था। नॉर्वे में, प्रग्गनानंदा की विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन पर शास्त्रीय शतरंज में पहली जीत ने सभी का ध्यान खींचा। दिलचस्प बात यह है कि समापन समारोह के दौरान, कार्लसन ने बताया कि प्रग्गनानंदा से उनकी हार, वास्तव में, उनके लिए टूर्नामेंट का सबसे यादगार मैच था। विश्व चैंपियन के साथ अपने संबंधों पर बोलते हुए, प्रग्गनानंदा ने कहा कि उनके बीच कोई प्रतिद्वंद्विता नहीं है क्योंकि वे एक-दूसरे में सर्वश्रेष्ठ को सामने लाते हैं। 'जब भी हम खेलते हैं, तो मैच दिलचस्प हो जाते हैं क्योंकि हम दोनों उस स्थिति का आनंद लेते हैं, इसलिए हमें इससे कोई आपत्ति नहीं है। वास्तव में, मुझे लगता है कि यही कारण है कि हमारे मैच इतने दिलचस्प होते हैं,' उन्होंने कहा। चेन्नई में जन्मे इस खिलाड़ी ने कार्लसन की तारीफ करते हुए कहा, 'मैग्नस ने समापन समारोह के दौरान कहा कि मेरे खिलाफ उनका खेल यादगार था क्योंकि उसके बाद वह एक अलग खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने क्लासिकल में लगातार तीन गेम जीते, जो इस टूर्नामेंट और इस प्रारूप में बहुत मुश्किल और बहुत महत्वपूर्ण है; इसलिए कुल मिलाकर उन्होंने उस गेम को छोड़कर काफी अच्छा खेला।'

नोवाक जोकोविच ने पुरुष एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया

लंदन। कई बार के विजेता नोवाक जोकोविच गुरुवार को विंबलडन में अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं थे, लेकिन ब्रिटिश वाइल्डकार्ड जैकब फर्नले के खिलाफ़ एक कठिन मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद उन्होंने पुरुष एकल के तीसरे दौर में पहुँचने का रास्ता खोज लिया।सर्बियाई 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता ने तीन घंटे तक चले कठिन खेल में फर्नले के फ्री-हिटिंग प्रदर्शन को पार करते हुए 6-3, 6-4, 5-7, 7-5 से जीत हासिल की।जबकि जोकोविच ने चार सेट खेले, 14वें वरीय बेन शेल्टन ने विंबलडन में लगातार दूसरे मैच में पाँच सेट जीते, उन्होंने पिछले क्वालीफायर लॉयड हैरिस को तीन घंटे, 14 मिनट के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 7-6(5), 6-7(5), 6-3, 7-6(10-7) से हराया। सेंटर कोर्ट पर खचाखच भरे दर्शकों के सामने - जो ब्रिट फर्नले के लिए जोरदार जयकारे लगा रहे थे - जोकोविच सीधे सेटों में जीत की ओर बढ़ रहे थे, जब उन्होंने तीसरे सेट के बीच में 22 वर्षीय खिलाड़ी की सर्विस तोड़ दी। हालांकि, फर्नले ने वापसी करते हुए सेट जीत लिया और दूसरे वरीय खिलाड़ी को पछाड़कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। दबाव बढ़ने के साथ, जोकोविच ने चौथे सेट में जवाब दिया, अपनी तीव्रता बढ़ाई और 11वें गेम में महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल करके जोड़ी की पहली लेक्सस एटीपी हेड2हेड मीटिंग में जीत हासिल की। 37 वर्षीय खिलाड़ी जून में घुटने की सर्जरी करवाने के बाद पिछले सप्ताह लंदन पहुंचे। विंबलडन में अपने शुरुआती दो मैचों में जोकोविच ने असहजता का कोई संकेत नहीं दिखाया, जहां उन्होंने पहले दौर में चेक विट कोप्रिवा को केवल पांच गेम गंवाकर हराया। जोकोविच ने मेजर टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड के खिलाफ खेले गए 16 मैचों में से 15 में जीत हासिल की है, उनका घरेलू स्लैम में खिलाड़ियों के खिलाफ 32-1 का रिकॉर्ड है, जिसमें उनकी एकमात्र हार 2013 में विंबलडन फाइनल में स्कॉट एंडी मरे के खिलाफ आई थी। 24 बार के मेजर चैंपियन अपने आठवें विंबलडन खिताब की तलाश में हैं और अब उनका सामना अर्जेंटीना के टॉमस मार्टिन एचेवेरी या ऑस्ट्रेलियाई एलेक्सी पोपिरिन से होगा। जोकोविच ने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन में पोपिरिन को हराया था।

दीक्षा डागर अरामको सीरीज लंदन में संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंची, त्वेसा कट में पहुंची

दिल्ली। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने दूसरे दिन का सर्वश्रेष्ठ राउंड, बोगी-मुक्त 5-अंडर 68 का प्रभावशाली स्कोर बनाया, जिससे वह अरामको सीरीज लंदन में 45 पायदान ऊपर चौथे स्थान पर पहुंच गई।एक अन्य भारतीय त्वेसा मलिक (73-77) 4-ओवर और टी-41वें स्थान पर रहीं, जबकि शीर्ष 60 और टाई ने पार-73 सेंचुरियन गोल्फ क्लब में कट बनाया।प्रणवी उर्स, जिन्होंने पहले राउंड में निराशाजनक 80 का स्कोर किया था, चोट के कारण रिटायर हो गईं।दीक्षा, जो पहले राउंड के अंत में टी-49वें स्थान पर थीं, ने दूसरे राउंड में बड़ा सुधार किया और 36 होल में 8-अंडर का स्कोर बनाकर लीडरबोर्ड पर चढ़ गईं।दीक्षा, जिन्होंने दोपहर में 10वें टी से अपना दूसरा राउंड शुरू किया, ने 11वें और 16वें होल पर बैक नाइन पर दो बर्डी बनाईं।

उन्होंने पहले, सातवें और नौवें होल पर तीन और बर्डी लगाईं।कट बनाने वाली एक अन्य भारतीय टीवेसा थी, जो पिछले सप्ताह स्विस लेडीज ओपन में उपविजेता रही थी। वह पहले राउंड के बाद टी-24 पर थी, लेकिन बैक नाइन पर नाटकीय रूप से गिर गई। पहले राउंड के लिए बराबर, उसने पूरे फ्रंट नाइन को बराबर किया, लेकिन 10वें और 11वें पर शॉट गिरा दिए। फिर एक रोलर-कोस्टर आया, क्योंकि उसने पार-3 14वें पर बर्डी की, लेकिन पार-5 15वें पर एक डबल बोगी गिरा दी।फिर उसने पार-4 17वें पर बर्डी की और पार-5 18वें पर एक दूसरा डबल बोगी गिरा दिया, जिससे उसका स्कोर 4-ओवर 77 रहा और वह टी-41वें स्थान पर रही।दो लेडीज यूरोपियन टूर खिताब जीतने वाली और पिछले साल हीरो महिला इंडियन ओपन में तीसरे स्थान पर रही दीक्षा, लीडर, आयरलैंड की लियोना मैगुएर से पांच शॉट पीछे है। मैगुएर ने 8-अंडर के लिए 66-72 शॉट लगाए और इंग्लैंड की जॉर्जिया हॉल (70-70) 6-अंडर के साथ दूसरे स्थान पर रही। ऑस्ट्रियाई सारा शॉबर (67-75) अकेले तीसरे स्थान पर रहीं, जबकि दीक्षा ने वेल्श गोल्फर क्लो विलियम्स (69-74), मोरक्को की इनेस लकलेच (72-71) और जर्मनी की लौरा फुएनफस्टुक (70-73) के साथ 3-अंडर पर चौथा स्थान साझा किया। टीम प्रतियोगिता में, फ्रांस की नास्तासिया नादौद, चेकिया की क्रिस्टीना नेपोलियोवा, स्पेन की मिरिया प्रैट और शौकिया जॉर्ज ब्रूक्सबैंक के साथ टीम नादौद ने 24-अंडर तक पहुंचने के लिए शुरुआती गति निर्धारित की।उनके साथ टीम हॉल भी शामिल थी, जिसमें जॉर्जिया हॉल, हन्ना बर्क के साथ मोरक्को की लीना बेलमती और शौकिया शेन हार्ट-जोन्स थे।दोनों टीमों के 24-अंडर-पार पर बराबर होने के साथ, वे शनिवार दोपहर तीसरे दौर के अंत में सेंचुरियन क्लब में जीत के लिए प्ले-ऑफ में भाग लेंगे।व्यक्तिगत प्रतियोगिता में, मैगुएर ने 72 (-1) का राउंड कार्ड करके आठ अंडर-पार पर पहुंचने के बाद अंतिम राउंड में दो शॉट की बढ़त हासिल कर ली है।व्यक्तिगत प्रतियोगिता के अंतिम दिन 69 खिलाड़ियों के पहुंचने के साथ कट +6 पर आ गया।

व्यापार

गणेश ग्रीन इंडिया का आईपीओ बोली के पहले दिन रही सफल

गणेश ग्रीन भारत आईपीओः गणेश ग्रीन भारत लिमिटेड की आरंभिक सार्वजनिक पेशकश शुक्रवार, 5 जुलाई को शुरू हुई और मंगलवार, 9 जुलाई को बंद होगी। गणेश ग्रीन भारत आईपीओ में 600 शेयरों का लॉट साइज है। गणेश ग्रीन भारत आईपीओ का मूल्य बैंड 181 से 190 प्रति इक्विटी शेयर की सीमा में तय किया गया है, जिसका अंकित मूल्य 10 है। शुद्ध निर्गम का 35% खुदरा निवेशकों को, 15% गैर-संस्थागत निवेशक (NII) क्षेत्र को और शुद्ध निर्गम का 50% QIB को आवंटित किया जाता है। आवेदन के लिए न्यूनतम लॉट साइज 600 शेयरों के साथ, खुदरा निवेशकों को न्यूनतम 1.14 लाख जमा करने होंगे। उच्च निवल मूल्य वाले व्यक्तियों (HNI) को बोली प्रक्रिया में उच्चतम मूल्य सीमा पर न्यूनतम 2.28 लाख का निवेश करना आवश्यक है, जो दो लॉट या 1200 शेयरों के बराबर है। यह भी पढ़ें: गणेश ग्रीन भारत का आईपीओ 5 जुलाई को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा; कीमत बैंड 181-190 प्रति यूनिट तय किया गया गणेश ग्रीन भारत लिमिटेड सोलर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल, सोलर सिस्टम और संबंधित सेवाओं, इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्टिंग और जल आपूर्ति योजना परियोजनाओं के उत्पादन में शामिल है। सोलर पीवी सुविधा की कुल स्थापित क्षमता 236.73 मेगावाट है, जिसमें अतिरिक्त 163.27 मेगावाट विकास की योजना है। 192.72 मेगावाट की स्थापित क्षमता वाले सोलर फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल भी कंपनी की सहयोगी कंपनी सौरज एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित किए जाते हैं। सोलर पीवी मॉड्यूल के उत्पादन में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक में मोनोक्रिस्टलाइन, Polycrystalline पॉलीक्रिस्टलाइन और टॉपकॉन सोलर सेल शामिल हैं। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के अनुसार, कंपनी के सूचीबद्ध प्रतिस्पर्धियों में जोडिएक एनर्जी लिमिटेड (पी/ई 94.15), वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज (पी/ई 131.91) और सोलेक्स एनर्जी लिमिटेड (पीई 133.86) शामिल हैं।

एयरटेल का पलटवार : डेटा ब्रीच क आरोपों को किया खारिज, बताया कंपनी की प्रतिष्ठा को धूमिल करने की नाकाम कोशिश

एयरटेल इंडिया ने कथित डेटा ब्रीच में जून 2024 तक अपडेट किए गए 375 मिलियन ग्राहक विवरण शामिल होने के दावे को दृढ़ता से नकारा एयरटेल इंडिया ने डेटा उल्लंघन के दावों का दृढ़ता से खंडन किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि एयरटेल इंडिया के 375 मिलियन उपयोगकर्ताओं के डेटा को डार्क वेब पर बिक्री के लिए उपलब्ध कराया गया था। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर डार्क वेब इंफॉर्मर की पोस्ट के अनुसार, एक गैर-प्रमाणिक डेटा हैकर जिसका नाम जेनजेन है, कथित तौर पर एयरटेल इंडिया ग्राहकों से संबंधित डेटा बेच रहा है। ताज़ा जानकारी के अनुसार एक्स पर की गई यह पोस्ट डिलीट कर दी गई है। कथित डेटा ब्रीच में जून 2024 तक अपडेट किए गए 375 मिलियन ग्राहक विवरण शामिल हैं। जून 2024 में हुआ दावा किया गया ब्रीच में मोबाइल नंबर, नाम, जन्म तिथि, पिता का नाम, स्थानीय पता, स्थायी पता, वैकल्पिक नंबर, ईमेल आईडी, लिंग, राष्ट्रीयता, कनेक्शन प्रकार, सिम एक्टिवेशन तिथि, आधार, फोटो आईडी प्रमाण विवरण और पता प्रमाण विवरण जैसे डेटा फ़ील्ड शामिल हैं। यह डेटा, जो एयरटेल इंडिया के ग्राहकों से संबंधित है, एक्सएमआर में 50,000 अमरीकी डालर मूल्य में बेचा जा रहा है। डार्क वेब इंफॉर्मर ने एक कम्युनिटी जिसे ब्रीचफोरम्स कहा जाता है, वहां से स्क्रीनशॉट पोस्ट किए, जिसमें एक खाते ने नवीनतम एयरटेल इंडिया ग्राहक डेटाबेस की बिक्री के बारे में पोस्ट किया है। संयोग से यह वही विक्रेता है, जिसने हाल ही में भारतीय विदेश मंत्रालय के डेटा लीक में भी अपना हाथ होने का दावा किया था। एयरटेल इंडिया की प्रतिक्रिया ऐसी खबरें आई हैं कि एयरटेल ग्राहक डेटाबेस के साथ छेड़छाड़ की गई है। यह निहित स्वार्थों के चलते एयरटेल की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के एक निराशाजनक प्रयास है। हमने पूरी तरह से जांच कर ली है और पुष्टि कर सकते हैं कि एयरटेल सिस्टम से कोई डेटा लीक नहीं हुआ है।

जेएसडब्लू एनर्जी वित्त वर्ष में 15,000 करोड़ के पूंजीगत व्यय की बनाई योजना

JSW समूह की सहायक कंपनी JSW एनर्जी लिमिटेड ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष में 15,000 करोड़ के पूंजीगत व्यय की योजना की घोषणा की।अपनी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक सज्जन जिंदल ने कहा कि कंपनी बिजली क्षेत्र में अधिग्रहण की भी तलाश कर रही है।उन्होंने अपनी 'रणनीति 2.0' के तहत गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता और 40 गीगावाट घंटा बैटरी भंडारण क्षमता के अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कुल 1.15 ट्रिलियन निवेश करने की कंपनी की योजना दोहराई। उन्होंने कहा, 'हमारी योजना चालू वित्त वर्ष 2025 में लगभग 15,000 करोड़ खर्च करने की है। इसके अतिरिक्त, आपकी कंपनी बिजली क्षेत्र में अधिग्रहण के अवसरों की भी सक्रिय रूप से तलाश कर रही है।'जिंदल ने कहा कि JSW एनर्जी बिजली उत्पादन, बैटरी भंडारण और हरित हाइड्रोजन उत्पादन के लिए चल रही परियोजनाओं को चालू करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा, 'हाल ही में संपन्न क्यूआईपी के माध्यम से प्राप्त विकास पूंजी हमें रणनीतिक रूप से हमारे रिटर्न बढ़ाने वाली विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने की स्थिति में ले जाती है।'

एचडीएफसी बैंक ने कोर बैंकिंग सिस्टम को नए इंजीनियर्ड प्लेटफॉर्म पर माइग्रेट करने की योजना बनाई

मुंबईः भारत का अग्रणी निजी क्षेत्र का बैंक एचडीएफसी बैंक 13 जुलाई, 2024 को सिस्टम अपग्रेड करने जा रहा है। बैंक अपने कोर बैंकिंग सिस्टम (सीबीएस) को नए इंजीनियर्ड प्लेटफॉर्म पर माइग्रेट कर रहा है, जिसका उद्देश्य देश भर में 9.3 करोड़ व्यक्तियों और व्यवसायों के अपने बढ़ते ग्राहक आधार के लिए ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाना है। इस माइग्रेशन से बैंक को प्रदर्शन की गति में सुधार करने, उच्च ट्रैफ़िक वॉल्यूम को संभालने की अपनी क्षमता का विस्तार करने, विश्वसनीयता और मापनीयता को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। इस अपग्रेड के साथ एचडीएफसी बैंक अपने आकार और बैंकिंग

वॉल्यूम के हिसाब से देश में सबसे बड़े बैंकों में से एक होगा, जो अपने कोर बैंकिंग सिस्टम को नए-जीन प्लेटफॉर्म पर होस्ट करेगा।

शेड्यूल किए गए अपग्रेड विवरणः

प्रारंभः शनिवार, 13 जुलाई 2024 को सुबह 3.00 बजे

समाप्तिः शनिवार, 13 जुलाई 2024 को शाम 4.30 बजे

इस साढ़े 13 घंटे की अवधि के दौरान, ग्राहक निम्नलिखित सेवाओं का उपयोग कर सकेंगेः

नेट और मोबाइल बैंकिंग

यूपीआई- ग्राहक इस सेवा का उपयोग जारी रख सकते हैं। हालांकि यह शनिवार 13 जुलाई 2024 को सुबह 3:00 बजे से 3:45 बजे तक और सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक उपलब्ध नहीं रहेगी।

बिल भुगतान - नए बिलर्स को जोड़ा जा सकता है और मौजूदा बिलर्स को देखा जा सकता है। डीमैट, कार्ड और लोनः केवल सेवाएँ देखें।

म्यूचुअल फंड - रिडेम्पशन, स्विच, व्यू और इंक्वायरी सेवाएँ, वेल्थफाई रिपोर्ट, जोखिम प्रोफ़ाइल और व्यवस्थित अनुभाग प्रबंधित करें। ऊपर बताई गई कुछ सेवाओं को छोड़कर सभी नेटबैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग सेवाएँ सुबह 3:00 बजे से शाम 4.30 बजे तक उपलब्ध नहीं रहेंगी।

नकद निकासीः डेबिट और क्रेडिट कार्ड ग्राहक अपने एचडीएफसी बैंक डेबिट कार्ड (प्रतिबंधित राशि तक) या क्रेडिट कार्ड का उपयोग करके किसी भी एटीएम से नकदी निकालना जारी रख सकते हैं। विवरण के लिए, नीचे दिए गए FAQ लिंक देखें। प्रदर्शित खाता शेष शुक्रवार 12 जुलाई 2024 को शाम 7:30 बजे तक होगा

खरीदारी और भुगतानः डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और यूपीआई

स्टोर पर- ग्राहक स्वाइप मशीनों पर अपने एचडीएफसी बैंक डेबिट कार्ड (प्रतिबंधित राशि तक) या क्रेडिट कार्ड का उपयोग जारी रख सकते हैं।

ऑनलाइन - ग्राहक अपने एचडीएफसी बैंक डेबिट कार्ड (प्रतिबंधित राशि तक) और क्रेडिट कार्ड से सहज ऑनलाइन खरीदारी कर सकते हैं।

यूपीआई - ग्राहक सेवा का उपयोग जारी रख सकते हैं। हालाँकि यह शनिवार 13 जुलाई 2024 को सुबह 3:00 बजे से 3:45 बजे तक और सुबह 9:30 बजे से दोपहर 12:45 बजे तक उपलब्ध नहीं रहेगा

कृपया ध्यान दें कि प्रतिबंधित सीमा

एटीएमः नकद निकासी, इन-स्टोर लेनदेन, ऑनलाइन लेनदेन और संपर्क रहित लेनदेन के लिए एक संयुक्त सीमा होगी।

कार्ड प्रबंधन

ग्राहक कार्ड को हॉटलिस्ट करना, पिन रीसेट करना तथा कार्ड से संबंधित अन्य गतिविधियां जारी रख सकते हैं।

मर्चेंट भुगतान

मर्चेंट कार्ड के माध्यम से भुगतान प्राप्त करना जारी रख सकते हैं, लेकिन पिछले दिन के भुगतान के लिए खाते में अपडेट अपग्रेड पूरा होने के बाद उपलब्ध होंगे।

जंगल सफारी नया रायपुर में पीसीसीएफ वन्यप्राणी ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत किया पौधारोपण

रायपुर। नवा रायपुर स्थित जंगल सफारी में प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यप्राणी श्री सुधीर अग्रवाल ने एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत पौधा रोपण किया द्य माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम की शुरुआत की गयी थी द्य जंगल सफारी नया रायपुर में आज से पौधारोपण कार्यक्रम की सुरुवातकी गई है जिसमें कुल 6000 पौधे लगाये जा रहे है । कार्यक्रम में एपीसीसीएफ प्रेमकुमार, सीसीएफ वन्यप्राणी एवं क्षेत्र संचालक उदंती सीतानदी विश्वेश झा , संचालक जंगल सफारी श्री गणवीर धम्मशील ने भी पौधरोपण किया। जंगल सफारी के संचालक धम्मशील ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत जंगल सफारी में पर्यटक और नागरिक 20 जुलाई तक पौधा रोपण कर प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण में अपना योगदान दे सकते है । इस अवसर पर जंगल सफारी के सहायक संचालक और अन्य स्टॉफ भी उपस्थित थे।

जंगल में महिला से दरिंदों ने किया गैंगरेप

सरगुजा. जिले के उदयपुर थाना क्षेत्र में महिला के साथ जंगल में गैंगरेप का मामला सामने आया है. पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुटी है. इस घटना की पुष्टि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनमोलक सिंह ढिल्लो ने की है. मिली जानकारी के मुताबिक, अलकापुरी से लखनपुर जाने के दौरान आरोपियों ने अलकापुरी जंगल में महिला के साथ गैंगरेप की घटना की अंजाम दिया और फरार हो गए. पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही.

क्रेडा विभाग के कर्मचारियों का अनोखा प्रदर्शन, अनुबंध के विरोध में मुंडन करा कर जताया विरोध

रायपुर. छत्तीसगढ़ के क्रेडा विभाग के टेक्नीशियन कर्मचारी अनिश्चित कालीन हड़ताल पर हैं. हड़ताल के बीच कर्मचारियों ने आज शुक्रवार को मुंडन करा कर अनोखा प्रदर्शन किया. बता दें, क्रेडा के कुल 540 कर्मचारियों को संविदा अनुबंध के बजाय ठेकेदारी में बदल दिया गया है, जिसके विरोध में वे तूता नया रायपुर में प्रदर्शन कर रहे हैं. कर्मचारियों के संविदा अनुबंध को ठेकेदारी में बदलने से उन्हें कई सुविधाएं नहीं मिलेंगी. स्वयं अपने व्यय से दुर्घटना बीमा का कराना होगा, जिससे किसी भी दुर्घटना के मामले में विभाग की जिम्मेदारी खत्म हो जाएगी. अनुबंध के तहत, कर्मचारियों को किसी भी प्रकार के अन्य भत्तों जैसे नक्सल भत्ता, EPF, ESIC, और मेडिकल सुविधाओं की सुविधा नहीं मिलेगी.इसके अलावा, उन्हें यात्रा भत्ता और मानदेय भुगतान के संबंध में भी चिंता है. क्रेडा विभाग के इन कर्मचारियों ने अपने मुद्दों को लेकर प्रशासनिक स्तर पर चर्चा करने की मांग की है. वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए हड़ताल जारी रखेंगे जब तक कि उनकी मांगों पर समाधान नहीं हो जाता. बता दें, विभाग के अधिकारियों की मनमानी और बार-बार नियम कानून बदलने के चक्कर में 120 संविदा कर्मचारियों को 2014 से 2016 तक संविदा में कार्य पर रखा गया. इसके बाद फिर नियम में संशोधन करते हुए इनको फिर कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान करने के लिए मजबूर किया गया. बार-बार अधिकारी नियम कानून मनमाने ढंग से बदल रहे हैं.

ज्वेलरी दुकान से दिनदहाड़े उठाईगिरी

तखतपुर. ब्लॉक मुख्यालय में ज्वेलरी दुकान से दिनदहाड़े उठाईगिरी का मामला सामने आया है. ताबीज देखने के बहाने में दो युवकों ने वारदात को अंजाम दिया है. यह मामला तखतपुर के पुराना पोस्ट ऑफिस के पास नीलम ज्वेलर्स का है. पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है. पुलिस नाकाबंदी कर आरोपियों की तलाश में जुटी गई है. मिली जानकारी के मुताबिक, ज्वेलर्स दुकान के संचालक व्यस्त थे, जिसका फायदा उठाकर दो युवकों ने सोने-चांदी के आभूषण लेकर दुकान से फरार हो गए. इसकी सूचना सराफा कारोबारी जमुना प्रसाद कश्यप ने थाने में दी. तखतपुर पुलिस मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश में जुट गई है.

सेक्टर-10 गोली कांड में फरार आरोपी के मुख्य सहयोगी गिरफ्तार

आरोपियों के कब्जे से पिस्टल मैग्जीन, जिंदा कारतूस, और धारदार हथियार बरामद

भिलाई। ग्लोब चौंक के आगे सेक्टर 10 में 26 जून की दरमियानी रात्रि गोली चलाने वाले आरोपी फरार अमित जोश और उसके साथी सागर बाघ उर्फ डागी एवं मुकुल सुना की हर संभव पतासाजी कर गिरफ्तार किये जाने हेतु दुर्ग पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ला द्वारा निर्देश दिए गए थे। इन निर्देशों के तहत, सुखनंदन राठौर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर दुर्ग एवं सत्य प्रकाश तिवारी नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर के मार्गदर्शन में एसीसीयु और थाना भिलाई नगर की टीम आरोपियों की तलाश में लगी हुई थी। इस दौरान मुखबीर लगाए गए थे और लोकेशन ट्रैक की जा रही थी।

आरोपी सागर बाघ उर्फ डागी की गिरफ्तारी- फरार आरोपियों की पतासाजी के दौरान, जानकारी मिली कि आरोपी सागर बाघ उर्फ डागी नागपुर में है। इसके तुरंत बाद, टीम को नागपुर रवाना किया गया और आरोपी को घेराबंदी कर हिरासत में लिया गया। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त बजाज पल्सर मोटर साइकिल और एक धारदार चाकू बरामद किया गया है।

आरोपी मुकुल सुना की गिरफ्तारी- इसी प्रकार, घटना में संलिप्त फरार आरोपी मुकुल सुना की केलाबाड़ी, दुर्ग में होने की जानकारी प्राप्त हुई। टीम ने वहां भी घेराबंदी कर आरोपी को हिरासत में लिया।

आरोपी की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक पिस्टल का मैग्जीन, दो जिंदा कारतूस, और एक धारदार चाकू बरामद किया गया।

पिछली गिरफ्तारी- ग्लोब चौंक के आगे सेक्टर 10 में हुई घटना में अब तक पांच आरोपियों अंकुर शर्मा, यशवंत नायडू, अमित जोश के जीजा बी. लक्की जार्ज, मां बिज्जी मोरिस और शंकर भाटको गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। वहीं फरार आरोपी अमित जोश की लगातार पतासाजी जारी है। पुलिस द्वारा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयासों को और भी तीव्र किया गया है और जल्द ही अन्य फरार आरोपियों को भी हिरासत में लेने की संभावना है।

जलजीवन मिशन से करिहापहर के ग्रामीणों को पेयजल संकट से मिली राहत

ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति द्वारा जल संरक्षण का दिया जा रहा संदेश

कांकेर। जलजीवन मिशन योजना अंतर्गत दूरस्थ एवं दुर्गम क्षेत्रों में हर घर जल का सपना साकार हो रहा है। इस योजना से जिले के दूरस्थ अंचलों में भी घर-घर शुद्ध पेयजल पहुंचने से ग्रामीणों का पेयजल संकट भी दूर हो रहा है। महिलाओं को इस योजना से काफी राहत मिल रही है। पहले कई ग्रामीण महिलाओं को शुद्ध पेयजल के लिए कई किलोमीटर की दूरी भी तय करनी पड़ती थी, जिससे आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता था और शारीरिक परिश्रम भी अधिक लगता था। जल जीवन मिशन में ग्रामवासियों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है, जिसमें महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है।

जिला मुख्यालय कांकेर से लगभग 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित नरहरपुर विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत बिरनपुर के आश्रित ग्राम करियापहर भी ऐसा गांव है, जहां जलजीवन मिशन के तहत हर घर शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है। ग्राम करियापहर गांव में 149 परिवारों की कुल जनसंख्या 767 है, जिसमें महिलाओं की संख्या 369 एवं पुरूषों की संख्या 398 है। यह गांव के कुल भू-भाग का 3 प्रतिशत हिस्सा उबड़-खाबड़ तथा पथरीला होने के कारण यहां पानी सामान्य से कम मात्रा में पाया जाता है। साथ ही सभी मौसमों में पानी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं रहता है। यहां निस्तारी के लिए अन्य स्त्रोतों का उपयोग किया जाता है, जिनमें तालाब तथा कुएं शामिल हैं। यहां के पानी में उपलब्ध खनिजों में लोहे की अधिकता पाई गई। अलग-अलग मौसमों में यहां के लोगों को पानी से जुड़ी विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ता था। कई मोहल्लों में गर्मी के दिनों में हैण्डपम्प सूख जाने से पीने तथा निस्तारी के लिए अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता था। कई लोगों के घरों में शासन द्वारा शौचालय का निर्माण किया गया है, परन्तु पानी की कमी के कारण गांव वालों द्वारा शौचालयों का उपयोग नही किया जाता था। स्कूल तथा आंगनबाड़ी में भी पीने के पानी की समस्या हमेशा बनी रहती थी, लेकिन अब जलजीवन मिशन के तहत योजना के शत-प्रतिशत क्रियान्वयन से करियापहर के ग्रामवासियों को पानी की समस्याओं से छुटकारा मिला है।

जलजीवन मिशन के सदस्य सचिव और कार्यपालन अभियंता लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी श्री बी.एन. भोयर ने बताया कि इसके तहत सबसे पहले गांव में ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति का गठन किया गया एवं उन्हें नियमानुसार प्रशिक्षण प्रदान किया गया। गांव के लोगों को साफ एवं शुद्ध पेयजल से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी गई। गांव की पांच महिलाओं का चयन कर उन्हें जल गुणवत्ता परीक्षण सिखाया गया है।

मुख्यमंत्री के जनदर्शन में त्वरित निर्णय से बड़ी राहत

सालभर से वेतन के लिए काट रहे थे चक्कर, दूसरे दिन खाते में पहुंच गया पैसा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जनदर्शन में आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के जनदर्शन में धान संग्रहण केंद्रों में कार्यरत कर्मियों को पिछले एक साल से वेतन नहीं मिलने की शिकायत पहुंची। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर डॉ गौरव सिंह को निर्देशित किया और तत्काल कार्रवाई प्रारंभ की गई और दूसरे दिन सभी कर्मियों के बैंक खाते में उनका वेतन पहुंच गया। मुख्यमंत्री के इस त्वरित निर्णय से राहत मिलने पर कर्मियों में खुशी है और उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। रायपुर जिले के 6 धान संग्रहण केंद्रों में कार्यरत 28 कर्मियों को पिछले एक साल से वेतन प्राप्त नहीं हुआ था। लंबे समय से सभी कर्मचारी परेशान थे और विभाग के अधिकारी से सिर्फ आश्वसान मिल रहा था। वेतन मिलने की आस खत्म हो रही थी, तभी मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जनदर्शन की शुरूआत की। मुख्यमंत्री से पहले ही जनदर्शन में आवेदन लेकर कर्मचारी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने विस्तार से उनकी समस्याओं को सुनी और कलेक्टर को निर्देश दिए। कलेक्टर ने कार्रवाई प्रारंभ कर वेतन देने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किए। इसके बाद सभी कर्मचारियों को उनके खाते में वेतन ट्रांसफर कर दिया गया। बैंक खाते में जैसे ही राशि पहुंचने का मैसेज मोबाइल पर पहुंचा, वैसे ही कर्मचारियों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। मुख्यमंत्री के द्वारा समस्या का त्वरित निराकरण होने के बाद धान संग्रहण केंद्र बकतरा के कर्मचारी श्री कुंजलाल चंद्राकर, ग्राम कुरूदभाठा के श्री नोखेलाल साहू, ग्राम जौंदा के हीरदेश साहू व अन्य कर्मियों में खुशी है।

राजधानी में उठाईगिरी की बढ़ती घटना चिंता का विषय

फाफाडीह व पचपेड़ी नाका में बने पुलिस पाइंट

रायपुर। राजधानी रायपुर में उठाईगिरी की घटनाएं रूकने का नाम नहीं ले रही हैं। लगातार हो रही घटना चिंता का विषय है, बाहर ग्रामीण तबके से आने वाले लोग अब तो खरीदी करने शहर आने से घबराने लगे हैं। उठाईगिरी की घटना आखिर आटो में सवार होने के बाद ही क्यों होती है ? और होती भी है तो फाफाडीह व पचपेड़ी नाका जैसे दो चौराहे से निकलने वाले आटो पर ही क्यों? पुलिस प्रशासन के लिए यह जांच का विषय होना चाहिए और इन दो जगहों पर पुलिस पाइंट बनना चाहिए ताकि संदिग्धों को निगरानी कर पकड़ा जा सके। साथ ही शहर में संचालित होने सभी ऑटो का वेरिफिकेशन भी अति आवश्यक है। रायपुर सराफा एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष हरख मालू ने जारी बयान में कहा है कि निश्चित तौर पर इन वारदातों के पीछे सुसंगठित गिरोह काम कर रहा है। यदि घटित पिछली सभी घटनाओं पर ध्यान दें तो लगभग समान ही दिखती हैं, बाहर से आए सवारी शहर आने के लिए जैसे ही बस से उतरकर ऑटो में सवार होती हैं, कुछ दूर आगे जाने पर कुछ महिलाएं बैठती हैं और वे सवारी के उतरने से पहले ही बीच रास्ते में उतर जाती हैं। इतने ही देर में वे अपने काम को अंजाम दे जाते हैं। सवारी से यदि जरा भी चूक हुई तो संदिग्ध वारदात करने में सफल हो जाते है। उठाईगिरी का शिकार हुए लोग पुलिस में रिपोर्ट लिखवाते हैं, मामला सुलझ भी नहीं पाता कि दूसरी घटना हो जाती है। गौर करने वाली बात ये हैं कि फाफाडीह व पचपेड़ी नाका जैसे दो सेंटर से ऑटो की सवारी करने वालों के साथ ही उठाईगिरी के अधिकांश मामले होते हैं।

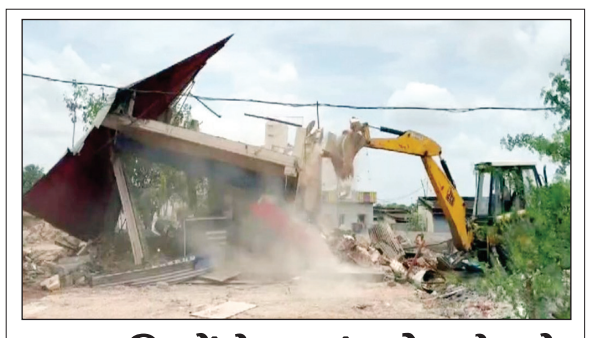

अपराधियों के बुलंद हौसले को तोड़ने के लिए चला बुलडोजर

दुर्ग। जिले में फिर एक बार फिर अपराधियों के दुकानों और मकानों में बुलडोजर चलाया गया है. अपराधियों के बुलंद हौसलों को तोड़ने के लिए उनके अवैध कारोबार और बीएसपी क्षेत्र में अवैध कब्जों को ढहाने की कार्रवाई लगातार जारी है. इस बार दुर्ग जिले के हिस्ट्रीशीटर गुंडा बदमाश पिंकी राय और मुकुल सोना के मरोदा स्थित अवैध ढाबे और दुकानों पर भिलाई स्टील प्लांट के ईनफोर्समेंट डिपार्मेंट का बुल्डोजर चला है. दुर्ग में अपराधियों को सबक सिखाने अब पुलिस और बीएसपी प्रबंधन संयुक्त रूप से कार्रवाई कर रही है. एक तरह जहां दुर्ग पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज रही है. वहीं बीएसपी प्रबंधन उनके अवैध कब्जों पर कार्रवाई कर रही है. एक सप्ताह पहले भिलाई के ग्लोब चौक में गोली चलाने वाले आरोपियों में अब तक 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. इन आरोपियों में मुख्य आरोपी अमित जोश और अंकुर शर्मा के सेक्टर 6,, मार्केट के समीप अवैध क्वार्टर पर पहले ही कार्रवाई की जा चुकी है.

वहीं आज शुक्रवार को हिस्ट्रीशीटर गुंडा बदमाश पिंकी राय और रिसाली निवासी मुकुल सोना के रिसाली स्थित घर पर कार्रवाई की गई. पिंकी राय ने मरोदा में 10 हजार स्क्वायर फिट क्षेत्र पर कब्जा कर फैमिली ढाबा संचालित कर रखा था. वहीं मरोदा में ही 4000 स्क्वायर फिट क्षेत्र पर राय ट्रेडर्स के नाम से बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर का काम संचालित कर रहा था. बीएसपी के इंफोर्समेंट विभाग ने सम्पदा न्यायालय में इन अवैध कब्जों के लिए डिक्री पारित कर तोड़फोड़ की कार्रवाई की है.निगरानी सुदा गुंडा बदमाश पिंकी राय के खिलाफ नेवई थाने में 14 और पाटन थाने में एक मामला दर्ज है. उस पर हत्या, लूट और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं. पिंकी राय इन मामलों में जेल भी जा चुका है.

छत्तीसगढ़ में 11 जुलाई से वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत, प्रदेश में रोपे जाएंगे 4 करोड़ पौधेः कश्यप

रायपुर। भाजपा की ओर से एक पेड़ मां के नाम से पौधरोपण कार्यक्रम चलाया जा रहा है. इस कार्यक्रम के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री और मंत्री भी अपनी मां के नाम से पौधरोपण कर रहे हैं. वहीं प्रदेश में 11 जुलाई से वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत भी सरकार की ओर से की जाएगी. इस अभियान को लेकर वन मंत्री केदार कश्यप ने जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ने देश के लोगों से आव्हान किया है कि एक वृक्ष मां के नाम लगाएं. हरित आवरण को बढ़ाने की दृष्टि से अभियान चलाया जाएगा. वृक्षारोपण के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा. पूरे छत्तीसगढ़ में लगभग 4 करोड़ पौधे इस बार रोपे जाएंगे.

दलपत सागर हो रहा दूषितः निगम पर लगा एनजीटी के नियमों का उल्लंघन करने का आरोप

जगदलपुर. छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में स्थित ऐतिहासिक दलपत सागर अब दूषित होते जा रहा है. नगर निगम की लापरवाही के चलते 5 से ज्यादा बड़े नालों का गंदा पानी सीधे दलपत सागर में जाकर उसे मैला कर रहा है. यही वजह है कि रियासत कालीन इस तालाब में जलकुंभीयां ही दिखाई पड़ती हैं. जलकुंभी को नष्ट करने विड हार्वेस्टिंग मशीन भी रोजाना चलाई जाती है. लेकिन गंदे पानी की वजह से यह जलकुंभी दुबारा पनप जाता है. आपको बता दें, दलपत सागर तालाब को दूषित पानी से बचने के लिए बालिकोंटा में सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भी स्थापित किया गया है. करोड़ों रुपए खर्च कर इस ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना यह सोचकर की गई थी, ताकि शहर से निकलने वाला गंदा पानी इस ट्रीटमेंट प्लांट में पहुंचेगा और स्वच्छ होने के बाद ही पानी को तालाब या नदी में छोड़ा जाएगा. तालाबों और नदियों के रखरखाव और सफाई को लेकर भी एनजीटी का साफ दिशा निर्देश है कि बगैर ट्रीटमेंट के नालों का गंदा पानी तालाबों और नदी में न जाए.

राधा कृष्ण मंदिर में रथ यात्रा की तैयारी जोरों पर... मंदिर की स्थापना को हुए 99 वर्ष पूरे

नवापारा राजिम । नगर के हृदय स्थल गांधी चौक के पास सेठ चतुर्भुज भागीरथ लाल अग्रवाल परिवार द्वारा निर्मित विशाल राधा कृष्ण मंदिर है. इस मंदिर की स्थापना को 99 वर्ष पूरे हो गए है। इस मंदिर में भगवान राधा कृष्ण के अलावा भगवान जगन्नाथ उनकी बहन सुभद्रा माता एवम भाई बलदाऊ की मनोहारी मूर्ति विराजित है। साथ ही शिव परिवार,माता रानी अम्बे भवानी का मंदिर,हनुमान जी का मंदिर एवम महाराज अग्रसेन की मूर्ति भी विराजित है। यहाँ की रथ यात्रा का आयोजन 99 वर्ष से हो रहा है .इस आयोजन का केवल नगर ही नही दूर दूर से अंचल के भक्तों को इंतजार रहता है। पौराणिक कथा अनुसार भगवान महाप्रभु के परम भक्त माधवदास जी पूर्व जन्मों के कर्म के कारण अत्यंत बीमार पड़ गए , भगवान को अपने इस भक्त की पीड़ा सही नही गई और उनकी बीमारी को अपने ऊपर ले लिया। इसलिए आसाढ़ शुक्ल द्वितीय के 15 दिन पहले बीमार हो जाते है।जगन्नाथ पुरी की इसी परंपरा को इस मंदिर मे भी निभाया जाता है और 15 दिन तक भगवान महाप्रभु को ओषधि युक्त काढ़ा पिलाया जाता है,जिसे भक्तगण भी इस भावना से लेते है की हम भी बीमार पड़े तो ठीक हो जावे। इस दौरान रथ को भव्य रूप से सजाया जाता है जिसमे पेंटर गणेश वर्मा,बढ़ाई, श्रीरामजी,एवम चित्रकार विक्रम महाराणा पूरी से इस रथ को सजाने आते है। मंदिर के ट्रस्टी एवम इस मंदिर से जुड़े भक्त गण रथयात्रा की तैयारी बहुत ही जोर शोर से कर रहे है। रथ यात्रा के दिन प्रातः 10 बजे से भक्तों को खिचड़ी प्रसाद वितरण किया जाता है, शाम 4 बजे भगवान को रथ में विराजमान कराया जाता है एवम भक्तों के द्वारा रथ की डोर भवसागर से पार लगा देने की बात कहते हुए खींची जाती हैं । हजारों की संख्या में भक्तगण दूर दूर से इस रथ यात्रा का दर्शन करने आते है। यह यात्रा सदर रोड होते बस स्टैंड ,गंजरोड होते वापस मंदिर पहुंचती है। इस दौरान,बेंड बाजा, भजन मंडली,सांस्कृतिक मंडलियां नृत्य करते आगे आगे चलती है, जिस भी भक्त के घर दुकान के सामने से महाप्रभु निकलते है भक्तगण भगवान की आरती उतारकर दर्शन कर अपने को धन्य समझते है। पूरे मार्ग में भक्तों को मूंग चना जिसे गजामूंग कहा जाता है वितरण किया जाता है।

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग, रायपुर (छ.ग.)

ऑनलाइन द्वितीय बार ई-निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक - 411

क्रमांक 1438/निविदा/ग्रा.यां. सेवा/2024, रायपुर, दिनांक 04/07/2024

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत (लोक निर्माण विभाग में) द एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र अ पर दर्शित विद्युतीकरण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि. द्वारा जारी दिनांक 01.06.2020 तथा ग्रा.यां. सेवा में लागू दर अनुसूची (एस.ओ.आर.) दिनांक 09.09.2020 निविदा दर प्राप्त करने ऑनलाईन ई-निविदा दिनांक 15/07/2024 तक आमंत्रित की जाती है-

कार्य का विवरण	अनुमानत लाख राशि (रु. लाख में)
Zonal Tender (Different Type of Works i.e. Electrification. but each work not exceeding cost of Rs. 10.00 lakh) at Sub division- Tilda Distt.- Raipur (C.G.)	10.00

उपरोक्त कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 05/07/2024 से देखी जा सकती है।

टीप- मैन्युअल दस्तावेज की अंतिम तिथि 18/07/2024 सायं 5.30 तक कार्यपालन **अभियंता, ग्रा.यां. सेवा, संभाग रायपुर में पहुंचना अनिवार्य है।**

जी- 242500882/1

समाचार संक्षेप

मंत्री राजवाड़े ने कमलपुर में रेलवे स्टॉपेज शुरू करने केन्द्रीय रेल मंत्री को लिखा पत्र

रायपुर। महिला-बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर अम्बिकापुर दुर्ग एक्सप्रेस का स्टॉपेज कमलपुर में पुनः शुरू करने का अनुरोध किया है। महिला-बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े केन्द्रीय रेल मंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि अम्बिकापुर दुर्ग एक्सप्रेस की अप और डाउन गाड़िया नियमित रूप से कमलपुर रेल्वे स्टेशन में रूका करती थीं। कोविड के दौरान रेल्वे द्वारा कमलपुर स्टेशन में इस ट्रेन का स्टॉपेज अस्थाई रूप से बंद किया गया था। मंत्री राजवाड़े ने कहा है कि उनके क्षेत्र में भ्रमण के दौरान लोगों ने कमलपुर में पुनः स्टॉपेज शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि कमलपुर के आस-पास लगभग 3500 लोगों की आबादी है, जो इस स्टॉपेज के माध्यम से रेल सुविधाओं का उपयोग करती हैं। इसके अलावा इस स्टेशन के पास ग्राम सिलफिली में बड़ी सब्जी मंडी भी है। कमलपुर स्टेशन से अम्बिकापुर की दूरी मात्र 15 किलोमीटर है। उन्होंने यह भी अवगत कराया कि रोजाना बड़ी संख्या में अम्बिकापुर से विश्रामपुर के लिए लोगों का आना-जाना लगा रहता है। अतः कमलपुर में स्टॉपेज पुनः शुरू करने से कमलपुर और आस-पास के गांव सहित अम्बिकापुर और विश्रामपुर से आने वाले लोगों को इसका लाभ मिलेगा।

बुजुर्ग हुआ उठाईगिरी का शिकार

रायपुर। ई-रिक्सा में एक बुजुर्ग उठाईगिरी का शिकार हो गया। अज्ञात दो महिलाओं ने बुजुर्ग के बैग में रखे नकदी ढाई लाख रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी हुमन लाल वर्मा 62 वर्ष पठारीडीह पलारी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी ई-रिक्सा में बैठकर कहीं जा रहा था, तभी रिक्सा में सवार अज्ञात दो महिलाओं ने बुजुर्ग के बैग से नकदी रकम 2 लाख 50 हजार रुपए पार कर दिया। जब प्रार्थी को पता चला तो उसने इसकी शिकायत कोतवाली थाना में की। मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

सूने मकान का ताला टूटा नकदी सहित जेवर पार

रायपुर। अयोध्या नगर चंगोराभाठा स्थित सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे सोने-चांदी के जेवर पार कर दिया। प्रार्थिया की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया रामेश्वरी चंद्राकर 55 वर्ष अयोध्यानगर चंगोराभाठा की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि 20 से 21 जून के मध्य अज्ञात चोर ने प्रार्थिया के सूने मकान का ताला तोड़कर आलमारी में रखे नकदी सहित सोने-चांदी का जेवर पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 80 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थिया की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

गोदाम से हजारों रुपए का सामान गायब

रायपुर। पैकरा इस्पात के सामने नेवरा स्थित गोदाम में प्रवेश कर अज्ञात चोर ने टूल्लू पंप, ग्लाइंडर मशीन व अन्य सामान पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। मिली जानकारी केअनुसार प्रार्थी सुधांसू शर्मा 31 वर्ष शिक्षक कालोनी तिल्दा का रहने वाला है। प्रार्थी ने थाना में शिकायत किया कि पैकरा इस्पात के सामतने उसका गोदाम है। जिसमें अज्ञात चोर ने प्रवेश कर गोदाम में रखे टूल्लू पंप, ग्लाइंडर मशीन व अन्य सामान पार कर दिया। चोरी गए जुमला कीमती करीब 25 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

अवैध रूप से बेच रहा था शराब, गिरफ्तार

रायपुर। मुखबिर सूचना मिला की घटनास्थल के पास एक व्यक्ति अपने पास अवैध रूप से शराब रखकर बेच रहा है कि मुखबिर सूचना तस्दीक हेतु मौके पर जाकर संदेही को घेराबंदी कर पकड़ कर पूछताछ करने पर अपना नाम रामखिलावन निषाद पिता दीनदयाल निषाद 36 वर्ष पता सूरज नगर लाभांडी थाना तेलीबांधा रायपुर का रहने वाला बताया जो अपने पास एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में 15 पौवा अंग्रेजी शराब जम्मू डीलक्स व्हिस्की एवं बिक्री रकम 240 रुपया मिला मौके पर गवाहों के समक्ष मुताबिक जपती पत्रक के जप्त कर सील बंद कर जप्त किया गया आरोपी का कृत्य अपराध धारा 34(1) ब आबकारी एक्ट का पाया जाने से अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया।

लक्ष्य निर्धारित कर अपनी सीमा न बांधें विद्यार्थी : अरुण साव

रायपुर » दैनन्दिनी.

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज रायपुर के धनेली स्थित श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय में श्री सद्गुरू प्राकट्य महोत्सव और स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों और इंडो-नेपाल यूथ गेम्स में पदक जीतने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों को संबोधित करते हुए कहा कि श्री रावतपुरा सरकार विश्वविद्यालय ने छत्तीसगढ़ और भारत में पिछले सात वर्षों में अपनी अलग पहचान बनाई है। यह विश्वविद्यालय शिक्षा और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के साथ ही संस्कार और आध्यात्म से भी जुड़ा है। यहां विदेशों से भी विद्यार्थी अध्ययन के लिए आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय से ही भारत पूरी दुनिया को देते आया है। चिकित्सा, विज्ञान, वेद, आध्यात्म जैसी चीजें भारत ने दुनिया को दी हैं। हमारी संस्कृति और कल्पना इतनी व्यापक है कि श्वसुधैव कुटुंबकमश् को अपनाते हुए हम पूरी दुनिया को अपना परिवार मानते हैं। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश बीते दस वर्षों में विश्व गुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ा है। मजबूत भारत के निर्माण की नींव इन दस वर्षों में रखी गई है। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित कर अपने लिए सीमा मत बांधिए। आप अपने विषय और अपने क्षेत्र में समर्पण और निष्ठा से काम करें। एक दिन आप शिखर पर होंगे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय श्री ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का उदाहरण देते हुए छात्र-छात्राओं को प्रेरित किया कि अपने क्षेत्र में कड़ी मेहनत और लगन से आप भी शीर्ष पर पहुंच सकते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एस.के. सिंह ने भी समारोह को संबोधित किया। प्रति-कुलाधिपति श्री हर्ष वर्धन ने समारोह में स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कुल सचिव डॉ. सौरभ कुमार शर्मा ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन पढ़ा। विश्वविद्यालय के डीन (एकेडमिक्स) सहित सभी प्राध्यापक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

बच्चों की मोहक मुस्कान का जादू....

रायपुर। बच्चों की मोहक मुस्कान से प्रसन्नचित्त मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय बच्चों को दुलार करते हुए, बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता से और अपने हुनर से सुंदर चीजें बनाई थीं। मुख्यमंत्री ने इन्हें अपने हाथों में लिया और बच्चों की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप लोगों ने इतना सुंदर कैसे बनाया। जशपुर के बच्चे डिजिटल इंडिया से भी जुड़े हैं उनके हाथ कंप्यूटर और लैपटाप के माउस पर हैं। इन पर अपने हुनर का उन्होंने कमाल भी मुख्यमंत्री को दिखाया। मुख्यमंत्री ने इन्हें प्रोत्साहित किया। साथ ही इस मौके पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या देवी साय भी मौजूद रहीं।

डिजिटल सचिवालय के लिए राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

रायपुर. डिजिटल सचिवालय परियोजना के क्रियान्वयन हेतु आज राजभवन के अधिकारियों-कर्मचारियों को चिप्स द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। चिप्स द्वारा सामान्य प्रशासन विभाग के मार्गदर्शन में एचआरएमएस सॉफ्टवेयर विकसित किया गया है, जिसमें अवकाश के लिए आवेदन, अचल संपत्ति विवरण और गोपनीय प्रतिवेदन ऑनलाइन भरा जा सकेगा। राजभवन में भी डिजिटल एचआरएमएस सॉफ्टवेयर के संचालन हेतु आवश्यक तैयारी की जा रही है। इसी सिलसिले में यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में उपस्थित चिप्स के प्रशिक्षणकर्ताओं ने सभी शंकाओं का उचित समाधान किया। प्रशिक्षण में उप सचिव श्रीमती हिना अनिमेष नेताम, अवर सचिव सुश्री अर्चना पाण्डेय, नियंत्रक श्री संजय विश्वकर्मा सहित राजभवन के सभी अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

क्रिकेट सट्टा चलाने वाले 4 सटोरिये पुणे से गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर पुलिस ने क्रिकेट सट्टा नेटवर्क के तहत महादेव रेड्डी बैट बुक - 23 के माध्यम से सट्टा संचालित करते हुए 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट और थाना मौदहापारा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई। आरोपियों पर यह आरोप है कि वे प्रार्थी दशरथ निषाद को झांसे में लेकर उसका बैंक खाता खुलवाकर उसका उपयोग सट्टे के पैसों के लेन-देन के लिए कर रहे थे। 4 जुलाई को पुलिस ने पुणे के महालुंगे बानेर रोड स्थित एक फ्लैट में रेड मारकर इन आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 22 मोबाइल फोन, 03 लैपटॉप, 02 वाई-फाई, 12 पासबुक, 24 चेकबुक, 72 एटीएम कार्ड और सट्टे के पैसों का हिसाब रखने वाले रजिस्टर जब्त किए गए।प्रार्थी दशरथ निषाद ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसका साथी मोहित विश्वकर्मा ने उसे बैंक खाता खुलवाने के लिए कहा था। बाद में पता चला कि मोहित विश्वकर्मा ने इस खाते का उपयोग सट्टे के लेन-देन के लिए किया। पुलिस ने इस रिपोर्ट के आधार पर अपराध क्र 193/24 धारा 318(4), 61(2) बी.एन.एस तथा छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 07 के तहत मामला दर्ज किया। इससे पहले भी पुलिस ने पुणे में सांगरिया फेस-03 मेगा पोलिस हिंजेवाडी के एक फ्लैट में रेड मारकर 05 सटोरियों को गिरफ्तार किया था। उनके कब्जे से 47 मोबाइल फोन, 06 लैपटॉप, 01 टैबलेट, 02 राउटर, 02 लैपटॉप चार्जर, 03 रजिस्टर, 20 पासबुक, 35 चेकबुक, 07 ऑनलाइन

बैंकिंग किट और 56 एटीएम कार्ड बरामद हुए थे। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और जांच में यह पता चला कि उनके कई साथी भी पुणे से महादेव एप पैनल के माध्यम से सट्टा संचालित कर रहे हैं। पुलिस अब तक कुल 09 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है और फरार आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने बैंक खातों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है और ट्रांजैक्शनों का विश्लेषण किया जा रहा है। तुषार शिवनकर, 24 साल, टिकरापारा, बिलासपुर,करण सिंह, 26 साल, रूआबांधा, भिलाई, दुर्ग,शुभम सिंह, 24 साल, रूआबांधा, भिलाई, दुर्ग, कमल चक्रधारी, 22 साल, जामुल, भिलाई, दुर्ग

राजधानी में बलवा करने वाले 5 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। रायपुर। इस प्रकार है कि दिनांक 01.07.2024 के रात्रि लगभग 8:00 बजे को प्रार्थी ऋषभ कटारिया अपने भतीजा का जन्मदिन के अवसर पर रिश्तेदार एवं बच्चे जन्मदिन मनाने अपने घर बुलाए थे, मेहमानों की गाड़ी बाहर खड़ी थी।

इस गाड़ी में से स्कोडा कार क्रमांक छ्त्त 04 ह्8764 तथा वरना कार क्रमांक छ्त्त 04ह् 5198 बाहर खड़ी थी। तभी तेज एवं लापरवाही पूर्वक बुलेट क्रमांक छ्त्त04ह्॥3974 का चालक अपनी वहान से स्कोडा कार एवं वरना कार दोनों को ठोकर मारकर गिर गया। उनके बुलेट से दोनो कार को नुकसान पहुंचा,जिसे प्रार्थी द्वारा उठाया गया और उसका नाम पूछा तो उसने अपना नाम मोक्ष राय बताया।घटना से हुए नुकसान की वजह से उसे अपने पास रखा, उनके पिता को बुलाने कहने पर उसके मोबाइल से उसे बात करने बोला तो वह 1 नंबर पर उसने फोन किया। सभी वहीं पर इकट्ठा होकर इंतजार करने लगे। 10-15 मिनट बाद 7-8 दोस्त सोनेट कार क्रमांक छ्त्त04क्क्5374 और 1 स्कूटर में सवार होकर आए,आते ही प्रार्थी के परिवार को अश्लील गंदी गाली गलौज गुप्तार कर जान से मारने की धमकी देकर किया सोनेट कार में रखे बेसबॉल, डंडे एवं रॉड से मारपीट करना चालू कर दिए।मारपीट करते देख आसपास के लोग इकट्ठा हो गए, उक्त आरोपियन द्वारा मारपीट करते हुए प्रार्थी ,उनके परिवार के सदस्यो एवं बीच बचाव में आए लोगों को भी मारपीट करने लगे द्य

जिसमें प्रार्थी एवं बचाव में आए 4-5 सदस्यों को भी सिर,हाथ,पैर एवं अन्य जगहों पर चोट आया। कैसे भी करके सभी लोगों द्वारा उक्त लड़कों को पकड़ने का प्रयास करने लगे, जिसमे तीन लड़के को पकड़ कर रखा गया एवं अन्य लड़के वहां से भाग गए। पकड़े गए लड़के को नाम पूछने पर अपना नाम मोक्ष राय,संजू भारती एवं अपचारी बालक बताएं।घटना की सूचना पर तत्काल पेट्रोलियम टीम थाना प्रभारी घटनास्थल पर उपस्थित आए। तत्काल रिपोर्ट पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त किया सोनेट कार छ्त्त04 क्क्5374 ,बुलेट, मोटर सायकल स्कूटर, बेस बाल एवं राड जप्त किया गया है।

गिरफ्तार आरोपी-01. मोक्ष राय पिता अनंत राय उम्र 19 वर्ष साकिन बी ब्लॉक 102 रॉयल टावर पचपेड़ी नाका थाना टिकरापारा रायपुर।संजीव भारती पिता संजय भारती उम्र 18 वर्ष सेकंड राधा कृष्ण मंदिर के पीछे .

बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में आगे बढ़ेगा छत्तीसगढ़ :श्याम बिहारी जायसवाल

रायपुर » दैनन्दिनी.

छत्तीसगढ के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल आज ढ्ढढ्ढञ्ज भिलाई में आयोजित ÷हेल्थ इनोवेशन केयर इन छत्तीसगढ़÷ के दूसरे राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। इस कॉन्फ्रेंस में IIT, IIM, AIIMS, NIT और मल्टी नेशनल कंपनी के पदाधिकारियों के साथ छत्तीसगढ़ के दूरस्थ अंचल तक बेहतर मेडिकल सुविधा कैसे पहुंचे इस पर सकारात्मक चर्चा हुई। कॉन्फ्रेंस में स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए सुझाव और तकनीक को लेकर चर्चा हुई जो आने वाले दिनों में राज्य के लिए काफी फायदेमंद साबित होंगे। कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए श्री जायसवाल ने कहा कि स्वास्थ्य एक ऐसा विषय है जो इंसान के साथ ताउम्र जुड़ा रहता है , लिहाजा एक बीमारी को ठीक करना हे स्वास्थ्य नहीं है बल्कि व्यक्ति बीमार ही न हो यह ज्यादा आवश्यक है। ऐसी स्थिति लाने की लिए युवा पीढ़ी को शादी से पहले जन्म कुंडली ही नहीं बल्कि जेनेटिक कुंडली भी मिला लेनी चाहिए ताकि सिकल सेल एनीमिया जैसी बीमारी पूरी तरह से खत्म हो जाए। श्री जायसवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य के क्षेत्र में तकनीक का इस्तेमाल हो रहा

है और इसका लाभ भी दूरस्थ अंचल के लोगों को मिल रहा है। अंबिकापुर से उदयपुर तक ड्रोन चिकित्सा सेवा और रायपुर के मेकाहारा में रोबोटिक सर्जरी की शुरुआत नई तकनीक का ही उदाहरण है।श्री जायसवाल ने भारत की अग्रणी संस्थाओं से कहा कि वो स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए तकनीक की खोज करां जिसके लिए राज्य सरकार का हर संभव सहयोग रहेगा। उन्होंने जानकारी देते हुए कहा कि राज्य सरकार दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के लिए कार्य कर रही है जिसमें रायपुर और बिलासपुर में 700 बेड के अस्पताल तथा बस्तर और सरगुजा में सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण की घोषणा शामिल हैं। कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ धीरेंद्र तिवारी, ढ्ढढ्ढञ्ज भिलाई के निदेशक प्रो.डॉ. राजीव प्रकाश ,ढ्ढढ्ढरू रायपुर के कार्यकारी निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल , ह्ढ्ढञ्ज रायपुर के निदेशक प्रो. एन. वी. रमन्ना राव सहित ढ्ढढ्ढरू रायपुर और स्टैनफोर्ड बायर्स सेंटर फॉर बायोडिजाइन के पदाधिकारी और IIT भिलाई के रिसर्च स्कॉलर्स उपस्थित थे।

विधानसभा में आयोजित हुआ युवा गोठ का मॉक सदन

रायपुर » दैनन्दिनी.

विधानसभा परिसर स्थित ऑडिटोरियम में शुक्रवार को राज्य सरकार, यूनिसेफ और नेहरू युवा केंद्र के संयुक्त प्रयास से युवा गोठ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 146 विकासखंडों से आए 150 युवा प्रतिनिधियों, विशेष रूप से बस्तर संभाग के युवाओं ने भागीदारी की। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन का प्रारूप बनाकर चर्चा की।

कार्यक्रम की शुरुआत-कार्यक्रम की शुरुआत में श्रीकांत पांडे, स्टेट डायरेक्टर, नेहरू युवा केंद्र ने छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह के डेढ़ दशक के कार्यों का विशेष उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि भाजपा की सरकार में डॉ. सिंह ने युवाओं पर विशेष ध्यान दिया और कौशल उन्नयन के लिए कानून बनाकर संवैधानिक अधिकार दिया था। इसके साथ ही राज्य में पौधरोपण और वनांचलों के बेहतर रखरखाव की पहल भी की गई थी।

विशेष संबोधन-डॉ. रमन सिंह ने कहा, फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता को समाप्त करने व पर्यावरण जागरूकता के साथ ही प्रकृति का संरक्षण संभव है।÷ उन्होंने अपने संबोधन में पर्यावरण परिवर्तन के बारे में जागरूकता फैलाने और प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि पृथ्वी पर मौजूद पानी का केवल 0.5% पानी ही पीने योग्य और मानव उपयोग के लिए है।

कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप का संबोधन-कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण के लिए शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान पूरे देश में संचालित हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस अभियान से जुड़कर हर नागरिक प्रकृति और पर्यावरण के प्रति जागरूक हो रहा है।

युवा प्रतिनिधियों की भूमिका-युवा गोठ कार्यक्रम में युवाओं ने जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन का प्रारूप बनाकर चर्चा की। विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय 16 युवा मितानों को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूकता जैसे महत्वपूर्ण कार्यों के लिए अतिथियों द्वारा पुरुस्कृत किया गया।

प्रमुख बातें

जलवायु परिवर्तन पर चर्चा- युवाओं ने पक्ष-विपक्ष के तौर पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

पर्यावरण संरक्षण- फॉसिल फ्यूल पर निर्भरता को समाप्त करने और पर्यावरण जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

डॉ. रमन सिंह का संदेश- पर्यावरण संरक्षण और जल-संवर्धन के लिए हर घर से प्रयास करने की आवश्यकता बताई।कार्यक्रम में केदार कश्यप, वन एवं जल संसाधन मंत्री (छत्तीसगढ़ शासन), दिनेश शर्मा, सचिव विधानसभा, श्रीकांत पांडे, स्टेट डायरेक्टर, नेहरू युवा केंद्र, विलियम जूनियर, यूनिसेफ चीफ (उड़ीसा और छत्तीसगढ़), श्वेता पटनायक, एवं विशेषज्ञ पर्यावरण परिवर्तन (यूनिसेफ) और नेहरु युवा केंद्र व यूनिसेफ समेत विधानसभा सचिवालय के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। डॉ. रमन सिंह ने इस कार्यक्रम में आए युवाओं को अपनी शुभकामनायें व्यक्त करते हुए कहा कि वे प्रकृति और पर्यावरण के प्रति सजग विचारों को लेकर सदन तक भी पहुंचें। इस कार्यक्रम ने युवाओं को पर्यावरण संरक्षण के महत्व और इसके लिए उठाए जाने वाले कदमों के प्रति जागरूक किया।

दिल्ली-मुंबई हवाई टिकट हुआ सस्ता

रायपुर। ट्रैवल्स संचालक कीर्ति व्यास ने बताया कि इन दिनों रायपुर से दिल्ली का हवाई किराया 7000 से 8000 रुपये तक उपलब्ध है। वहीं रायपुर से मुंबई का हवाई किराया भी 6500 से 7000 रुपये में उपलब्ध है। इसके साथ ही रायपुर से बैंगलुरू 8000 रुपये, रायपुर से हैदराबाद 7500 रुपये, रायपुर से कोलकाता 6500 रुपये तक उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने बताया कि बारिश के मौसम में हवाई यात्राएं कम हो जाती है, तो विमानन कंपनियों पर भी इसका असर पड़ता है और वे हवाई किराया कम करती है।

लोन लेने के लिए ITR बनवाए मात्र 500/- रू. में

जी.एस.टी. रिटर्न | FOOD लायसेंस
इनकम TAX फाईल | MSME रजिस्ट्रेशन
TDS रिफन्ड | प्रोजेक्ट रिपोर्ट
IT नोटिस | डिजिटल सिगनेचर

सम्पर्क- शेखर गुप्ता WWW.ONLYTDS.COM
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद करने हेतु तैयार
9300755544, 8878655544

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-**ब्रजेश शुक्ला** द्वारा आशीर्वाद, सी-255, रोहिणीपुरम रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स 317/4 सरोना रायपुर से मुद्रित। फोन-0771-4059450, ईमेल- dainandini@yahoo.in, mail2dainandini@gmail.com